हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● बुधवार ● 06.08.2025 ● वर्ष : 16 ● अंक : 16 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : 3 ~~रुपये~~ 2 रुपये

पंचतत्व में विलीन हुए गुरुजी

पुत्र हेमन्त सोरेन ने दी मुखाग्नि, जिस सरजमीं से शुरू किया था संघर्ष, वहीं से किया "अनंत विश्राम"

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : झारखंड राज्य के प्रणेता, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय शिबू सोरेन मंगलवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। झारखंड के जिला रामगढ़ स्थित उनके पैतृक गांव नेमरा में राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। राज्य के मुख्यमंत्री और उनके पुत्र हेमंत सोरेन ने उन्हें मुखाग्नि दी और अंतिम जोहार कहा।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन अपने पिता के अंतिम संस्कार के दौरान बेहद भावुक हो गए। उनकी आंखें डबडबा गईं। बेहद भारी मन से उन्होंने अपने पिता और राजनीतिक गुरु को इस दुनिया से विदा किया। अंतिम संस्कार के दौरान उनके साथ भाई बसंत सोरेन और उनके परिवार के कई अन्य सदस्य वहां मौजूद थे। घाट पर एक ही चर्चा थी कि जिस सरजमीं से शिबू सोरेन ने संघर्ष और राजनीति शुरू की। आज उसी जगह पर पंचतत्व में विलीन हुए। सैकड़ो गांवों से पहुंचे लोग अपने बाबा (शिबू सोरेन) और नेता को प्रणाम कर उन्हें अंतिम विदाई दी।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन अपने पिता शिबू सोरेन का शव लेकर जैसे ही अपने पैतृक गांव नेमरा के घाट पर पहुंचे, वहां झमाझम बारिश शुरू हो गयी। इस पर स्थानीय लोगों का कहना था कि झारखंड की अस्मिता की लड़ाई लड़ने वाले लाल को प्रकृति ने भी अंतिम विदाई दी है। गुरुजी के चाहने वालों ने कहा कि झारखंड के लाल के निधन पर आसमान भी रो रहा है।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन का अंतिम संस्कार गांव के ही बड़की नाला तट पर हुआ। घर से लगभग 600 मीटर की दूरी पर स्थित श्मशान घाट में जाने के लिए रास्ते भी बनाए गए थे।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव नेमरा, गोला रामगढ़ पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु दिवंगत शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में सम्मिलित हुए। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं परिजनों से मिलकर अपनी संवेदना जताई और दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को दु:ख की इस घड़ी में शक्ति प्रदान करने की कामना ईश्वर से की।

रास्ते पर नहीं थी जगह पगडंडियों से श्मशान घाट पहुंचे गुरूजी के समर्थक

गुरुजी के नाम से प्रसिद्ध शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार की खबर जब लोगों को मिली, तो वे मंगलवार की सुबह से ही नेमरा पहुंचने लगे थे। गांव से लगभग सात किलोमीटर पहले लुकैयाटांड़ में ही जिला प्रशासन की ओर से बैरीकेडिंग कर दी गयी थी। वीआईपी लोगों के लिए हेलीपैड और गाड़ियों की व्यवस्था की गई थी। सात किलोमीटर तक का रास्ता वीआईपी जिला प्रशासन की ओर से बनाए गए रूट के हिसाब से ही तय कर पा रहे थे। लेकिन झारखंड मुक्ति सोर्चा (झामुमो) और शिबू सोरेन के समर्थकों ने सात किलोमीटर की लंबी दूरी को पैदल ही पार करना स्वीकार किया।

अपने चहेते नेता की अंतिम झलक पाने के लिए 45 किमी तक सड़कों पर खड़े रहे लोग

रामगढ़ जिले में शिबू सोरेन की शव यात्रा मेंकाफी भीड़ देखने को मिली। लोग अपने चहेते नेता का अंतिम झलक पाने के लिए 45 किलोमीटर तक सड़कों पर घंटों खड़े रहे। जिस रास्ते से भी शिबू सोरेन का शव वाहन गुजरा वहां लोग हाथ जोड़कर खड़े नजर आए। जैसे ही रामगढ़ जिले में शव वाहन प्रवेश किया, लोग उनके दर्शन के लिए पीछे-पीछे भागने लगे।

जीवन के सबसे कठिन दिनों से गुजर रहा हूं : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक संरक्षक और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। उनके निधन से पूरे झारखंड में शोक की लहर है। आज उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। पिता की अंतिम यात्रा से पहले उनके बेटे एवं मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने उन्हें याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, "मैं अपने जीवन के सबसे कठिन दिनों से गुजर रहा हूं। मेरे सिर से सिर्फ पिता का साया नहीं गया, झारखंड की आत्मा का स्तंभ चला गया। मैं उन्हें सिर्फ 'बाबा' नहीं कहता था। वे मेरे पथ प्रदर्शक थे, मेरे विचारों की जड़ें थे और उस जंगल जैसी छाया थे, जिसने हजारों-लाखों झारखंडियों को धूप और अन्याय से बचाया।" उन्होंने आगे लिखा कि मेरे बाबा की शुरूआत बहुत साधारण थी। नेमरा गांव के उस छोटे से घर में जन्मे,जहां गरीबी थी, भूख थी, पर हिम्मत थी। बचपन में ही उन्होंने अपने पिता को खो दिया। जमींदारी के शोषण ने उन्हें एक ऐसी आग दी, जिसने उन्हें पूरी जिंदगी संघर्षशील बना दिया। मैंने उन्हें देखा है हल चलाते हुए, लोगों के बीच बैठते हुए, सिर्फ भाषण नहीं देते थे, लोगों का दु:ख जीते थे। हेमंत सोरेन ने लिखा कि बचपन में जब मैं उनसे पूछता था, 'बाबा, आपको लोग दिशोम गुरु क्यों कहते हैं?' तो वे मुस्कुराकर कहते- 'क्योंकि बेटा, मैंने सिर्फ उनका दुख समझा और उनकी लड़ाई अपनी बना ली।' वो उपाधि न किसी किताब में लिखी गई थी, न संसद ने दी- झारखंड की जनता के दिलों से निकली थी। 'दिशोम' मतलब समाज, 'गुरु' मतलब जो रास्ता दिखाए। सच कहूं तो बाबा ने हमें सिर्फ रास्ता नहीं दिखाया, हमें चलना सिखाया। बचपन में मैंने उन्हें सिर्फ संघर्ष करते देखा, बड़े बड़ों से टक्कर लेते देखा, मैं डरता था पर बाबा कभी नहीं डरे। वे कहते थे 'अगर अन्याय के खिलाफ खड़ा होना अपराध है, तो मैं बार-बार दोषी बनूंगा।' बाबा का संघर्ष कोई किताब नहीं समझा सकती। वो उनके पसीने में, उनकी आवाज में, और उनकी चप्पल से ढकी फटी एड़ी में था। जब झारखंड राज्य बना, तो उनका सपना साकार हुआ पर उन्होंने कभी सत्ता को उपलब्धि नहीं माना। उन्होंने कहा, 'ये राज्य मेरे लिए कुर्सी नहीं यह मेरे लोगों की पहचान है।' आज बाबा नहीं हैं, पर उनकी आवाज मेरे भीतर गूंज रही है। मैंने आपसे लड़ना सीखा बाबा, झुकना नहीं। मैंने आपसे झारखंड से प्रेम करना सीखा, बिना किसी स्वार्थ के। अब आप हमारे बीच नहीं हो, पर झारखंड की हर पगडंडी में आप हो। हर मांदर की थाप में, हर खेत की मिट्टी में, हर गरीब की आंखों में आप झांकते हो। आपने जो सपना देखा, अब वो मेरा वादा है। सोरेन ने कहा कि मैं झारखंड को झुकने नहीं दूंगा, आपके नाम को मिटने नहीं दूंगा। आपका संघर्ष अधूरा नहीं रहेगा। बाबा, अब आप आराम कीजिए। आपने अपना धर्म निभा दिया। अब हमें चलना है आपके नक्शे-कदम पर। झारखंड आपका कर्जदार रहेगा। मैं, आपका बेटा, आपका वचन निभाऊंगा। वीर शिबू जिंदाबाद - ज़िन्दाबाद, जिंदाबाद दिशोम गुरु अमर रहें। जय झारखंड, जय जय झारखंड।

उत्तरकाशी में बादल फटा, चार की मौत, सौ से ज्यादा लापता

एजेंसी

उत्तरकाशी : उत्तरकाशी जनपद के धराली गांव में बादल फटने से खीरगंगा में भयंकर बाढ़ आ गई। डीएम प्रशांत आर्य ने बताया की धराली आपदा में अब तक चार लोगों की मौत हुई है। जबकि कई लोगों के मलबे में दबे होने की सूचना है। पानी का सैलाब गांव की तरफ आते ही लोगों में चीख पुकार मच गई। कई होटलों में पानी और मलबा घुस गया है। धराली बाजार पूरी तरह तबाह हो गया है। कई होटल दुकाने ध्वस्त हो चुकी है। आर्मी हर्षिल/ पुलिस/ एसडीआरएफ टीम भटवाड़ी के लिए रवाना हुई हैं।

उत्तराखंड में भारी बारिश ने तबाही मचाई हुई है। मंगलवार सुबह ही उत्तरकाशी बडकोट तहसील क्षेत्र के बनाल पट्टी में भारी अतिवृष्टि होने से चपेट में आई करीब डेढ़ दर्जन बकरियां कुड गदेरे में बह गई। कुड गदेरा उफान पर आने से अफरातफरी मच गई। मौसम

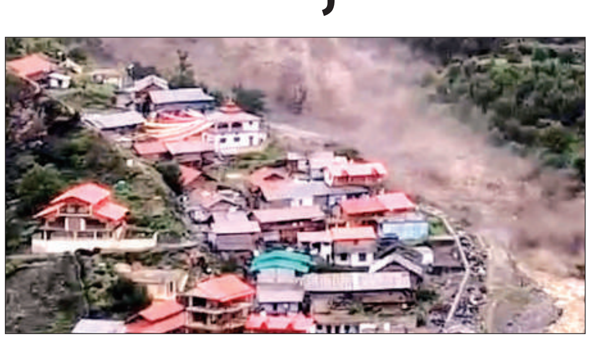

विज्ञान केंद्र के निदेशक रोहित थपलियाल ने बताया, प्रदेश भर में 10 अगस्त तक भारी बारिश होने की संभावना है। खासकर पर्वतीय इलाकों में तेज दौर की बारिश के आसार हैं। वहीं, बारिश की वजह से सुरक्षा को देखते हुए देहरादून, पौड़ी, टिहरी और हरिद्वार में मंगलवार को भी स्कूल बंद रहेंगे। धराली उत्तरकाशी क्षेत्र में बादल फटने से हुए भारी नुकसान का सीएम धामी ने गहरा दुःख जताया। उन्होंने कहा कि राहत एवं बचाव कार्यों के लिए एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, जिला प्रशासन और अन्य संबंधित टीमें युद्ध स्तर पर जुटी हुई हैं। इस सम्बन्ध में लगातार वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क में हूं।

दो एमआई और एक चिनूक हेलिकॉप्टर राहत बचाव का अनुरोध

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के पास उत्तरकाशी में बादल फटने की प्राथमिक सूचना प्राप्त हुई है। उत्तराखंड आपदा प्रबंधन विभाग ने भारत सरकार को दो एमआई और एक चिनूक हेलिकॉप्टर राहत और बचाव कार्य के लिए देने का अनुरोध किया है। जनपद में बीती रविवार देर रात से हो रही बारिश के कारण स्यानाचट्टी के पास यमुनोत्री हाईवे का करीब 25 मीटर हिस्सा धंस गया है जिससे आवाजाही बंद हो गई है। वहीं स्यानाचट्टी के एक ओर पहाड़ी से बोल्डर गिर रहे हैं। उधर, गंगोत्री हाईवे सुबह से दोपहर तक कई स्थानों पर अवरुद्ध रहा। इस वर्ष का मानसून की बारिश के कारण यमुनोत्री हाईवे पर परेशानी थमने का नाम नहीं ले रही है। बीते रविवार देर रात से जारी बारिश के कारण ओजरी डाबरकोट, स्यानाचट्टी के पास मलबा, बोल्डर गिरने से सड़क पर आवाजाही बंद हो गई थी। वहीं स्यानाचट्टी के दूसरी ओर कुपड़ा मोटर मार्ग के समीप करीब 25 मीटर सड़क धंसने से परेशानी बढ़ गई है।

पीएम मोदी ने जताया दु:ख

उत्तरकाशी : उत्तरकाशी के धराली में हुई इस त्रासदी से प्रभावित लोगों के प्रति मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। इसके साथ ही सभी पीड़ितों की कुशलता की कामना करता हूं। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी जी से बात कर मैंने हालात की जानकारी ली है। राज्य सरकार की निगरानी में राहत और बचाव की टीमें हरसंभव प्रयास में जुटी हैं। लोगों तक मदद पहुंचाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जा रही है।

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का निधन

एजेंसी

नयी दिल्ली : जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने दिल्ली के RML अस्पताल में दोपहर 1 बजकर 20 मिनट पर अंतिम सांस ली। वह कई दिनों से किडनी की बीमारी से परेशान थे। उसी के चलते कई दिनों से अस्पताल में भर्ती थे।

सत्यपाल मलिक ने जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल की जिम्मेदारी निभाई थी। उनका कार्यकाल 23 अगस्त 2018 से 30 अक्टूबर 2019 तक रहा। केंद्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने आज ही के दिन 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाई थी। इस दौरान वह ही राज्य के राज्यपाल थे।

24 जुलाई 1946 को सत्यपाल मलिक का जन्म हुआ था। वह गोवा, मेघालय और बिहार के राज्यपाल रहे। उसके बाद 2018 से 2019 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल के तौर पर कार्य किया। वे 1974-77 में उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य रहे। 1980-86 और 1986-89 में राज्यसभा के सांसद रहे। 1989-91 में चुनाव लड़कर 9वीं लोकसभा के सदस्य बने।

जम्मू-कश्मीर के किरू हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में सत्यपाल मलिक समेत 5 लोगों का नाम भ्रष्टाचार के मामले में सामने आया। सीबीआई ने 22 मई को उनके खिलाफ चार्जशीट दायर की थी। 2 हजार 200 करोड़ के सिविल वर्क्स कॉन्ट्रैक्ट में गड़बड़ी के आरोप में CBI ने 22 फरवरी 2024 को सत्यपाल मलिक के ठिकाने पर रेड मारी थी।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने सत्यपाल मलिक के निधन पर जताया शोक

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के निधन पर शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, श्री सत्यपाल मलिक जी के निधन का समाचार दुखद है। मैं उनके परिवारजनों और समर्थकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करती हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी शोक व्यक्त करते हुए एक्स पर कहा, श्री सत्यपाल मलिक जी के निधन से दुखी हूं। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और समर्थकों के साथ हैं।

एक नजर

डाडीकला ओपी के द्वारा किया गया वाहन चैकिंग

बड़कागांव: बड़कागांव थाना के अंतर्गत डाडीकला ओपी के चेपाखुर्द मोड के पास वाहन चैकिंग किया गया जिसमें वाहन चालकों को बिना हेलमेट एवं ड्राइविंग लाइसेंस के मोटर साइकल चला रहे लोगों को सख्त निर्देश देते हुवे डाडीकला ओपी के एएसआई सतीश कुमार ने कहा कि बिना हेलमेट एवं ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन न चलाए तथा कम उम्र के बच्चे को उनके अभिभावकों से अपील हे कि उन्हें मोटर साइकल चलाने से रोके जिससे कि दुर्घटना से बचा जा सके। मौके पर मुख्यरूप से सतीश कुमार,दुखन राम सालू किस्कू उपस्तिथ थे।

दिशुम गुरु शिबू सोरेन के निधन से पूरे झारखंड में शोक : रामेश्वर गोप

रामगढ़ : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सांसद और जनजातीय अस्मिता के प्रतीक दिशुम गुरु शिबू सोरेन जी के निधन पर पूरा झारखंड शोक में डूब गया है। समाजसेवी सह शिक्षा जागरण मंच के सचिव रामेश्वर गोप ने गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए अपने शोक संदेश में कहा कि दिशुम गुरु शिबू सोरेन का जीवन संघर्ष, सत्य, और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित रहा। उन्होंने झारखंड के आदिवासी समाज को आवाज दी और पूरे देश में उनकी पहचान एक सच्चे जननेता के रूप में बनी। उनका निधन न केवल झारखंड बल्कि देश की राजनीति और सामाजिक चेतना के लिए एक अपूरणीय क्षति है। रामेश्वर गोप ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए कहा कि झारखंड के हर गांव, हर नागरिक ने एक अभिभावक खो दिया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारजनों और समर्थकों को ईश्वर से धैर्य प्रदान करने की कामना की। दिशुम गुरु के विचार और उनके संघर्ष हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहेंगे।

जंगल में रेस्क्यू कर जानवर की जान बचाई

बड़कागांव : महुदी पहाड़ स्थित बुढ़वा महादेव मंदिर प्रांगण में एक जंगली जानवर ने प्लास्टिक की लोटनी में पानी पीने के दौरान अपना मुंह को ही फंसा दिया। जिसके कारण जानवर पेड़ पर चढ़ गया। जिस पर सफाई कर रहे लोगों की नजर उस पर गई। लोगों ने पेड़ पर चढ़कर काफी मशक्कत के बाद जानवर की मुंह से लोटनी को निकाला गया और उसे जंगल में छोड़ दिया गया।

शिबू सोरेन 'गुरुजी' के निधन पर सांसद ने जताया गहरा शोक

हजारीबाग : लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और तीन बार मुख्यमंत्री रहे दिशोम गुरु शिबू सोरेन 'गुरुजी' के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि गुरुजी के जाने की खबर सुनकर मन अत्यंत दुखी है। सांसद जायसवाल ने शिबू सोरेन को सिर्फ एक राजनेता नहीं, बल्कि झारखंड की सामाजिक चेतना और आदिवासी समाज के संघर्षशील अध्याय का प्रतीक बताया। उनका जाना झारखंड के लिए एक बड़ी और अपूरणीय क्षति है।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर झामुमो जिला कमेटी की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक, झारखंडी अस्मिता और जन-आंदोलन के पुरोधा दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद उनका पार्थिव शरीर दिल्ली से राँची लाया गया जहाँ हजारों लोगों ने नम आंखों से विदाई दी। मंगलवार को उनका अंतिम संस्कार रामगढ़ जिले के नेमरा गाँव में राजकीय सम्मान के साथ सम्पन्न हुआ। झारखंड के इतिहास में दिशोम गुरु का योगदान अतुलनीय रहा है। उन्होंने जल, जंगल, जमीन और जनजातीय अधिकारों की लड़ाई को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। उनका संघर्ष ही झारखंड अलग राज्य की नींव बना।

झारखंड मुक्ति मोर्चा हजारीबाग जिला कमिटी जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया के नेतृत्व में राँची पहुँचा और दिशोम गुरु को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसमें जिला समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा,बुद्धिजीवी मंच , किसान मोर्चा एवं प्रखंड स्तर के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल थे, जिन्होंने अंतिम दर्शन कर उन्हें भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा दिशोम गुरु केवल एक राजनीतिक नेता नहीं, बल्कि झारखंड के सामाजिक चेतना के प्रतीक थे।

भाजपा नेता अमरेश सिंह ने गुरुजी के निधन पर जताया शोक

भुरकुंडा (रामगढ़): भारतीय जनता पार्टी भुरकुंडा मंडल के उपाध्यक्ष अमरेश सिंह ने मंगलवार की सुबह रांची के मोरहाबादी स्थित झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय शिबू सोरेन (गुरुजी) के आवास पर पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन किए। अमरेश सिंह ने गुरुजी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए गहरा शोक प्रकट किया। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन ने झारखंड के विकास, आदिवासी समाज के उत्थान और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में जो योगदान दिया है, वह अविस्मरणीय है। गुरुजी के नेतृत्व में झारखंड ने एक अलग राज्य के रूप में अपनी नई पहचान बनाई।

सांसद व विधायक के प्रयास से हेसातू लोहरा मार्ग पर बनेगा उच्च स्तरीय पुल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

टंडवा : प्रखंड अंतर्गत सुदूरवर्ती गांव हेसातु और हजारीबाग जिले के केरेडारी प्रखंड अंतर्गत सुदूरवर्ती लोहरा गांव के आदिवासियों की सदियों से सामना कर रहे लोहरा नदी पर आनेवाली बाढ़ से अस्त-व्यस्त जीवन-यापन और उच्च शिक्षा हेतु आवागमन में छात्र -छात्राओं को आनेवाली समस्याओं से शीघ्र ही निजात मिल जाएगी। चतरा सांसद काली चरण सिंह और विधायक कुमार उज्ज्वल दास के प्रयास से आज दिनांक 05/08/2025 को लोहरा नदी पर उच्च स्तरीय पुल के निर्माण हेतु अंतिम सेटेलाइट आधारित माप का कार्य के साथ निर्माण का रास्ता प्रशस्त हो गया। इसके बाद डीपीआर का निर्माण और उत्क्रष्ठ से जिला परिषद चतरा से टेंडर के दो चरणों के साथ ही निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाएगा। इस पुल निर्माण की प्रक्रिया होने की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में काफी खुशी है। ग्रामीणों ने इसके लिए चतरा सांसद काली चरण सिंह और विधायक कुमार उज्ज्वल दास के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज यह दिशोम गुरु के प्रति यह आदिवासी गांव तक विकास की किरण देकर सच्ची श्रद्धांजलि है।

जिले में 1000 स्थानों में विश्व हिंदू परिषद स्थापना दिवस मनाया जाएगा : अरविंद मेहता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विश्व हिंदू परिषद जिला बैठक संघ कार्यालय में संपन्न हुआ, बैठक का संचालन जिला मंत्री अरविंद मेहता एवं अध्यक्षता जिला कोषाध्यक्ष नंदकिशोर कुमार जी ने किया, बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रांत संगठन मंत्री श्री देवी सिंह जी उपस्थित हुए। इस बैठक में आगामी अखंड भारत संकल्प दिवस और स्थापना दिवस पर विशेष रूप से चर्चा हुई। संगठन मंत्री श्री देवी सिंह जी ने कहा कि बंटेंगे तो कटेंगे। इसका अर्थ है कि अगर हम अपने समाज और देश को बांटेंगे, तो हमारा अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि हमें एकजुट रहना होगा और अपने समाज और देश की एकता को बनाए रखना होगा। अखंड

भारत संकल्प दिवस और स्थापना दिवस के विषय पर विश्व हिंदू परिषद जिला बैठक में विशेष रूप से चर्चा हुई। इस अवसर पर संगठन मंत्री श्री देवी सिंह जी ने कहा कि हमें अपने समाज और देश की एकता को बनाए रखने के लिए काम करना होगा। बैठक में उपस्थित नंदकिशोर जी, गुरुदेव, अभिनव, उमेश गुप्ता जी, मिथिलेश जी, चंदन जी, सुमंत पांडे जी,अरविंद मेहता, ऋषिकेश, भागीरथ प्रसाद, विनोद प्रसाद, पंकज कुमार, मिथिलेश कुमार, गौतम सोनी, ओम प्रकाश जी, इंद्रदेव कर माली, राजन कुमार महतो, अनुज कुमार राणा, नितेश कुमार, अभिनव कुमार, रविंद्र लाल, सोनल प्रियांशु, जगत किशोर, गौतम कुमार सिंह, सतीश साहू, प्रणव शंकर, भोला प्रसाद, प्रदीप चंद्रवंशी, कैलाश ठाकुर, पिंटू गुप्ता आदि लोग उपस्थित हुए।

दर्जनों नेता व सैकड़ो कार्यकर्ता एवं ग्रामीणों ने जयकारे लगाकर किया विदा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : हजारीबाग लोकसभा सांसद मनीष जायसवाल के द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम सांसद तीर्थ दर्शन यात्रा के तहत बड़कागांव प्रखंड के उरीमारी मंडल अंतर्गत तलसवार पंचायत से 65 तीर्थ यात्रियों का जत्था मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो एवम मण्डल सांसद प्रतिनिधि महेंद्र महतो के नेतृत्व में मुख्य अतिथि लोकसभा सांसद प्रतिनिधि सतेंद्र नारायण सिंह समेत दर्जनों वरिष्ठ नेताओं व अतिथियों द्वारा सादे समारोह में रवाना किया गया। हलांकि दिशोम गुरु सह पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन के कारण विशेष कार्यक्रम को स्थगित कर सादे समारोह में रवाना किया गया। वहीं तीर्थ यात्रियों को अंग वस्त्र, फल व पूजन सामग्री देकर सम्मान पूर्वक प्रस्थान किया गया। तीर्थ यात्री चार धाम यात्रा के तहत काशी विश्वनाथ

मंदिर, वाराणसी, अयोध्या, प्रयागराज, मां विंध्याचल का दर्शन करेंगे। सांसद तीर्थ दर्शन यात्रा कार्यक्रम हजारीबाग लोकसभा सांसद मनीष जायसवाल का लोकसभा क्षेत्र के असहाय ,गरीब, वृद्ध अविभावकों को चार धाम यात्रा करवा कर संस्कार को मजबूत करते हुए पुण्य के भागीदार बनाना है। जो सांसद के साथ -साथ भारतीय जनता पार्टी का महत्वपूर्ण कार्य है। मौके पर मुख्य रूप से लोकसभा सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल मिश्रा, विधानसभा सांसद प्रतिनिधि पुनम साहु, विधानसभा सांसद मिडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी, मुखिया गीता देवी, जुगनू सिंह, उरीमारी मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो, मण्डल सांसद प्रतिनिधि महेंद्र महतो, मुखिया संघ अध्यक्ष सह मंडल सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार, खोखा सिंह, केदार महतो, बेचन साव, प्रतिनिधि पूर्व मुखिया भिखन महतो, अशोक कुमार, केदार महतो, संजय साव, त्रिवेणी महतो, राजु कुमार रंजन, लालदेव महतो समेत सैकड़ों कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

दिशोम गुरु को उमाशंकर अकेला ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : झारखंड आंदोलन के प्रणेता और अद्वितीय आदिवासी नेतृत्व के प्रतीक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन की खबर से राज्यभर में शोक की लहर दौड़ गई है। पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने उनके पार्थिव शरीर के दर्शन कर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें अंतिम जोहार किया। शोक संवेदना व्यक्त करते हुए श्री अकेला ने कहा, दिशोम गुरु की सादगी, संघर्षशीलता और समाज के प्रति उनकी निःस्वार्थ सेवा हमेशा हमें प्रेरणा देती रहेगी। उन्होंने झारखंड आंदोलन को नई दिशा दी और आदिवासी अस्मिता की बुलंद आवाज को देश के कोने-कोने तक पहुँचाया। उन्होंने आगे कहा कि दिशोम गुरु की अनुपस्थिति राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है, लेकिन उनके विचार, सिद्धांत और योगदान

सदैव लोगों के दिलों में जीवित रहेंगे। पूर्व विधायक ने उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, हम सभी ने एक जननायक खोया है, जिनकी कमी कभी पूरी नहीं हो सकती। अंतिम जोहार दिशोम गुरु को।

सिकरी बड़कागांव में दक्षिण भारतीय शैली पर आधारित शिव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा भव्यता के साथ संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : बड़कागांव प्रखंड के सिकरी राजबागी स्थित एमडीओ कॉलोनी में त्रिवेणी सैनिक माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड के सौजन्य से नव निर्मित भव्य शिव मंदिर में पांच दिवसीय महायज्ञ के साथ शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा भव्य समारोह के साथ संपन्न हुआ। यह मंदिर नौ महीने की अथक मेहनत के बाद दक्षिण भारतीय वास्तुकला और तकनीकों से बनकर तैयार हुआ है। 31 जुलाई से 4 अगस्त 2025 तक चले इस धार्मिक आयोजन में त्रिवेणी सैनिक के कर्मचारियों और आसपास के गांवों, जैसे सिकरी, चमगढ़ा, पकरी बरवाडीह, जुगरा,लंगातू, बड़कागांव और महटीकरा सहित आसपास के अनेकों गांवों के हजारों श्रद्धालु इस प्राण प्रतिष्ठा में शामिल हुए। इस महायज्ञ का शुभारंभ 31 जुलाई से भव्य कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ जिसमें 301 के करीब महिलाओं और कन्याओं ने पवित्र जल से भरे कलश लेकर उसे यज्ञशाला में स्थापित किया। इस दौरान ढोल-नगाड़ों की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय और पारंपरिक आस्था का केंद्र हो गया। वाराणसी से आये हुए कुल नौ यज्ञ के आचार्यों और मुख्य पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चारण और नियम निष्ठा के साथ अपने यजमानों के संग सभी धार्मिक अनुष्ठान विधिवत संपन्न कराए। 01 से 03 अगस्त तक महापूजा-अर्चना और संध्या महाआरती का आयोजन किया गया,जिसमें बड़ी संख्या में आसपास के भक्तगण और ग्रामीण शामिल हुए। पांच दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन के अंतिम दिन 04 अगस्त को महायज्ञ की पूर्णाहुति के साथ भगवान शिव,माता पार्वती और भगवान गणेश की प्रतिमाओं की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की गई। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में त्रिवेणी सैनिक के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और भारी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए।

सावन के अंतिम सोमवारी में पचड़ा मुखिया के नेतृत्व में शिव मंदिर में जलाभीषेक किया गया

केरेडारी : सावन माह का अंतिम सोमवारी 04अगस्त 2025 को हजारीबाग जिला कांग्रेस कमिटी, पचड़ा पंचायत मुखिया महेश प्रसाद साव के नेतृत्व में प्रत्येक वर्ष के भांति इस वर्ष भी सैंकड़ों की संख्या में कुवांरी बच्चियां महिलाएं पुरुषों ने गाजे बजे के साथ शिव मंदिर पचड़ा से चल कर बड़की नदी शिझुवा से जल उठा कर पुन: दुर्गा स्थान पुरुभत बहाबीर स्थान होते हुए शिव मंदिर पचड़ा में जलाभीषेक किया। और मुखिया महेश प्रसाद साव ने कहा कि सावन पुर्णिमा को 08 अगस्त 2025 से 09 अगस्त 2025 तक शिव मंदिर पचड़ा में अखंड हरी कीर्तन का आयोजन किया है इस हरि कीर्तन में सभी जनप्रतिनिधियों समाजसेवियों ग्रामीणों महिलाओं शामिल रहेंगे इस कार्यक्रम में मुखिया महेश प्रसाद साव के सौजन्य से प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी शुद्ध भोजन की व्यवस्था की गई है। इस जल यात्रा को सफल बनाने में पूर्व वार्ड सदस्य तेजो साव, अंकिता देवी, द्रौपदी कुमारी, अन्य सैंकड़ों महिला पुरुष शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

ज्ञानोदय विकास स्कूल द्वारा बुढ़वा महादेव में भंडारा का हुआ आयोजन

बड़कागांव : ज्ञानोदय विकास स्कूल की ओर से बुढ़वा महादेव परिसर में श्रावण माह के अंतिम सोमवारी के अवसर में भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं को प्रसाद ग्रहण कराया गया । जिसकी शुरूआत बड़कागांव पश्चिमी पंचायत सह सह मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार ,विकास सेवा समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार ,सचिव बुद्धिनाथ महतो,ज्ञानोदय विकास स्कूल बड़कागांव के अध्यक्ष प्रवीण कुमार, सचिव सिकन्दर कुमार सोनी, कोषाध्यक्ष गणेश प्रसाद, प्रिंसिपल अरुण कुमार, प्रबंधन समिति सदस्य अमलेश कुमार , जयहिंद महतो, लालमणि महतो, शशि कुमार मेहता, संजय कुमार , विष्णु दयाल, के अलावा ज्ञानोदय विकास स्कूल के उप प्रधानाचार्य लालदेव महतो शिक्षक एवं शिक्षिकाओं में अनामिका कुमारी, अनिता कुमारी ,रूपा कुमारी,प्रिया वाला ,मीना कुमारी ,अलीशा तिर्की, प्रियंका कुमारी, इंदु कुमारी, वीणा कुमारी,पूनम कुमारी,श्रुति कुमारी ,रंजीत कुमार, नागेंद्र मिश्रा ,ईश्वर दयाल महतो, प्रेम कुमार, सौरभ कुमार के अलावा अकाउंटेड राजेश कुमार गुप्ता,अविनाश मिश्रा और विद्यालय की बच्चे एवं बच्चियों ने शामिल होकर प्रसाद को वितरण करने का काम किया।

बुढ़वा महादेव में एजेसीएस का सफाई अभियान चलाया गया

बड़कागांव : बड़गांव प्रखंड अंतर्गत महुदी पहाड़ स्थित बुढ़वा महादेव प्रांगण में आजाद जागृति छात्र संघ के द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें एक ट्रैक्टर गीले एवं सूखे कचरे को एजेसीएस के द्वारा रजरप्पा से बुढ़वा महादेव जलाभिषेक करने वाले शिव भक्तों के लिए मल्डी में शिविर लगाकर चना गुड़ एवं पानी का वितरण किया गया। मौके पर मुख्य रूप से एजेसीएस अध्यक्ष भादेश्वर प्रसाद मेहता ,सचिव विनोद प्रसाद ,कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम कुमार, शिबू सोनी, भुगेश्वर प्रसाद दांगी, उद्धेश्वर प्रसाद ,गंगाधर प्रसाद, संजय राणा, संजीवन कुमार, अनुज कुमार, अभिषेक कुमार, दिवाकर कुमार, अनिलेश कुमार ,नितिन राज, अर्जुन कुमार,रिझेश्वर प्रसाद, उपेंद्र यादव ,विजय प्रजापति, जितेंद्र कुमार, धनंजय प्रसाद धीरज, भवानी वर्मा शामिल थे।

ज्ञान मन्दिर विद्यालय में जननायक गुरुजी को श्रद्धांजलि दी गई

रामगढ़ : पारसोतीया स्थित ज्ञान मन्दिर विद्यालय में पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सदस्य एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन के निधन पर दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धा सुमन निवेदित किया गया। विद्यालय के निर्देशक ज्ञान ब्रह्म पाठक जी ने गुरुजी के साथ अविस्मरणीय पलों को बच्चों एवं शिक्षकों के साथ साझा किया। उन्होंने बताया कि श्रद्धेय शिबू सोरेन जननायक रहे, सामान्य दिखते हुए भी असाधारण व्यक्तित्व के धनी सदैव आम जनमानस के लिए ममत्व स्नेह एवं सहयोग के भावना से ओतप्रोत ही दिखे। सभी छात्र छात्राओं शिक्षकों के साथ नम आंखों के साथ ईश्वर से पवित्र आत्मा को अपने चरणों में स्थान देने की प्रार्थना करते हुए शोक जताया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका इला रानी पाठक, नेमीचंद प्रसाद , रामबल्लभ पांडे, मेघनाथ सिंह,राजेश चटर्जी, लाल जी प्रसाद, अमृता देव , बबीता देवी, रिकी जी, अनुराधा जी, कोमल जी, शिल्पी जी सहित सभी शिक्षिकगण एवं भैया बहनों ने भी अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि दी ।

ग्राम युवा संगठन कांडतरी के बैनर तले कांवरिया संघ हुए सम्मानित

बड़कागांव : श्रावण के अंतिम सोमवारी में बुढ़वा महादेव प्राचीन शिव मंदिर में रजरप्पा के भैरवी नदी से पैदल जल यात्रा, झांकी व जुलूस का मूल्यांकन ग्राम युवा संगठन कांडतरी के बैनर तले किया गया। कुल 13 कांवरिया संघ अपने झांकी एवं जुलूस के साथ भाग लिए। जिनमें शिव कांवरिया संघ महुदी हरिजन मुहल्ला, शिव हनुमान पूजा समिति तलशवार, नव युवक कांवरिया संघ शिवडीह, शिव कांवरिया संघ कांडतरी, विजेता युवा क्लब कांवरिया संघ कोयलंग परेवातरी, शिव युवा कांवरिया संघ महुदी, नव युवक कांवरिया संघ नापोकलां, नव युवक कांवरिया संघ राउतपारा, शिव शक्ति कांवरिया संघ सोनपुरा, जागृति युवा क्लब डोकाटांड़, नव युवक कांवरिया संघ विश्रामपुर और तीर्थ शिवा कांवरिया संघ हरली शामिल है। हरली एवं विश्रामपुर कांवरिया संघ के द्वारा रोड शो झांकी प्रस्तुत किया गया। जिसमें अनुशासन पालन करने को लेकर विश्रामपुर को प्रथम स्थान दिया गया। वहीं पूरे झांकी में प्रथम स्थान तीर्थ शिवा कांवरिया संघ हरली, दूसरा स्थान नव युवक कांवरिया संघ विश्रामपुर, तीसरा स्थान विजेता युवा क्लब कोयलंग परेवातरी, चौथा स्थान शिव शक्ति कांवरिया संघ सोनपुर एवं पांचवा स्थान नव युवक कांवरिया संघ मिजार्पुर को दिया गया। साउंड में प्रथम स्थान विजय साउंड विश्रामपुर, दूसरा स्थान सनी डीजे सोनपुरा एवं तीसरा स्थान तबाही डीजे मिजार्पुर को दिया गया। सभी प्रतिभागी कांवरिया संघ को अतिथि पंचायत समिति सदस्य रितेश ठाकुर, रंजीत चौबे, ग्राम युवा संगठन कांडतरी के अध्यक्ष प्रभाकर कुमार निराला एवं ग्राम अध्यक्ष के हाथों शील्ड देकर सम्मानित किया गया। सभी कांवरिया संघ के हौसला को बढ़ाते हुए उप प्रमुख वचनदेव कुमार ने कहा कि इस बार अंतिम सोमवारी जलाभिषेक को लेकर शिव भक्तों के बीच एक अलग उत्साह देखने को मिला।

जनसेवा और संघर्ष के प्रतीक थे दिशोम गुरु शिबू सोरेन : संतोष कुमार गंगवार

विधानसभा में गुरुजी को कई नेताओं ने दी अंतिम विदाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मंगलवार को झारखंड विधानसभा परिसर में शिबू सोरोन के पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिजनों से भेंट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की।

राज्यपाल ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का जीवन जनजातीय अस्मिता, अधिकार और सामाजिक उत्थान को समर्पित रहा है। वे जनसेवा और संघर्ष के प्रतीक थे। उनके नेतृत्व में जनजातीय समाज की चेतना और सशक्तिकरण को नई दिशा मिली।

राज्यपाल ने कहा कि झारखण्ड उन्हें सदैव आदर और गर्व के साथ स्मरण करेगा। राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन को मंगलवार को झारखंड विधानसभा में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। राज्यपाल, मंत्री और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने शिबू सोरेन को श्रद्धा के फूल अर्पित किए और उन्हें नमन किया।

दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में राज्य के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, राज्य के मंत्री इरफान अंसारी, दीपिका पांडेय सिंह, योगेंद्र प्रसाद, सुदिव्य सोनू, राधाकृष्ण किशोर और ने शामिल रहे। इस दौरान राज्य के सभी विधायक भी मौजूद रहे। विधानसभा परिसर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में दो मिनट का मौन भी रखा गया।

आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह भी मोराहाबादी स्थित पैतृक आवास पहुंचकर शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले दिशोम गुरू की अंतिम यात्रा जब मोरहाबादी स्थित उनके आवास से विधानसभा के लिए निकली, तो फिजां पर वीर शिबू अमर रहे का नारा गूंजने लगा। जैसे-जैसे काफिला विधानसभा की ओर बढ़ता गया, गुरुजी के दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती गई। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन की खबर से देशभर में शोक की लहर है। उनका इस दुनिया से जाना हर किसी को खल रहा है।

रांची एयरपोर्ट से सड़क मार्ग से नेमरा के लिए रवाना हुए खड़गे और राहुल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मंगलवार को झारखंड के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी का आगमन हुआ। वे झारखंड आंदोलन के पुरोधा, जननायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी के अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए रांची पहुंचे। खराब मौसम के कारण दोनों नेता सड़क मार्ग से नेमरा के लिए रवाना हुए। उनका हेलिकॉप्टर खराब मौसम के कारण उड़ान नहीं भर सका। एयरपोर्ट पर राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी, राहुल गांधी जी का आत्मीय सम्मान के साथ रिसीव किए सह प्रभारी बेला प्रसाद, झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, पूर्व सांसद फुरकान अंसारी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, रविन्द्र सिंह, जयशंकर पाठक, शमशेर आलम, अशोक चौधरी,सतीश पौल मुजनी, कुमार राजा, रियाज अंसारी एवं केदार पासवान ने किया।

गुरुद्वारा में गुरुजी की आत्मा की शांति के लिए सुखमनी साहिब पाठ आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड राज्य आंदोलन के प्रणेता दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर मंगलवार को रातू रोड के कृष्णा नगर कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा में शोकसभा आयोजित की गई। सुबह 6:00 बजे विशेष दीवान सजाया गया, जिसमें साध-संगत क ओर से श्रद्धाभाव से सुखमनी साहिब जी का पाठ किया गया। गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी ज्ञानी जिवेंदर सिंह ने साध संगत के साथ अरदास कर ईश्वर से गुरुजी की आत्मा को अपने चरणों में स्थान देने की प्रार्थना की। उन्होंने परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

सभा के प्रधान अर्जुन देव मिढ़ा ने कहा कि शिबू सोरेन का निधन झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है। सचिव सुरेश मिढ़ा और मनीष मिढ़ा ने कहा कि गुरुजी ने महाजनी प्रथा के खिलाफ संघर्ष कर आदिवासी समाज को जागरूक किया और झारखंड के निर्माण में अपना जीवन समर्पित कर दिया। शोक व्यक्त करने वालों में द्वारका दास मुंजाल, रमेश पपनेजा, हरगोविंद सिंह, प्रेम मिढ़ा, हरजीत बेदी, नरेश पपनेजा, कंवलजीत मिढ़ा, किशन गिरधर, विनोद सुखीजा, मोहन लाल अरोड़ा, शैंकी मिढ़ा, पवनजीत सिंह खत्री, दिनेश गाबा, कमल धमीजा सहित कई प्रमुख सदस्य शामिल थे।

झारखंड जनाधिकार महासभा ने शिबू सोरेन को दी आदरांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड जनाधिकार महासभा ने झारखंड आंदोलन के महानायक दिशोम गुरु शिबू सोरेन को आदरांजलि दी है। महासभा द्वारा जारी प्रेस बयान में कहा गया है कि शिबू सोरेन अब नहीं रहे। वे इतिहास का हिस्सा बन गए। स्मृति, संकल्प और प्रेरणा के अमूर्त अहसास बनकर रह गये। शिबू सोरेन आदिवासी अस्मिता, स्वायत्तता और सम्मान के संघर्ष को नेतृत्व देने वाले जननायकों की परंपरा के एक प्रखर व्यक्तित्व रहे। वे झारखंड के औपनिवेशिक शोषण के विरोध के एक जीवंत प्रतीक बन गये थे। झारखंड को लूटने वाली, झारखंड पर अपने राजनीतिक और प्रशासनिक वर्चस्व को बनाये रखने की साजिश रचती रही ताकतें उन्हें बदनाम और बेअसर करने की हर कोशिश करती रहीं।

ऐसी जितनी कोशिशें चलीं, झारखंडी जनमानस में वे उतने असरदार होते गये। आज की झारखंड सरकार का व्यापक जनाधार उनके द्वारा विकसित झारखंडी मूल्यों और भावनाओं की ही देन है। उनके प्रति झारखंडी जनों के आत्मीय विश्वास और लगाव की बदौलत ही है।

झारखंड अलग राज्य की भावना को बचाए रखने में, आगे बढ़ाने में और सीमित या अधूरे रूप में ही सही उसे साकार हासिल करने में शिबू सोरेन की बड़ी भूमिका रही है। मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा के कांग्रेसी चक्रव्यूह में फंस जाने, एनई होरो के झारखंड पार्टी के सिमटते जाने के बाद झारखंड में एक शून्यता सी थी। स्वतंत्र और सशक्त संगठित झारखंडी शक्ति का अभाव था। तरह-तरह के शोषण दमन से त्रस्त झारखंडी जनगण बेचैन था। ऐसे समय में अपने पिता की सूदखोरों महाजनों द्वारा की गयी हत्या से आहत शिबू का महाजन विरोधी आंदोलन शुरू हुआ।

सूदखोरों के यहां बंधक खेतों की फसलकटनी का अभियान लहर की तरह फैलता गया था। इस धनकटनी आंदोलन से सैकड़ों आदिवासी गांव सच्चे मायने में महाजनों की थोपी गुलामी और बदहाली से आजाद हुए और खेतिहर संघर्ष, कोलियरी मजदूर संघर्ष तथा पुनर्वास के कानूनी संघर्ष की नींव से उभरी नयी झारखंडी राजनीतिक शक्ति फैलती गयी।

शिबू सोरेन के व्यक्तित्व के अनेक प्रेरक पहलू रहे। वे गजब का साहस रखते थे। गुआ गोलीकांड की बरसी पर गुआ को पुलिस और सीआरपीएफ छावनी में बदल दिया गया था। किसी को गुआ में घुसने नहीं दिया जा रहा था। तब भी वे गुआ पहुंच कर रहे। शहीदों को श्रद्धांजलि देकर पुलिस बल को चेतावनी देते हुए लौटे।

जब भी झामुमो का बड़ा जमावड़ा होता था, वे अधिकांश के खाने के बाद लगभग अंतिम पांत में बैठकर खाते थे। बाद में स्थापित होने के बाद वे अपने शहीद मित्रों के परिजनों और अभावग्रस्त सहयोगियों को यथासंभव सहयोग पहुंचवाते थे। वैमनस्य और प्रतिशोध की मनोवृत्ति से मुक्त थे। जब उनका आतंक था, तब भी अपने पिता के हत्यारे परिवार से बदला लेने की नहीं सोची। डोमिसाइल आंदोलन के समय जो वैमनस्य का वातावरण बना था, उसके प्रति उनका दुख जाहिर हुआ था। सिपाही बनने के लिए ज्ञान कौशल से ज्यादा जरूरी शारीरिक फुर्ती और कौशल है, ऐसा मौलिक और ग्रंथिमुक्त चिंतन बहुत कम लोग बोल पाते हैं। शारीरिक श्रम, सहज मेलजोल उनके स्वभाव का हिस्सा रहा।

आजादी के बाद भी आदिवासी बहुल क्षेत्र को एक अलग राज्य बनाने के बदले में उसे संसाधनों के लूट के लिए बिहार, बंगाल, उड़ीसा और मध्यप्रदेश के बीच टुकड़े-टुकड़े में बांट दिया गया था। बाहर से आए बनिया और महाजन आदिवासियों की जमीन लूटते थे, उनका बंधुआ सा शोषण करते थे और महिलाओं पर शारीरिक लैंगिक शोषण करते थे।

एक नजर

छठा सीआईएससीई रिजनल एथलेटिक शुरू

रांची : छठे सीआईएससीई रिजनल एथलेटिक मीट की शुरूआत मंगलवार से शुरू हुआ। इसमें बिहार और झारखंड रिजन के लगभग 900 सौ प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। लेकिन गुरूजी शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन के कारण उद्घाटन समारोह रद्द कर दिया गया और प्रार्थना सभा में उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। सिर्फ मशाल जलाकर सांकेतिक रूप से इस एथलेटिक मीट की शुरूआत हुई। खेलो दिल से और जीतो गर्व से- उक्ति के आधार पर खेलगांव में आयोजित तीन दिवसीय इस एथलेटिक मीट के पहले दिन पांच अगस्त को अंडर फोर्टिन, सेवनटिन और नाइंटिन बालिका और बालक वर्ग में खिलाड़ियों ने अपना पूरा दम-खम दिखाया। बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल, नामकुम की प्राचार्या मिस एन जेकब्स, मिएआई जैकब, प्राचार्य बिशप स्कूल बहूबाजार, फादर शाजी, प्राचार्य सेंट फ्रांसिस, हरमू के फादर मनोज कूल्लू, प्राचार्य, सेंट फ्रांसिस, बनहोरा कार्यक्रम में उपस्थित थे। बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल डोरंडा की प्राचार्या जे एडविन ने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए खेल भावना को ध्यान में रखते हुए खेलने को कहा। सेंट एंथोनी स्कूल के प्राचार्य सीए फ्रांसिस ने अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल, डोरंडा और सेंट एंथोनी स्कूल, डोरंडा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह एथलेटिक मीट पांच अगस्त से सात अगस्त तक खेलगांव में चलेगा।

थोक विक्रेता संघ ने दिशोम गुरु के निधन पर जताया शोक

रांची : झारखंड आंदोलन के पुरोधा और आदिवासी अस्मिता के प्रतीक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन को लेकर आलू प्याज थोक विक्रेता संघ ने मंगलवार को गहरा दुख प्रकट करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। चेंबर के अध्यक्ष मदन प्रसाद, सचिव रोहित कुमार सहित अन्य सदस्यों ने दिशोम गुरु के अद्वितीय योगदान को याद किया। साथ ही उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। संगठन ने कहा कि शिबू सोरेन न सिर्फ.एक राजनेता थे, बल्कि झारखंडी स्वाभिमान की आवाज थे। उन्होंने जंगल, जमीन और जनता के अधिकार के लिए जो संघर्ष किया वह इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। झारखंड राज्य का गठन उनकी सोच, संघर्ष और समर्पण का ही परिणाम है। संघ के सदस्यों ने कहा कि दिशोम गुरु का जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं है, बल्कि यह एक युग का अंत है। उनकी सादगी, विचारशीलता और जनता से गहरा जुड़ाव हमें हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।

जल्द बुलाया जाएगा विधानसभा का मानसून सत्र

रांची : झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र जल्द बुलाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के कारण एक अगस्त से प्रारंभ हुए झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र को दूसरे दिन चार अगस्त को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया है। सरकार के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार मानसून सत्र का अभी सत्रावसान नहीं किया गया है। सत्रावसान नहीं होने पर विधानसभा अध्यक्ष को कभी भी सत्र बुलाने का अधिकार होता है।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना संख्या: एम-41-डीएस-फ्यूल-मूरी-59, दिनांक: 04.08.2025। भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से,वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, दक्षिण पूर्व रेलवे, रांची-834003 निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित करते हैं: **कार्य का नाम:** मूरी और आसपास के क्षेत्र में डीजल इंजनों में रास्ते में/द्वार पर पुनः ईंधन भरने के लिए 12 किलोलीटर क्षमता वाले तेल टैंकर को किराये पर लेना। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹15,78,240 (जीएसटी सहित)। **बयाना राशि:** ₹ 31,600। **ई-निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 27.08.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। वेबसाइट का विवरण: **www.ireps.gov.in**। (PR-480)

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में बारिश के बाद बढ़ी गर्मी और उमस

रांची : झारखंड में बारिश बंद होते हैं बढी गर्मी और उमस से लोगों को परेशानी हो रही है। राजधानी रांची में मंगलवार को 97 प्रतिशत उमस दर्ज किया गया। वहीं राज्य के विभिन्न हिस्सों में अधिकतम तापमान बढ़कर 34 डिग्री सेल्सियस तक रिकॉर्ड किया गया। सरायकेला-खरसावां में अधिकतम तापमान 34 .5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। वहीं गोड्डा जिले में तापमान 33 .5 डिग्री एवं चाईबासा में तापमान 33 .4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जमशेदपुर में तापमान 32 .6 डिग्री, डाल्टनगंज में 29 डिग्री तथा रांची में अधिकतम तापमान 28 .4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। वहीं मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में राज्य की विभिन्न जिलों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना व्यक्त की है। विभाग की ओर से राज्य के स्थान पर आकाशीय बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका व्यक्त की गई है। इसे लेकर विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया है। पिछले 24 घंटे के दौरान रांची में बारिश दर्ज नहीं की गई। मंगलवार को रांची और आसपास के इलाकों में मौसम साफ रहा और और धूप खिली रही। इस दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश धनबाद जिले के पंचायत में 61 मिमी रिकॉर्ड की गई।

लायंस क्लब परिसर में हुआ महारुद्राभिषेक हर-हर महादेव से गूंजा वातावरण

रांची : लायंस क्लब ऑफ रांची की ओर से सोमवार देर रात को क्लब परिसर में भव्य महारुद्राभिषेक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 11 श्रद्धालु जोड़ियों ने वैदिक विधि से भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया। कुशल आचार्यों के मंत्रोच्चारण से शुरू हुए इस कार्यक्रम में युगलों ने संकल्प लेकर गंगाजल, दूध, दही, शहद, बेलपत्र और पुष्पों से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया। समस्त परिसर ओम नमः शिवाय और हर-हर महादेव से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम के चेयरपर्सन लायन निर्मल कुमार मानपुरिया ने सावन मास में शिव पूजा का विशेष महत्व है। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ा है, बल्कि सामाजिक एवं आध्यात्मिक चेतना के विस्तार का माध्यम भी है। लायंस क्लब के अध्यक्ष दिलीप बंका ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे धार्मिक-सामाजिक आयोजन किए जाएंगे, ताकि समाज में सेवा, सद्भाव और संस्कृति का प्रसार होता रहे। समापन अवसर पर सामूहिक शिव आरती और स्तुति पाठ से वातावरण और भी पावन हो उठा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सिद्धार्थ मजूमदार, राजेश मोर, राजेश चौधरी, बीके गडयान, मनीष गाड़ोदिया, अजय सकुजा, अजय अग्रवाल, ओम प्रकाश अनुज सहाय, अनिल गोयल सहित अन्य सदस्य मौजूद थे। यह जानकारी मंगलवार को क्लब की ओर से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई है।

भैरव सिंह की जमानत याचिका पर 8 अगस्त को होगी सुनवाई

रांची : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता भैरव सिंह की जमानत याचिका पर अब 8 अगस्त को सुनवाई होगी। अपर न्यायायुक्त की अदालत उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई करेगी। भैरव सिंह को पार्किंग की ठेकेदारी को लेकर हुए विवाद और मारपीट मामले में गत 19 जुलाई को रांची पुलिस ने गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उसे अदालत में पेश किया गया था, जहां से अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। इससे पहले भैरव सिंह की जमानत याचिका मजिस्ट्रेट की अदालत से खारिज हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि यह मामला रांची के चुटिया थाना क्षेत्र का है, जहां सुजाता चौक स्थित बिग बाजार इलाके में पार्किंग की ठेकेदारी को लेकर विवाद हुआ था। इसी दौरान सड़क पर मारपीट की घटना सामने आई थी, इसमें भैरव सिंह की भी संलिप्तता पाई गई थी। इस मामले में चुटिया थाना में कांड संख्या 125/2025 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने जांच के बाद भैरव सिंह को गिरफ्तार किया था।

प्रणामी ट्रस्ट में गुरुजी के निधन पर शोक सभा का आयोजन

रांची : झारखंड आंदोलन के जननायक और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर प्रणामी ट्रस्ट की ओर से संचालित श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा मंगलवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा में ट्रस्ट के पदाधिकारियों, आश्रम में निवास कर रहे दिव्यांग और सेवादारों ने भाग लिया। सभा की शुरूआत दो मिनट के मौन के साथ की गई। इसमें सभी उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। शोक सभा में ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल ने गुरुजी शिबू सोरेन के संघर्षमयी जीवन, उनके सामाजिक योगदान और झारखंड के निर्माण में उनके अद्वितीय नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि गुरुजी न केवल एक राजनेता थे, बल्कि वे झारखंड की आत्मा थे। आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए उन्होंने आजीवन संघर्ष किया। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल और प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि दिशोम गुरु का जीवन त्याग, सेवा और संघर्ष का प्रतीक था। उनका निधन न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने जिस प्रकार से आदिवासी समाज को एकजुट कर मुख्यधारा में लाने का कार्य किया, वह सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। सबों ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि गुरुजी के विचारों और सिद्धांतों को आत्मसात कर समाज सेवा के मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। शोकसभा में मनोज कुमार चौधरी, सज्जन पाड़िया, निर्मल जालान, राजेंद्र अग्रवाल,पुजारी अरविंद पांडे, पूरणमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, विशाल जालान, पवन पोद्दार, नंदकिशोर चौधरी, मधु जाजोदिया, सुनील पोद्दार, संजय सर्राफ सहित अन्य लोग मौजूद थे।

एक नजर

क्षतिग्रस्त पुल से कभी भी हो सकता है हादसा

साहिबगंज : जिला मुख्यालय स्थित साहिबगंज घाट रोड पर संत जेवियर्स स्कूल के निकट पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह पुल बहुत पुराना है। यह सड़क काफी प्रमुख है क्योंकि इसके रास्ते मुन्नीलाल गंगा घाट, संत जेवियर्स विद्यालय, बैसीस्थान, पुरानी साहिबगंज, कमल टोला, कबूतरखोपी और चानन जैसे मोहल्लों और गांवों से जुड़ाव होता है। यदि समय रहते पुल की मरम्मत नहीं हुई तो आवागमन बाधित हो जाएगा और लोगों को काफी परेशानी होगी। अभी की हालत यह है कि ऊपर पुल क्षतिग्रस्त है और नीचे बाढ़ का पानी बह रहा है। निश्चित रूप से यह खतरे की घंटी है। इस संबंध में नगर परिषद के पदाधिकारी ने बताया कि इसकी जानकारी मिली है। पुल क्षतिग्रस्त हुआ है। एक तरफ गड्ढा भी दिखाई दे रहा है। बहुत जल्द इस पर काम शुरू होगा।

सांसद ने केंद्रीय इस्पात मंत्री से स्टील प्लांट क्षमता वृद्धि की मांग की

धनबाद : धनबाद के लोकप्रिय सांसद ढुलू महतो ने 5 अगस्त 2025 को दिल्ली में केंद्रीय इस्पात मंत्री श्री एच.डी. कुमार स्वामी से मुलाकात कर बोकारो और धनबाद क्षेत्र के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान सांसद ने बोकारो स्टील प्लांट की उत्पादन क्षमता को 5 मिलियन टन से बढ़ाकर 50 मिलियन टन करने, गर्गा डैम एवं सिटी पार्क जैसे ऐतिहासिक स्थलों के पुनरुद्धार एवं पर्यटन विकास, बोकारो जनरल अस्पताल में सुपर स्पेशियलिटी मेडिकल सुविधाओं की स्थापना, ठेका श्रमिकों को ईएसआईसी स्वास्थ्य बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षा सुविधा देने, और बोकारो सयंत्र के प्रशिक्षित अप्रेंटिस युवाओं को नियुक्ति में आयुसीमा में राहत जैसे विषयों पर मंत्री को ज्ञापन सौंपा। सांसद प्रतिनिधि एवं मीडिया प्रभारी मुकेश राय, सेल प्रतिनिधि श्याम गुप्ता और विनेश गुप्ता भी इस मुलाकात में उपस्थित थे। उन्होंने आशा जताई कि केंद्रीय मंत्री इन मांगों पर सकारात्मक कदम उठाएंगे। सांसद ने कहा कि इन मांगों से क्षेत्र में औद्योगिक, पर्यटन एवं स्वास्थ्य सेवाओं का व्यापक विकास होगा और स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

कौणिडनिया पब्लिक स्कूल ने दिशोम गुरु को नम आंखों से दी श्रद्धांजली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : आश्रम रोड स्थित कौंडिण्यिा पब्लिक स्कूल झुमरी तिलैया में शोक सभा आयोजित कर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन को नम आंखों से सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने श्रद्धांजलि अर्पित कर उनकी आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की । स्कूल के चेयरमैन सह रिटायर्ड आईपीएस ऑफिसर राजीव रंजन सिंह ने अपने शोक संदेश में कहा कि शिबू सोरेन न केवल आदिवासी अधिकारों और जल जंगल -जमीन पर आदिवासियों के संवैधानिक अधिकार के लिए जीवन पर्यंत संघर्ष करने वाले नेता थे बल्कि झारखंड के निर्माण में भी उनकी अग्रणी भूमिका रही। स्कूल के प्राचार्य संजय सिन्हा ने कहा कि स्वर्गीय शिबू सोरेन को 'दिशोम गुरु' के नाम से भी जाना जाता था, जो आदिवासी समुदाय में उनकी अगुवाई और समर्पण के लिए दिया गया सम्मान है। स्कूल के सीईओ विक्रांत सिंह ने अपने शोक संदेश में कहा कि वे आदिवासी समुदाय, गरीब और वंचित वर्ग के सशक्तिकरण के लिए समर्पित थे। उन्होंने शिबू सोरेन के निधन को बड़ी क्षति बताया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

डोमचांच /कोडरमा : दिशोम गुरू शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर दिन मंगलवार को बैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज ऑफ एजुकेशन, डोमचांच में शोक सभा का आयोजन किया गया। आयोजित शोक सभा में महाविद्यालय के सचिव श्री हिमांशु कुमार एवं प्राचार्य डॉ. भूपेंद्र ठाकुर समेत महाविद्यालय के शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं सभी प्रशिक्षणार्थियों ने 2 मिनट का मौन धारण कर दिवंगत शिबू सोरेन की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस शोक सभा में महाविद्यालय के सचिव श्री हिमांशु कुमार ने दिशोम गुरू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि झारखण्ड की माटी ने अपना सबसे बड़ा सपूत खो दिया है।

झारखंड ने खोया अपना अभिभावक : शशि सम्राट ने गुरु जी शिबू सोरेन के निधन पर जताया गहरा शोक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जय बजरंग सेना झारखंड प्रदेश अध्यक्ष एवं भाजपा नेता शशि सम्राट ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड आंदोलन के प्रणेता परम आदरणीय गुरु जी शिबू सोरेन के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि आज झारखंड ने न केवल एक महान नेता, बल्कि एक अभिभावक को खो दिया है। शशि सम्राट ने कहा, झारखंड की आत्मा और जनभावनाओं के प्रतीक गुरु जी सदैव लोगों के दिलों पर राज करते रहेंगे। आज झारखंड एक अलग राज्य के रूप में जो अस्तित्व में है, वह गुरु जी की संघर्षशील सोच और दृढ़ इच्छाशक्ति की ही देन है। उन्होंने कहा कि गुरु जी का जाना एक युग का अंत है। उनकी संघर्षमयी जीवन गाथा, महाजनी प्रथा, सूदखोरी, शराबखोरी जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ

आवाज और शिक्षा व सामाजिक चेतना के क्षेत्र में उनका योगदान अमूल्य रहा है। शशि सम्राट ने आगे कहा, गुरु जी के दिखाए मार्ग पर चलकर ही हम उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं। उनका बलिदान स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। झारखंड के विकास का जो बीज उन्होंने बोया था, उसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अब हम सभी की है। इस दुख की घड़ी में उन्होंने गुरु जी के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी गुरु जी के परिजनों और समर्थकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और हमेशा उनका साथ देगी।

भारतीय जनता पार्टी, जिला कोडरमा की तिरंगा यात्रा कि तैयारी को लेकर हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : स्थित पंजाबी धर्मशाला में भारतीय जनता पार्टी, जिला कोडरमा की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक हर घर तिरंगा-घर-घर तिरंगा अभियान एवं आगामी तिरंगा यात्रा को लेकर आयोजित की गई थी। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अनुप जोशी ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री शिवेन्द्र नारायण ने किया । बैठक में मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री आदरणीय दिलीप वर्मा जी ने कहा घर घर तिरंगा लगाना है इसकी तैयारी को लेकर आप अपने मण्डल में 8 तारीख तक बैठक कर सभी कार्यकताओं को निर्देश दें कि आप अपने घर में और महल्ले में चौक चोराहो पर तिरंगा झंडा लगाएं ।12 तारीख को अपने अपने मण्डल मे देश सेवा करने वाले महानुभावों कि मूर्ति कि साफ सफाई

करें और 14 तारीख को जिला मैं विभाजन विभीत्सा दिवस के दिन मोन जुलूस निकालकर कर समाज को जागरूक करें। विशिष्ट अतिथि जिला प्रभारी अशोक शर्मा जी ने कार्यकताओं का वृत लिया और मण्डल के संयोजक एवं सहसंयोजक को निर्देश दिया कि वो पंचायत स्तर पर संयोजक एवं सहसंयोजक नियुक्त करें और बूथ लेवल तक घरों में तिरंगा लगाया जाय । जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि मंडल अध्यक्ष मण्डल मे 8 तारीख तक कार्यशाला आयोजित करें और मण्डल प्रभारी बैठक में शामिल होकर तिरंगा यात्रा कि तैयारी अपनी देख रेख में कराये। बैठकमैं सभी मण्डल अध्यक्षों को तिरंगा झंडा दिया गया कि वो अपने मण्डल में तिरंगा यात्रा कि तैयारी जोर शोर से करें। बैठक में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रमेश सिंह,पूर्व ज़िलाध्यक्ष रामनाथ सिंह, जिला उपाध्यक्ष राज कुमार यादव, गोपाल कुमार गुटुल, जिला मंत्री सूरज प्रताप मेहता, दिनेश सिंह,नरेंद्र पाल,चंद्रशेखर जोशी, मनोज भगत, कोशल सिंह आदि उपस्थित थे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को बिरसा वासा ग्राउंड में दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सेक्टर-12 स्थित बिरसा वासा ग्राउंड में स्थानीय बिरसा वासा निवासी मॉर्निंग वारियर बिरसा सहयोग समिति की ओर से झारखंड के युगपुरुष, आदिवासी चेतना के अग्रदूत और अलग राज्य आंदोलन के पुरोधा दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर मौजूद लोगों ने गुरुजी के योगदान को याद करते हुए 2 मिनट का मौन रखा और उन्हें अंतिम नमन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिरसा हेल्थ ग्रुप के अध्यक्ष विनोद कुमार ने की। उन्होंने कहा, ह्लआज पूरा झारखंड ही नहीं बल्कि देशभर में शोक की लहर है। न जाने कितने घरों में आज दुख के कारण चूल्हा तक नहीं जला होगा। गुरुजी का जाना सिर्फ एक नेता का जाना नहीं, बल्कि झारखंड की आत्मा के एक बड़े हिस्से का खो जाना है।

इस मौके पर प्रशांत मल्लिक ने कहा, गुरुजी जल, जंगल और जमीन की आवाज थे, जिन्होंने आदिवासियों की पीड़ा को दिल्ली तक पहुंचाया। आज उनका न होना झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है। उनकी कमी को कोई पूरा नहीं कर सकता। वहीं, चास भाजपा दक्षिणी मंडल के उपाध्यक्ष गोविन्द गोप ने कहा, झारखंड को अलग राज्य का दर्जा दिलाने में दिशोम गुरु का योगदान ऐतिहासिक है। उनकी राजनीतिक विरासत हमेशा हमें प्रेरणा देती रहेगी। आज हम बिरसा वासा आश्रम में एकजुट होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और उनके सपनों के झारखंड को साकार करने का संकल्प लेते हैं। श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। गुरुजी के प्रति लोगों की आंखों में नमी थी और पूरे परिसर में दिशोम गुरु अमर रहें के नारे गूंजते रहे। यह श्रद्धांजलि सभा गुरुजी के प्रति झारखंडियों के गहरे प्रेम और सम्मान का प्रतीक बनी।

पासवा ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर किया शोक सभा सह श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन झारखण्ड द्वारा एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शामयल अहमद के निदेर्शानुसार प्रदेश सचिव तौफीक हुसैन के अध्यक्षता में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर उनके सम्मान में शोक सभा/श्रद्धांजलि का आयोजन किया स्वरूप राजधानी सहित राज्य एवं कोडरमा जिला के सभी प्रखंडो में निजी विद्यालय में दिनांक 05 अगस्त 2025 को आपने विद्यालय बंद रखा और हसनाबाद में संचालित चाइल्ड प्रोग्रेसिव स्कूल के सभागार में उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया जिसमें प्रदेश सचिव ने अपने सम्बोधन में कहा झारखंड को स्थापित व सुचारू रूप से संचालित करने हेतु पूर्व मुख्यमंत्री एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा वरिष्ठ नेता,राज्यसभा सांसद के रूप में उनके योगदानों को बुलाया नहीं जा सकता देश

एवं राज्य की राजनीतिक के साथ-साथ समाज के लिए अपूरणी क्षति है ! शोक सभा में सभी ने ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के साथ-साथ परिजनों को सहनशक्ति प्रदान करने हेतु प्रार्थना किय। इस कार्यक्रम में दिलीप कुमार यादव, शीतल शर्मा, आरिफ अंसारी, दीपक कुमार, हिना कौसर,शिवम यादव, राजकुमार, मनोज कुमार, रचना सिन्हा, अंजली कुमारी, खुशी सिंह, मेघा कुमारी, नाहिद परवीन, रिंकी कुमारी, शाइस्ता परवीन, भोला नारायण, नजमा के साथ-साथ एसोसिएशन के कई पदाधिकारी शेमत विद्यालयों के शिक्षक, शिक्षिकेतर एवं सहायक कर्मी इस शोक सभा सह श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपस्थित हुए ।

श्री राम संकीर्तन मंडल ने प्रशासन और संस्थाओं को दिया धन्यवाद, इतने बड़े आयोजन में खुद डीसी-एसपी ने संभाला मोर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : श्रावण मास के दौरान आयोजित भव्य श्री राम संकीर्तन कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर श्री राम संकीर्तन मंडल ने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन सहित सभी सामाजिक, धार्मिक एवं स्वयंसेवी संगठनों के प्रति आभार प्रकट किया है। मंडल के सचिव बबलू सिंह ने विशेष रूप से झरना कुण्ड विकास सेवा समिति एवं नंदी बाबा सेवा ट्रस्ट का धन्यवाद देते हुए कहा कि इनके सक्रिय सहयोग से संकीर्तन कार्यक्रम शांतिपूर्ण व भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ।उन्होंने बताया कि नंदी बाबा सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित भव्य भंडारे में करीब

1.50 लाख श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया, जो एक अनुकरणीय धार्मिक व सामाजिक सेवा है। इस आयोजन ने क्षेत्र में सामाजिक समरसता और आपसी सहयोग का संदेश दिया।

बबलू सिंह ने कहा कि कार्यक्रम में सभी स्वयंसेवी संस्थाओं और कार्यकताओं ने पूरी निष्ठा से कार्य किया, जिससे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। उन्होंने बताया कि स्वयं उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने कांवर पदयात्रा में शामिल श्रद्धालुओं की सुरक्षा और विधि-व्यवस्था को लेकर मोर्चा संभाल कर एक प्रशंसनीय व प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया।मंडल ने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में भी प्रशासन और समाजिक संगठनों का इसी प्रकार सहयोग मिलता रहेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंडल के संरक्षक मनोज साव, मुन्ना भदानी, अरविंद चौधरी, बंटी शाहबादी, अध्यक्ष बसंत गुप्ता, सचिव बब्लू अभिषेक पांडे सतनारायण यादव कोषाध्यक्ष लखन सिंह, विक्की केसरी, बॉबी कापसिमें, सुजीत कुमार, चंद्रशेखर जोशी, अरविंद सिंह, अविनाश चंद्रवंशी, रितिका राज, प्रदीप सुमन, गौतम पांडेय, विशाल भदानी, सुजय सिंह,नवीन सिन्हा, राकेश राजपूत, मनीष यादव, गोलू सिन्हा, त्रिलोकी प्रसाद, रोहित यादव, अतुल सिंह, सीताराम केसरी, ज्योति पहाड़ी, भोला राम, बबलू पांडेय एवं गौतम पांडेय सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं की सराहनीय भूमिका रही।

संक्षिप्त खबरें

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा

बोकारो : मंगलवार को सेक्टर-12 के बियाडा हाउसिंग कॉलोनी स्थित आसस विद्यालय जयपाल नगर में आदिवासियों के सर्वमान्य नेता पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्य सभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान मौजूद लोगों ने गुरुजी के योगदान को याद करते हुए 2 मिनट का मौन रखा और उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। अध्यक्षता डिवाइन से सचिव हलधर महतो व संचालन रेंगों बिरुआ ने किया। मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता योगो पूर्ती ने कहा कि कहा कि शिबू सोरेन का निधन अत्यंत दुखद व पीड़ादायक है। वे आदिवासी अस्मिता व अधिकार के सशक्त स्वर थे। राजनीतिक- सामाजिक जगत में उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा। विजय सिंह घटवार ने कहा कि शिबू सोरेन झारखंड के युगपुरुष, आदिवासी चेतना के अग्रदूत और अलग राज्य आंदोलन के पुरोधा है। आज पूरा झारखंड ही नहीं बल्कि देशभर में शोक की लहर है। इस दौरान सरना समाज सेक्टर 12 उपाध्यक्ष चंद्रकांत पूर्ती, राजेंद्र प्रसाद, विजय एक्का, संजय कुमार, मंगल सिंह अलडा, सुरीन बायपाई, सुरेश आल्डा, बसंती देवी, पार्वती आल्डा, सुनीता हेसा, मानसिंह बनरा, जेमा हेंब्रम, लक्ष्मी आल्डा, सावित्री हेंब्रम, मोटाय सुंडी, गंगाराम सवैया आदि उपस्थित थे।

सांसद ढुलू महतो के प्रयासों की सराहना, बोकारो की जनभावनाओं को इस्पात मंत्री तक पहुंचाया

बोकारो : सांसद ढुलू महतो द्वारा केन्द्रीय इस्पात मंत्री श्री एच.डी. कुमारस्वामी से मिल कर बोकारो की जनभावनाओं से अवगत कराने के लिए कुमार अमित ने सांसद के प्रति आभार जताया है। मंगलवार को सांसद ढुलू महतो ने इस्पात मंत्री से मिलकर बोकारो स्टील प्लांट के प्रस्तावित विस्तारीकरण को प्रारंभ करने, बीजीएच को सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल बनाने एवं विस्थापित अप्रेंटिस संघ के प्रशिक्षित बेरोजगारों को नियोजित करने सहित अनेक विषयों से अवगत कराते हुए उन्हे पुरा करने की माँग की है। इसके लिए यहाँ की जनता सांसद के प्रति आभारी है। कुमार अमित ने कहा कि ये माँगे बोकारो की जनता की भावनाएँ है जिसके पुरा होने से विस्थापित सहित स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार का अवसर उपलब्ध होगा, बेहतर चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध होगीं और बोकारो के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। भाजपा के स्थानीय सांसद श्री ढुलू महतो बोकारो के विकास को लेकर लगातार प्रयासरत है। यहाँ की जनता भी सांसद के साथ खड़ी है।

बिहार नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का सुभाष चौक पर राजद ने किया स्वागत

झुमरीतिलैया : बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सह विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सड़क मार्ग से दिशोम गुरु शिबू सोरेन के अंत्योष्टि में शामिल होने जा रहे थे। इस दौरान उनका काफिला झुमरीतिलैया स्थित सुभाष चौक पर रुका। राजद के कोडरमा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सह राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सुभाष प्रसाद यादव के नेतृत्व में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का स्वागत किया। हालांकि समयाभाव के कारण वे महज कुछ देर ही रुके और नेमरा के लिए रवाना हो गए। सुभाष चौक पर तेजस्वी यादव ने नेताओ और कार्यकताओं का अभिवादन स्वीकार किया। मौके पर जिप अध्यक्ष रामधन यादव,जिप अध्यक्ष रामधन यादव,डॉ जावेद अख़्तर,कंचन यादव,मनोज रजक,संजय यादव, घनश्याम तुरी,मंटू यादव, मनीष यादव, संजय दास, रघुनाथ दास,चरणजीत सिंह, महेश यादव, परवेज खान,दीपक यादव, मो मोजहिर, डॉ कमाल खान, जैकी यादव, अमरजीत कौर, गीता देवी, पप्पू यादव,मो मुबारक,विजय यादव, अनुरुद्ध प्रसाद,पंकज सूर्यवंशी,उमाशंकर यादव,मनोज यादव, रोहित यादव,मनीष मोदी,आदित्य कुमार,किशोरी यादव, अभिषेक राणा,बारूद यादव,सोनी देवी, सुधा रानी, अर्जुन पासवान समेत सैंकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को सैंड आर्टिस्ट अजय शंकर महतो ने दी श्रद्धांजलि

बोकारो : जिले के चंदनकियारी प्रखंड के सिलफोर गांव निवासी प्रसिद्ध सैंड आर्टिस्ट अजय शंकर महतो ने दामोदर नदी के तट पर दिशोम गुरु शिबू सोरेन की बालू की आकर्षक आकृति बनाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। अजय शंकर महतो पूर्व में राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी सैंड आर्ट के लिए जाने जाते हैं, और सिलफोर के सामाजिक कार्यक्रमों व पर्व-त्योहारों के मौके पर वे लगातार अपनी कला का प्रदर्शन करते रहे हैं। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद राज्य भर में कई जगहों पर श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में अजय शंकर महतो ने अपनी कलात्मक श्रद्धांजलि देकर गुरुजी के सामाजिक संघर्ष, झारखंड आंदोलन में दिए अमूल्य योगदान और वंचितों की आवाज बने रहने के पहलुओं को अपनी कला के माध्यम से लोगों तक पहुँचाया। यह श्रद्धांजलि न सिर्फ एक कलाकार द्वारा अपने अंदाज में दी गई सम्मान-भावना है, बल्कि झारखंड की सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का भी जीवंत उदाहरण है।

एक नजर

सालहन में जमीन विवाद को लेकर पार्वती देवी पर हमला थाने में प्राथमिक दर्ज कराई

अनगड़ा : साल्हन गांव मे जमीन को लेकर आपस में लड़ाई चारदिवारी तोड़कर महिला के साथ सामूहिक मारपीट का मामला सामने आया है इस बात को लेकर पार्वती देवी ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराया है पार्वती देव ने बताया कि मंगल वार को सुबह 6 बजे के लगभग में शिवचरण महतो पिता स्व ढुनका महतो अजय महतो विजय महतो दोनों के पिता स्व मगु महतो बालेश्वर महतो पिता स्व बिरसा महतो सभी ने मेरे घर पर के पास पहुंचे और पूछने लगे मनीराम महतो कान्हा है मैंने कहा काम करने गए हैं क्या बात है उतने में ही शिवचरण ने कहा गाली ग्लोज करते हुए चार दिवारी को तोड़ने लगा जब रोकने का प्रयास किया तो लाथ घुसो से पार्वती देवी को मारने लगे और गले से सोने का चैन भी छीन लिए साथ ही परिवार वालो को जान से मारने का धमी भी दिया गया पार्वती देवी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

अज्ञात चोरों ने गैस गोदाम से 50 सिलेंडर कि चोरी, प्राथमिकी दर्ज

साहिबगंज : जिला के राधानगर थाना क्षेत्र के भूदेव टोला गांव में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। देर रात अज्ञात चोरों ने एक गैस गोदाम से 50 खाली गैस सिलेंडरों की चोरी कर ली। मामले को लेकर भूदेव टोला निवासी मनोज कुमार भगत ने राधानगर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि उनके गैस गोदाम में बीती रात अज्ञात चोर घुस आए और 50 खाली सिलेंडर चुरा ले गए। सुबह जब वे अपनी दुकान पर पहुँचे तो सिलेंडर गायब पाए गए। शिकायत के आधार पर राधानगर पुलिस ने कांड संख्या 300/25 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 329(3)/305 के तरह अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

झारखंड आंदोलन के मसीहा शिबू सोरेन के निधन पर कांग्रेस पार्टी ने जताया शोक

भुरकुंडा (रामगढ़) : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड आंदोलन के महानायक शिबू सोरेन के निधन पर कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। पार्टी नेताओं ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि शिबू सोरेन झारखंड के मसीहा थे, जिन्होंने महाजनी प्रथा से मजदूरों को मुक्ति दिलाने और आदिवासियों, दलितों के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि शिबू सोरेन ने अपना सम्पूर्ण जीवन झारखंड के शोषित, वंचित, और पिछड़े वर्गों के कल्याण को समर्पित कर दिया। उनके निधन से झारखंड ने एक महान नेता को खो दिया है, जिनकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी। उपस्थित सभी लोगों ने झारखंड की राजनीतिक और सामाजिक धारा को दिशा देने वाले इस युगपुरुष को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शोक व्यक्त करने वालों में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता चमन लाल, प्रेमनाथ विश्वकर्मा, लखन राम, इम्तियाज अहमद, इकबाल हुसैन, संजीदा खातून, सुनैना देवी, अजय पाण्डेय, फिरदौस आलम, लक्खि राना, गीता देवी, शहजाद हुसैन सहित कई नेता शामिल थे।

डीजे साउंड के चपेट में आए, 6 पोल का हुआ मरम्मत

बड़कागांव : सावन महीना अंतिम सोमवार की रोज डीजे साउंड के चपेट में आने से चौपदार बलिया एवं डोकाटांड़ गांव में 6 बिजली पोल गिर गए। जिसके कारण बिजली बाधित हुई। हालांकि बिजली विभाग ने तत्परता दिखलाते हुए तुरंत सभी पोल को दुरुस्त किया। बिजली पोल गाड़ने एवं बिजली बहाल करने में मुख्य रूप से बिजली मिस्त्री रोहित सोनी, ठेकेदार प्रवेज आलम के अलावा कई लोग उपस्थित थे।

सावन की फुहार में रोटरी क्लब ऑफ स्टील सिटी ने मनाया हरियाली उत्सव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी द्वारा पारंपरिक उल्लास और श्रद्धा के साथ सावन की फुहार मिलन समारोह₹ का आयोजन रोटरी प्ले ग्रुप परिसर में किया गया। कार्यक्रम में रोटरी क्लब चास एवं मिडटाउन कपल्स के सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और भी भव्य बना दिया। महिलाएं जहां हरी साड़ियों में श्रृंगारित थीं, वहीं पुरुष पीले कुर्तों में पारंपरिक और उत्सवी रंगों में रंगे नजर आए। संपूर्ण प्रांगण को सावन की थीम के अनुसार खूबसूरती से सजाया गया, जिसकी संकल्पना एवं सजावट की जिम्मेदारी रोटेरियन भावना द्वारा बखूबी निभाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत क्लब अध्यक्ष रोटेरियन हरदीप सिंह के स्वागत भाषण से हुई, जिसके पश्चात रोटेरियन घनश्याम दास ने आयोजन को और

भी हर्षित करने वाली घोषणाएँ कीं। कार्यक्रम का संचालन अत्यंत सुरुचिपूर्ण ढंग से रोटेरियन संध्या एवं चंद्रिमा ने किया, जिनकी रचनात्मकता और समर्पण की सराहना हर किसी ने की। रोटेरियन संध्या एवं रोटेरियन चंद्रिमा ने सभी महिलाओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके पश्चात सहायक गवर्नर रोटेरियन मुन्ना सिंह एवं वरिष्ठ महिला रोटेरियनों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम का संचालन अत्यंत प्रभावशाली ढंग से रोटेरियन चंद्रिमा राय ने किया, जिनकी वाणी और मंच पर पकड़ ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ कार्यक्रम की शुरूआत ₹सावन का महीना₹ गीत से हुई, जिसे चंद्रिमा, संध्या, सुनीता, ललिता, निरूपमा, खोनेन, सीमा, शमिता, रानी और अंजु ने सामूहिक रूप से प्रस्तुत किया। इस मधुर गीत ने सावन की फुहार को और जीवंत बना दिया। इसके बाद

बाल कलाकार लिची की मनमोहक प्रस्तुति हुई। रोटेरियन रानी अग्रवाल की एकल गायन प्रस्तुति ने सबका दिल जीत लिया। वरिष्ठ रोटेरियन दंपति रोटेरियन बी.एस. जायसवाल एवं श्रीमती शीला की उपस्थिति और प्रस्तुति ने अनुभव और ऊर्जा का सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया। किरण ने पहली बार मंच पर पंजाबी गीत पर नृत्य कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। इसके पश्चात रोटेरियन नीलम एवं घनश्याम दास, जिन्हें रोटरी परिवार का शाहरुख-काजोल कहा गया, ने कोई मिल गया₹ गीत पर मनमोहक युगल प्रस्तुति दी, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। श्रीमोयी की एकल प्रस्तुति ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। ललिता एवं रोटेरियन मनोज अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत ₹तेरी दो टक्के की नौकरी₹ पर नृत्य ने हास्य और मनोरंजन का रंग घोल दिया।

वरिष्ठ रोटेरियन रोटेरियन पूनम एवं डॉ. अनिल त्रेहान की युगल नृत्य प्रस्तुति ने जूनियर रोटेरियनों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। सबसे कम उम्र की रोटरी सदस्य शिखा की गायन प्रस्तुति अत्यंत प्रभावशाली रही। रोटेरियन संध्या, निरूपमा और अंजु की त्रयी नृत्य प्रस्तुति को विशेष सराहना मिली। रोटेरियन संध्या की ऊर्जा, भाव-भंगिमा और समर्पण ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। युवा टीम जिसमें श्रीमोयी, अनीश, रानी, जैसिंथा, तुषार एवं गोलू शामिल थे, ने मंच पर ऊर्जा और तालमेल का अद्भुत प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की विशेष प्रस्तुति शाम की सबसे खास और बहुचर्चित प्रस्तुति रही लेजी डांसर₹, जिसे रोटेरियन डॉ. राजदीप, प्रदीप राय, घनश्याम दास, संजय जैन एवं महेश लाल ने हास्य और अनोखे अंदाज में प्रस्तुत किया।

जलाभिषेक के लिए डाक बामों का जत्था रवाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली/मुरी : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत मंगलवार के दिन सावन महीना में विभिन्न गांवों से देवघर एवं बासुकीनाथ धाम में जलाभिषेक को लेकर डाक बमों का जत्था श्रद्धा और उल्लास के साथ मुरी से रवाना हुआ। जत्था मुरी स्टेशन से ट्रेन से रवाना हुआ।जत्था अपने साथ आवश्यक सामग्री लेकर रवाना हुए। कांवरियों के इस जत्था में चितरंजन मंडल, सागर राम महतो, सुनील नायक, प्रद्युम महतो, धीरेंद्र कुमार महतो, विष्णु प्रजापति, लखीराम मांझी, अविनाश कोईरी, ब्रजेश कुमार, ब्रजेश कुम्हार, सचिन महतो, राहुल महतो, विमल महतो, विनय महतो, निबास महतो, बबलू महतो, कालीचरण महतो, लखन महतो, बबलू साहू, आकाश साहू, बासु महतो सहित कई श्रद्धालु शामिल रहे। श्रद्धालुओं ने बताया कि जत्था सर्वप्रथम सुल्तानगंज पहुंचकर गंगा नदी में स्नान कर पवित्र गंगा जल भरकर संकल्प के साथ जलाभिषेक के लिए देवघर जाएंगे और अपनी साधना पूर्ण करेंगे साथ ही बताया कि डाक बम ना केवल आस्था और श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि यह सावन के महीने में शिव भक्ति के सबसे तेज और संकल्पित रूप माने जाते हैं।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर राधी माधो क्लब ने किया भूमि पूजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सेक्टर-9 स्थित वैशाली मोड़ पर श्री श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव की तैयारी जोर-शोर से शुरू हो गई है। इसी क्रम में मंगलवार को राधी माधो क्लब की ओर से भूमि पूजन संपन्न हुआ। क्लब की टीम ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भव्य आयोजन की शुभ शुरूआत की। क्लब के अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार ने बताया कि यह पूजा वर्षों से पारंपरिक रूप से आयोजित की जाती रही है और इस वर्ष भी इसे पूरी धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 16 अगस्त से शुरू होकर यह महोत्सव पूरे 7 दिनों तक चलेगा। इस दौरान आकर्षक झूले,

स्टॉल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। पूजा स्थल पर विशाल पंडाल का निर्माण किया जाएगा, जिसे विशेष आकर्षण का केंद्र बनाया जाएगा। सुरक्षा के दृष्टिकोण से पंडाल क्षेत्र के चारों ओर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। साथ ही, हर जगह क्लब के वालंटियर तैनात रहेंगे जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। भूमि पूजन कार्यक्रम में समिति के उपाध्यक्ष अमन कुमार, समित कुमार, कोषाध्यक्ष मंटू यादव, सचिव दीपू यादव, मुन्नी कुमार, महासचिव आयुष कुमार, गोरख कुमार, मेला प्रभारी आनंद कुमार एवं मनीष कुमार, शशि कुमार, करण कुमार सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

श्रीश्री दुर्गा पूजा समिति जवाहर नगर ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़) : दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर श्रीश्री दुर्गा पूजा समिति जवाहर नगर द्वारा श्रीनिवास अग्रवाल और मुकेष राउत के नेतृत्व में मंगलवार को ज्योति क्लब दुर्गा मंडप प्रांगण में शोक सभा का आयोजन किया गया। सभा में झारखंड आंदोलन के प्रणेता, पूर्व मुख्यमंत्री एवं दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। उपस्थित लोगों ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। सभा में श्रीनिवास अग्रवाल ने दिशोम गुरु की संघर्षशील जीवन यात्रा, आदिवासी समाज के उत्थान हेतु उनके योगदान और राजनीतिक जीवन में उनकी ऐतिहासिक भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन न केवल एक राजनेता थे, बल्कि एक विचारधारा और आंदोलन के प्रतीक भी थे, जिन्होंने झारखंड को उसकी पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वहीं मुकेश राउत ने कहा कि झारखंड के दाता वीर सपूत गुरू जी के जाने से आज पूरा झारखंड मर्माहत है। एक ऐसा महान योद्धा जिन्होंने झारखंड की भलाई के लिए अपना पूरा जीवन संघर्ष में ही गुजार दिए। श्री राउत ने कहा कि गुरु जी कभी भी अपने लिए नहीं जिए, झारखंड की जल, जंगल, जमीन को कैसे सुरक्षित रखा जाए इसी में पूरा जीवन लगा दिए।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर मेडिकेंट अस्पताल ने व्यक्त किया गहरा शोक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : मेडिकेंट अस्पताल ने झारखंड के मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। अस्पताल की ओर से जारी शोक संदेश में कहा गया है– झारखंड के मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के आकस्मिक निधन से हमें गहरा दुख हुआ है। इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएँ और प्रार्थनाएँ उनके परिवार और प्रियजनों के साथ हैं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। अस्पताल के निदेशक मंडल और सभी कर्मचारीगण ने अपने संदेश में दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके योगदान को याद किया। अस्पताल के प्रवक्ता ने कहा कि शिबू सोरेन का जाना राज्य के लिए एक अपूरणीय क्षति है। अस्पताल प्रबंधन ने दुख की इस घड़ी में मुख्यमंत्री के परिवार को ताकत और धैर्य की कामना की है।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने जताया शोक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : आदिवासी अस्मिता और झारखण्ड आंदोलन के प्रतीक, पूर्व मुख्यमंत्री एवं झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर ओम आरोहणाम संस्था की संस्थापिका एवं भारत सरकार की दिशा संगठन की सदस्य सह भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने शोक व्यक्त की। उन्होंने शोक व्यक्त कर कहा कि झारखण्ड और पूरे देश के लिए एक गहरा शोक का दिन है। उनका संपूर्ण जीवन न्याय, संघर्ष और समाज के वंचित वर्गों की आवाज उठाने के लिए समर्पित रहा। उन्होंने जिस ईमानदारी और दृढ़ता से जनता की सेवा की, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी। समस्त झारखंड के लिए यह अपूर्णीय क्षति है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने पिता के देखभाल एवं सेवा करने का अपना फर्ज निभाया। शेफाली गुप्ता ने कहा कि एक जननेता, एक संघर्षशील व्यक्तित्व और झारखण्ड की आत्मा के सच्चे प्रहरी को मेरा विनम्र नमन। उन्होंने ईश्वर से उनकी आत्मा को शांति प्रदान करने और परिवार को इस कठिन समय में संबल करने की प्रार्थना की।

गुरुजी के अंत्येष्टि में शामिल हुए बिरंची नारायण

बोकारो : पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने झारखण्ड के भूतपूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरू शिबू सोरेन के अंतिम संस्कार में शामिल हो उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया। मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व उनका पूरा परिवार गुरुजी का पार्थिव शरीर लेकर उनके पैतृक गाँव नेमड़ा पहुँचा यहीं उनका अंतिम संस्कार किया गया। बिरंची नारायण ने दिशोम गुरु को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी पहचान केवल एक झारखंड आंदोलनकारी नेता कि नहीं थी, उन्होंने महाजनी व्यवस्था और हड़िया आदि का भी विरोध किया और लोगों का जनजागरण किया। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर उन्हें अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

सरला बिरला विवि में शोकसभा का हुआ आयोजन

अनगड़ा : दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर सरला बिरला विश्वविद्यालय में श्रद्धांजलि एवं शोकसभा का आयोजन किया गया। विवि के तमाम शिक्षकों, शिक्षकेत्तर कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने इस दौरान दो मिनट का मौन रखकर दिशोम गुरु की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। अपने विचार व्यक्त करते हुए विवि के माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक एवं माननीय कुलपति प्रो सी जगनाथन ने स्वर्गीय शिबू सोरेन के व्यक्तित्व की चर्चा करते हुए कहा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा करने के लिए दशकों तक चला उनका संघर्ष सर्वदा स्मरणीय रहेगा। वक्ताओं ने समाज को जोड़े रखने में उनके योगदान की चर्चा करते हुए कहा कि देश और समाज को उनकी कमी हमेशा खलेगी। एसबीयू के माननीय प्रतिकुलाधिपति श्री बिजय कुमार दलान एवं माननीय राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने दिशोम गुरु के निधन पर शोक संदेश प्रेषित किया है।

बागीडीह मोड़ में डॉ. सीमा सुमन के डेंटल क्लिनिक का उद्घाटन, ग्रामीणों को मिलेगी बड़ी राहत

सरिया : सरिया के बागोडीह मोड़ जैसे छोटे शहर में डॉ. सीमा सुमन द्वारा डेंटल क्लिनिक की स्थापना स्थानीय निवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस क्लिनिक के खुलने से आसपास के गांवों के लोगों को अब दंत चिकित्सा के लिए हजारीबाग या गिरिडीह जैसे बड़े शहरों की यात्रा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मंगलवार को क्लिनिक का उद्घाटन डॉ राजेश सिंह तथा डी ए वी के प्राचार्य मनीष कुमार सिन्हा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। उद्घाटन समारोह में श्री भोला मंडल, डॉ आर डी प्रसाद, भुनेश्वर मंडल, कुश कुशवाहा, अमन पांडे सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस क्लिनिक के शुरू होने से स्थानीय समुदाय को गुणवत्तापूर्ण दंत चिकित्सा सेवाएं सुलभ होंगी, जिससे उनका समय और खर्च दोनों बचेगा।

दिशोम गुरु श्री शिबू सोरेन जी को RP ग्लोबल स्कूल, कोडरमा की भावपूर्ण श्रद्धांजलि

कोडरमा : मंगलवार को लोबल स्कूल, कोडरमा में झारखंड अलग राज्य के पुरोधा, आदिवासी अधिकारों के प्रखर पैरोकार, महान नेता एवं भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्री शिबू सोरेन जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। विद्यालय परिसर में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय की प्रधानाध्यापिका जी की उपस्थिति में मोमबत्ती जलाकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। सभा की शुरूआत दो मिनट के मौन से हुई, जिसके पश्चात उपस्थित शिक्षक एवं कर्मचारियों ने उनके योगदान को याद किया। प्रधानाध्यापिका जी ने अपने संदेश में कहा कि शिबू सोरेन जी का जीवन संघर्ष और सेवा की मिसाल है। उन्होंने जल, जंगल और जमीन की लड़ाई को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।आज वे हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनकी स्मृतियाँ, उनका संघर्ष प्रेरणा बनकर हमेशा हमलोगों के बीच रहेंगे। भगवान अपने श्री चरणों में उन्हें स्थान दे और ₹उनकी पुण्य आत्मा को शांति मिले।

जनता मजदूर संघ ने किया जनजागरण कार्यक्रम, 20 अगस्त के हल्ला बोल प्रदर्शन के लिए लिया एकजुटता का संकल्प

कोडरमा : मंगलवार को जनता मजदूर संघ सम्बंध हिन्द मजदूर सभा ने पूर्व घोषित 20 अगस्त को ई डी में हल्ला बोल प्रदर्शन के जनसमर्थन के तहत आज प्रथम जन जागरण कार्यक्रम कोक-ओवन एंड कोक केमिकल्स के मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय के सामने कृष्णा कैंटीन में किया गया जिसमे नियमित कर्मचारी एवं ठेका श्रमिको के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा किया गया।आज के कार्यक्रम में सभी नियमित कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों ने भाग लिया और जनता मजदूर संघ के ज्वलंत मुद्दे एवं माँग को जायज मानते हुए सभी ने समर्थन किया और 20 अगस्त के हल्ला बोल प्रदर्शन के लिए सभी ने एक स्वर में हुंकार भरा। जनता मजदूर संघ के महामंत्री प्रमोद कुमार देव कहा सभी नियमित कर्मचारी एवं ठेका श्रमिको के हक अधिकार के लिए आर – पार की लड़ाई लड़नी होगी इसलिए सभी से आग्रह किया गया कि सभी लोग 20 अगस्त को ज्यादा से ज्यादा साथियों के साथ ई डी (डब्लू) बिल्डिंग के पास पहुंचे। इस कार्यक्रम में महामंत्री के अलावा सत्येंद्र नारायण सिंह, अरुण कुमार, प्रकाश चटर्जी, गौतम सिंह चौधरी, पंकज कुमार सिंह ने संबोधित किया।इस कार्यक्रम में मुकेश रंजन सिंह, मनोज भारती, लखन महतो, अंकित मिश्रा, आनंद कुमार, नरसिंह गोस्वामी, हिमांशु शेखर, सुधांशु निर्मल, अजित महतो, मुकेश सिंह, उपेन्द्र महतो, राजेंद्र सिंह, अभिषेक, ज्योतिष कुमार, आदि सैकड़ों कर्मचारी एवं ठेका श्रमिक शामिल थे।

अपराधियों के हौसले बढ़ाती डिजिटल तकनीक

राजस्थान के जोधपुर जिले के मीडिया इन्फ्लुएंसर को अपराधियों ने अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देते हुए 20 लाख रु. की मांग पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई कर दो कथित अपराधियों को पकड़ा है। मीडिया इन्फ्लुएंसर और उसकी कामेडियन पत्नी को उनके अश्लील वीडिया वायरल करने की धमकी दी गई। खैर, यह तो इन्होंने हिम्मत दिखाकर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करा दी अन्यथा देश दुनिया में इस तरह की धमकियां देकर डरा-धमकाकर वसूली करने के अपराधों की बाढ़ से आ गई है। दरअसल, डिजिटल तकनीक का अपराधियों द्वारा अपराध में उपयोग आम होता जा रहा है। डिजिटल तकनीक के कारण अपराधियों के बढ़ते हौसले की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि पिछले दिनों एक महिला की निजी तस्वीरों को वाट्सएप पर सार्वजनिक करने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अजय भनोट ने जमानत देने से इनकार करते हुए सख्त टिप्पणी की। न्यायमूर्ति भनोट ने 2023 में भी सोशल मीडिया में अश्लील वीडियो अपलोड के प्रकरण में गंभीर टिप्पणी की थी। डिजिटल क्रांति ने अपराध की दुनिया में बड़ी सेंध लगा ली है। अपराधी विभिन्न माध्यमों से डिजिटल तकनीक का उपयोग कर गंभीर अपराधों को अंजाम दे रहे हैं। कम्प्यूटर, कम्प्यूटर नेटवर्क, डेटाबेस, डिजिटल डिवाइस, इंटरनेट आदि के माध्यम से नित नए अपराध की तरीके अपना रहे हैं। सोशल मीडिया और स्मार्टफोन का खासतौर से इस्तेमाल करते हुए लोगों की निजी जिंदगी को प्रभावित करने के साथ डिजिटल अरेस्ट, साइबर ठगी जैसे गंभीर अपराध बेखौफ कर रहे रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट या बैंक अकाउंट ठगी के शिकार होने वाले अधिकतर लोग अच्छे पढ़े-लिखे, समाज में अच्छे पदों से सेवानिवृत या यों कहे कि समझदार लोग ही अधिक शिकार हो रहे है। अभी कुछ दिनों पहले ही एक माननीय न्यायमूर्ति ने कहा कि वे साइबर ठगी के शिकार होते-होते बचे हैं। डिजिटल तकनीक से अपराध करने वालों के हौसलों को देखिये कि कुछ घंटों नहीं अपितु कई दिनों तक डिजिटल अरेस्ट रख कर लाखों रुपए अपने खातों में डलवा रहे हैं। यह सब तो तब है जब कि सरकार मोबाइल टोन के समय ही ओपनिंग मैसेज के माध्यम से आगाह कर रही है पर इस तरह की घटनाओं में साल दर साल मल्टीपल बढ़ोतरी हो रही है। 1970 से 1990 के दो दशकों में केविन मिटनिक और उनके साथियों ने मोटोरोला, नोकिया आदि के नेटवर्क में सेंध मारना शुरू कर दिया था। बॉब थामस ने क्रीपर वायरस के माध्यम से कम्प्यूटर सिस्टम को बड़ा नुकसान पहुंचाया। इसके बाद तो समय-समय पर वायरसों द्वारा कम्प्यूटर सिस्टम को हैंक या प्रभावित करने का सिलसिला ही चल निकला। कम्प्यूटर आधारित अपराधों का केवल अमेरिका का 2015 का आंकड़ा ही चौकाने वाला है जिसमें एफबीआई के अनुसार 2 लाख 88 हजार से भी अधिक शिकायतों के साथ केवल एक वर्ष में 445 अरब डॉलर के नुकसान का दावा किया गया। साइबर ठगी के मामलों में रूस पहले पायदान पर तो यूक्रेन दूसरे पायदान पर है। चीन, अमेरिका, नाइजीरिया और रोमानिया का नंबर आता है। इससे एक बात तो साफ हो जाती है साइबर ठगों के सारी दुनिया में हौसले बुलंद है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले तीन साल में ही ठगी के नए-नए तरीकों से ठगी की राशि 20 गुणा बढ़ गई है। 2025 के शुरूआती दो महीनों में ही 17 हजार 718 से अधिक मामलों में 210 करोड़ 21 लाख रु. से अधिक की ठगी हो चुकी है। साल 2022 में साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट या इस तरह की ब्लैक मेलिंग, ऑनलाइन ठगी आदि के 39925 मामलों में 91 करोड़ 14 लाख की ठगी हुई थी जो एक साल बाद ही 2023 में बढ़कर 60676 हो गई और इसमें 339 करोड़ रु. की राशि की ठगी हो गई। लाख प्रयासों के बावजूद 2024 में एक लाख 23 हजार 672 मामलों में 1935 करोड़ 51 लाख रु. की ठगी हो गई।

सूडोकु नवताल- 7513

★★★★★ कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7512 का हल

6	3	8	5	2	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	9	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

सदन में स्वस्थ बहस से ही लोकहित संभव

अरुण कुमार दीक्षित

लोकसभा और राज्यसभा में ज्वलंत मुद्दों पर आदर्श चर्चा की जिम्मेदारी सरकार और प्रतिपक्ष की बराबर होती है। गत वर्षों में देखा जा रहा है कि सदन में कार्यवाही सुचारू रूप से नहीं चल पा रही है। सदन ठीक नहीं चल पाने के कारण भारतीय जनमानस का नुकसान होता है। निराशा होती है। जनता से जुड़े बुनियादी सवालों पर चर्चा नहीं होने से अनेक मामले लंबित रह जाते हैं। निष्कर्ष नहीं आते। फिर चाहे वह आंतरिक सुरक्षा की बात हो चाहे राष्ट्र की सीमाओं की सुरक्षा की बात हो अथवा आतंकवादी हमलों जैसे गंभीर विषय हो। अच्छी चर्चा नहीं होने से सत्ता पक्ष के मंत्रियों को जहां सुविधा होती है कि उन्हें प्रश्नों के उत्तर नहीं देने पड़ते, उनकी जवाबदेही तय नहीं हो पाती है। वहीं, प्रतिपक्ष की नाकामी भी सीधे दिखाई पड़ती है। प्रतिपक्ष जो बातें सदन के बाहर करता है वे सभी बातें प्रश्न लोकसभा राज्यसभा सदन में क्यों नहीं कर पाता है। प्रतिपक्ष सत्ता पक्ष पर दोष मढ़कर अपनी जिम्मेदारी से बचने का प्रयास करता आया है।

यह आदत और ढंग अब बदलने चाहिए। सदनों की कार्यवाही मीडिया में सीधे प्रसारित होती है। सोशल मीडिया में भी दिखाई पड़ती है। इससे क्या प्रतिपक्ष ने कहा और सत्ता पक्ष ने क्या किया? वह सब जन मानस में दृष्टिगत होता रहता है। आदर्श लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए सदनों में सत्तापक्ष और प्रतिपक्ष को पारदर्शी ढंग अपनाने होंगे। यदि ऐसा नहीं होता है तो जनता के मन में राजनीतिज्ञों और चुनकर जाने वाले जनप्रतिनिधियों के ऊपर घटते विश्वास को और अधिक बल मिलेगा। लोकसभा सबसे बड़ी और जिम्मेदार संवैधानिक संस्था है। लोकसभा भारत के जन गण मन का मंदिर है। लोकतांत्रिक आस्था का केंद्र है लोकसभा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा में कहा यह सत्र भारत के विजयोत्सव का सत्र है। यह भारत के गौरव गान का सत्र है। यह विजयोत्सव सिंदूर की सौगंध पूरा करने का सत्र है। यह विजयोत्सव आतंकी हेड क्वार्टर को मिट्टी में मिलाने का सत्र है। भारत की सेना के शौर्य साहस की विजयगाथा का विजयोत्सव है। यह सत्र भारत के एक सौ चालीस करोड़ लोगों की एकता का अप्रतिम विजयोत्सव है। उन्होंने प्रतिपक्ष से कहा हमसे किसी तीसरे देश ने युद्ध को लेकर बात नहीं की। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का प्रधानमंत्री ने नाम लेकर कहा उन्होंने (जेडी वेंस) उनसे कहा कि पाकिस्तान भी जवाबी कार्रवाई करेगा। तो हमने (मोदी ने) कहा कि वह गोली चलाएंगे तो हम जवाब गोले से देंगे। मगर प्रधानमंत्री के इस वक्तव्य से प्रतिपक्ष संतुष्ट नहीं हुआ। प्रतिपक्ष उत्तर में चाहता था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड के उस वक्तव्य पर जिस पर ट्रंप ने कई बार कहा है कि पाकिस्तान के विरुद्ध भारत का ऑपरेशन सिंदूर हमने रुकवाया है, पर चर्चा हो। प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि (पीओके) पाक अधिकृत कश्मीर पर कब्जा क्यों नहीं किया गया।

इस पर केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि 62 के चीन युद्ध में क्या हुआ 38 हजार वर्ग किमी भूमि अक्साई चीन को छोड़ दी। कहा उस समय जवाहर लाल नेहरू प्रधानमंत्री थे। तब नेहरू ने कहा था कि उस भूमि पर तो घास भी नहीं उगती है, क्या करेंगे उस भूमि का। जिस तरह नेता प्रतिपक्ष और अन्य प्रतिपक्षी सरकार को ऑपरेशन सिंदूर को लेकर घेर रहे हैं, वह संचार माध्यमों से सभी ने देखा है। जबकि पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री के स्पष्ट वक्तव्य सदन में स्वयं उनके द्वारा आ चुके हैं। पहले सप्ताह में सदन नही चलने पर संसदीय कार्य मंत्री ने चिंता जताई थी।

आश्चर्य की बात है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर भी लोकसभा और राज्य सभा में प्रतिपक्ष पूरे मनोयोग से प्रधानमंत्री के साथ खड़ा नहीं दिखाई दे रहा था। हंगामा होता रहा। होना तो चाहिए था कि भारत राष्ट्र से किसी देश से हो रहे युद्ध को लेकर अथवा युद्ध जैसी परिस्थितियों में नेता प्रतिपक्ष सहित अलग-अलग संपूर्ण विचारधारा मानने वाले लोगों को राष्ट्र सर्वोपरिता के सिद्धांत पर चलते दिखाई देना चाहिए। पर ऐसा हो न सका। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में कहा कि लोग चाहते थे कि आतंकवादियों के सिर में गोली मारी जाए और ऐसा ही हुआ। तीनों आतंकवादियों को सुरक्षाकर्मियों ने सिर में ही गोली मारी। उन्होंने कहा भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने गुहार लगाई। घुटने टेके। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने यह वक्तव्य राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर हो रही विशेष चर्चा के समय दिया। केंद्रीय गृह मंत्री ने स्पष्ट कहा कि आतंकी शिविरों, आतंकी प्रशिक्षण शिविरों और लॉन्चिंग पैड्स पर हमला 9 मई को किया गया। इस हमले को पाकिस्तान अपने ऊपर मान रहा था। इसके बाद गृहमंत्री कांग्रेस पर हमलावर रहे। मगर प्रतिपक्ष इस वक्तव्य से संतुष्ट नहीं हुआ।

लोकसभा में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दे हो अन्य वे सभी लोकहित से जुड़े होते हैं। सरकार द्वारा प्रतिपक्ष द्वारा उठाए जा रहे विषयों पर गौर करते हुए सदन चलना शुचिता का संदेश होता है। बिहार राज्य की मतदाता सूचियों को लेकर भी दोनों सदनों में हंगामा हो चुका है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जोर देकर कहा कि अगर लोकतंत्र को मजबूत करना है तो सदस्यों को प्रश्न काल के दौरान ही प्रश्न उठाने होंगे। इससे सरकार की जवाबदेही तय होती है। उन्होंने कहा सांसदों को अपने प्रश्न उठाने दें। देश के लोगों की अपेक्षाएं और आकांक्षाएं पूरी होने दें। देश को आगे बढ़ाने में अपना सहयोग दें।

भारतीय जनमानस में राजनीतिज्ञों के प्रति अविश्वास गहराया है। राजनीतिज्ञ किसी भी बात के प्रति आज आश्वस्त करता है। कल भूल जाता है। राजनीतिक व्यक्ति प्रायः किसी बात के प्रश्नों को मना नहीं करता है। मगर बुनियादी समस्याओं पर जनप्रतिनिधियों के वक्तव्य संवेदनहीन दिखाई देते हैं। जनता के मन में यह विश्वास दृढ़ होता जा रहा है कि चुनाव बाद जनप्रतिनिधियों द्वारा समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जाता हैं। वे राजनीति के कर्मकांडीय पक्ष माला, माइक, उद्घाटन, पत्थर, आश्वासनों से पांच वर्ष का कार्यकाल गुजार देते हैं। जनता के सामने इसका कोई विकल्प भी नहीं होता है। वे किससे आग्रह करें कि उनके गांव का शैक्षिक वातावरण कैसे ठीक हो? शिक्षा की समस्याओं के साथ उच्च शैक्षिक संस्थानों की मनमानी पर क्या करें? बेरोजगारी पर कहाँ जाएं। रेल के बिजली के कृषि के पुलिस के राजस्व के सिंचाई के अधिकारियों की मनमानी पर कौन बात करें? परिवहन व्यवस्था ठीक करने के प्रश्न हैं। अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी, दवाओं की कमी, एम्बुलेंस, अस्पताल भवन की कमी है। अनेक भवन जर्जर हैं। बीमारियों की सटीक पहचान करने वाली मशीनों की कमी है। बजट की कमी है। अनेक बुनियादी प्रश्न अनुत्तरित है।

यह भी सही है कि इधर के कुछ वर्षो में सुधार आया है। कोई भी कानून लोकसभा- राज्यसभा से ही पारित होकर जनता के लिए निकलते हैं। जनता की सुविधा बनते हैं। बड़े मीडिया संस्थान बड़े महानगरों की छोटी खबरों पर ध्यान देते हैं। अधिक फोकस करते हैं। गांव की बड़ी समस्याओं पर छोटी खबरें भी बनाने से कतराते हैं। गत दिनों राजस्थान में एक विद्यालय की छत गिरने से 8 बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना में खामी कहां थी। सरकारी तंत्र ने क्यों नहीं देखा। यह किसी भी राज्य की जिम्मेदारी है कि प्रत्येक व्यक्ति की जीवन रक्षा का कर्तव्य उसी की है। इसका मतलब यह नहीं है कि जहां घटना होती है वहां की सरकार किस रंग की है। किस झंडे की है। किस दल की है। सरकारी भवनों की गुणवत्ता किसी से छुपी नहीं है। नौकरशाही और राजनीति जब तक ईमानदारी, दृढ़ इच्छा शक्ति से काम नहीं करेगी तब तक इस तरह की घटनाओं में कमी नही आएगी। लोकसभा में बहस से ही लोकहित संभव है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

स्कूल छोड़ती बेटियां : संसाधनों की कमी या सामाजिक चूक

प्रियंका सौरभ

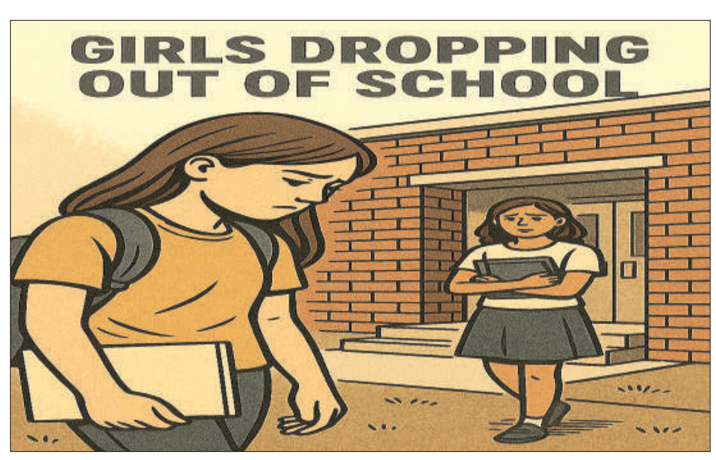

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट ने चौंकाने वाला सच उजागर किया है कि 15 से 18 वर्ष की उम्र की लगभग 39.4 फीसदी लड़कियाँ स्कूल से बाहर हो चुकी हैं। शिक्षा के इस मौन पलायन के पीछे स्कूलों की दूरी, परिवहन की अनुपलब्धता, शौचालयों की कमी और सुरक्षा को लेकर भय जैसे कारण हैं। यह स्थिति केवल व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता की कमजोरी को भी दर्शाती है। यह सवाल है क्या हम सच में बेटियों की शिक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं?

बेटियों की शिक्षा को लेकर गढ़ा गया नारा हर गली-चौराहे, सरकारी इमारतों और बैनरों पर चमकता है, लेकिन यह उन गाँवों और बस्तियों तक नहीं पहुँच पाता जहाँ बेटियाँ रोज स्कूल छोड़ रही हैं। हालिया रिपोर्ट से पता चला है कि 15 से 18 वर्ष की आयु वर्ग की 39.4 फीसदी लड़कियाँ स्कूल से बाहर हैं। यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं, यह हमारे सामाजिक ढांचे पर एक कठोर टिप्पणी है। घर से स्कूल की दूरी, सुरक्षित परिवहन की कमी, उच्च माध्यमिक विद्यालयों का अभाव, शौचालयों की स्थिति और सामाजिक असुरक्षा- ये सारी बातें जमीनी हकीकत हैं जिनसे रोज हजारों बच्चियाँ जूझ रही हैं। अंततः उन्हें शिक्षा से हाथ धोना पड़ता है। हकीकत यह है कि नामांकन के बाद लड़कियाँ स्कूल में टिक नहीं पातीं।

एक आम ग्रामीण परिदृश्य को देखें। पाँचवीं तक का स्कूल तो आसपास है लेकिन आठवीं के बाद विद्यालय दूर है। परिवहन की सुविधा नहीं। न बस, न साइकिल, न ही कोई महिला सहकर्मी या मार्गदर्शक। माता-पिता अपनी बेटी को पाँच किलोमीटर दूर अकेले भेजने से डरते हैं। उन्हें चिंता होती है कि रास्ते में कोई छेड़छाड़ न हो, कोई हादसा न हो। उस चिंता में स्कूल जाना बंद हो जाता है।

शौचालयों की बात करें तो यह सिर्फ सुविधा नहीं, आत्मसम्मान और स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा है। किशोरावस्था में लड़कियाँ उन परिवर्तनों से गुजरती हैं, जहाँ एक स्वच्छ और सुरक्षित शौचालय उनकी शिक्षा की निरंतरता तय कर सकता है। लेकिन अधिकांश सरकारी स्कूलों में या तो शौचालय हैं नहीं या हैं तो गंदे, असुरक्षित या क्षतिग्रस्त हालत में हैं। माता-पिता के लिए यह एक और कारण बन जाता है अपनी बेटियों को स्कूल से हटाने का।

सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है। जिन स्कूलों में कोई महिला शिक्षक नहीं होतीं, कोई सीसीटीवी कैमरा या गार्ड नहीं होता, वहाँ किशोर लड़कियों को भेजना आज भी माता-पिता के लिए जोखिम उठाने जैसा है। यह डर केवल अव्यवस्था से नहीं, समाज की असंवेदनशीलता से भी उपजा है। आए दिन होने वाली घटनाएं, समाचारों में आती छेड़छाड़ की खबरें इस भय को और गहरा करती हैं।

इन सबके अलावा शिक्षा को लेकर समाज की प्राथमिकताएँ भी स्पष्ट नहीं हैं। एक लड़का पढ़े तो 'परिवार का भविष्य' बनता है, लेकिन लड़की पढ़े तो 'शादी की उम्र निकलने का डर' पैदा होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह मानसिकता अब भी गहराई से मौजूद है। लड़कियों की शिक्षा को 'लाभ' से ज्यादा 'खर्च' माना जाता है। इन परिस्थितियों में बेटियां स्कूल छोड़ दे, तो क्या इसमें उसकी गलती है? या यह एक सामूहिक चूक है- व्यवस्था, समाज और हमारी।

इस स्थिति का समाधान केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, ठोस क्रियान्वयन से होगा। सबसे पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि हर गाँव से तीन किलोमीटर के दायरे में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हो। यह बुनियादी शैक्षिक ढांचा हर बच्चे का अधिकार है। परिवहन की सुविधा उतनी ही जरूरी है जितनी शिक्षक की उपस्थिति। यदि बच्चियाँ स्कूल नहीं पहुँच पाएंगी तो पढ़ेंगी कैसे? सरकार को स्कूल वैन, छात्रा साइकिल योजना या सार्वजनिक परिवहन में 'स्कूल पास' जैसे विकल्प सुनिश्चित करने होंगे। हर स्कूल में स्वच्छ और उपयोगी शौचालयों की अनिवार्यता होनी चाहिए। महिला कर्मचारियों की नियुक्ति, नियमित निरीक्षण और साफ-सफाई के लिए स्थानीय प्रशासन को उत्तरदायी बनाया जाए।

सुरक्षा के लिए प्रत्येक स्कूल में महिला शिक्षकों की उपस्थिति बढ़ाई जाए। सुरक्षा गार्ड, सीसीटीवी कैमरा और स्कूल परिसर में अभिभावकों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाए। यह कदम न केवल बेटियों को सुरक्षा का भरोसा देगा, बल्कि अभिभावकों को मानसिक शांति भी।

इसके साथ ही स्कूलों के भवन और अधोसंरचना को केवल औपचारिकता के लिए नहीं, गुणवत्ता के साथ विकसित किया जाना चाहिए। पुस्तकालय, कंप्यूटर कक्ष, विज्ञान प्रयोगशालाएं, खेल का मैदान- ये सब स्कूल के मानक हिस्से होने चाहिए। एक और महत्वपूर्ण बिंदु डिजिटल शिक्षा है। महामारी ने दिखा दिया कि जिनके पास मोबाइल, इंटरनेट और बिजली नहीं, वे पढ़ाई से बाहर हो जाते हैं। ग्रामीण स्कूलों में डिजिटल साक्षरता और उपकरण की उपलब्धता अब विलासिता नहीं, अनिवार्यता है।

शिक्षा विभाग को उन लड़कियों की नियमित सूची बनानी चाहिए जो स्कूल छोड़ चुकी हैं। उनके घर जाकर कारण जानना, उन्हें वापस लाने के लिए प्रेरित करना, और माता-पिता को विश्वास में लेना प्रशासन की जिम्मेदारी होनी चाहिए। साथ ही समाज को भी आत्मावलोकन करना होगा। हम अपनी बेटियों को क्यों पढ़ाना चाहते हैं – नौकरी के लिए, शादी के लिए या आत्मनिर्भरता के लिए? जब तक समाज का जवाब अस्पष्ट रहेगा, तब तक समाधान भी अधूरा रहेगा। प्रशासन, समाज और परिवार को मिलकर यह जिम्मेदारी लेनी होगी कि कोई भी बच्ची शिक्षा से वंचित न हो। इसका अर्थ है केवल विद्यालय खुलवाना नहीं, बल्कि उसमें बेटी के जाने और टिके रहने की पूरी ज़िम्मेदारी लेना।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारत में भाषायी विवाद की समाप्ति के लिए संस्कृत को 'संवाद' की भाषा बनाना जरूरी

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत में भाषायी विवाद किसी न किसी रूप में खड़ा करना कोई नया मुद्दा नहीं है, अक्सर हिंदी बनाम गैर-हिंदी भाषाओं, दक्षिण बनाम उत्तर, अंग्रेजी बनाम स्थानीय भाषाओं, जैसी बहसें उठती रहती हैं। लेकिन अभी जब से केंद्र सरकार नई शिक्षा नीति में "त्रिभाषा फार्मूला" लेकर आई है, तब से यह देखने में आ रहा है कि देश के कई गैर भाषायी राज्यों में अंग्रेजी का विरोध नहीं हो रहा, जो एक विदेशी भाषा है, लेकिन हिन्दी भाषा का लगातार विरोध हो रहा है। यह स्थिति निश्चित ही देश के एक बड़े समुदाय की गुलाम मानसिकता को भी दर्शाती है, जिन्हें अपने "स्वदेश" की भाषा प्यारी नहीं, विदेशी 'अंग्रेजी' भाषा से प्रेम है। अब ऐसे में समाधान क्या हो, तब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भावगत ने जो रास्ता सुझाया है, वास्तव में देश को आज उस बताए मार्ग पर चलने की आवश्यकता है। यह हमारी संस्कृति के संरक्षण के लिए भी सही है और देश में उठ रहे भाषायी विवाद को समाप्त करने की दिशा में भी एक स्थायी हल है।

एक दृश्य संस्कृत को लेकर मध्य प्रदेश की विधानसभा में देखने को मिला, यह अपने आप में बहुत ही विशेष नजारा था। यहां देखने को आया कि कैसे भाजपा विधायक अभिलाष पांडे ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से संस्कृत में प्रश्न पूछा और मंत्री स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने उसी संस्कृत भाषा में उत्तर दिया। विधानसभा में जब ये संवाद चल रहा था तो सदन में मौजूद सभी सदस्यों एवं मंत्रियों ने संस्कृत में हुए इस संवाद का करतल ध्वनि से स्वागत किया था । तात्पर्य भाषायी विवाद के बीच जब हम इस परिप्रेक्ष्य में "संस्कृत" को देखते हैं, तो यह भाषा इस विवाद का न्यायसंगत, सांस्कृतिक और व्यावहारिक स्तर पर एक संभावित समाधान प्रस्तुत करती हुई दिखाई देती है। इसीलिए ही डॉ. भागवत संस्कृत भाषा के महत्व पर जोर देते हुए कहते हैं, यह भारतीय भाषाओं की जड़ है और इसे संवाद की भाषा बनाना बेहद जरूरी है। उनका कहना है, "संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और चेतना की वाहक है। यह भारत की सभी भाषाओं की जड़ है।" संस्कृत को केवल समझना ही नहीं, बल्कि बोलने में भी दक्षता हासिल करनी चाहिए।

वे समझाते हैं कि "स्वत्व भौतिक नहीं, बल्कि यह हमारी वैचारिक और सांस्कृतिक पहचान है, और इसे व्यक्त करने के लिए भाषा का माध्यम आवश्यक है। संस्कृत को समझना, वास्तव में भारत को समझने के समान है।" फिर यह कार्य सिर्फ भारत के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि संस्कृत में निहित ज्ञान और दृष्टिकोण ने सदियों से मानवता को दिशा दी है। यही कारण है जो संस्कृत भाषा को विदेशी विद्वानों ने भी विश्व की सबसे वैज्ञानिक और पूर्ण भाषा होना स्वीकार किया है।

कई विद्वानों ने वर्षों भारत में रहकर यहां के धर्म, दर्शन, कला, भाषा, और संस्कृति का गहन अध्ययन किया और अपने ग्रंथों के माध्यम से विश्व को भारत की आत्मा से परिचित कराया। फ्रांस के रोमां रोलां ने स्वामी विवेकानंद और रामकृष्ण पर जीवनियाँ लिखीं, जिनमें उन्होंने भारत को एक जीवित आत्मा की संज्ञा दी। अमेरिका के हेनरी डेविड थोरो और राल्फ वाल्डो इमर्सन ने वेदांत और उपनिषदों से प्रेरित होकर अपने लेखन को एक नई आध्यात्मिक दिशा दी। स्विट्जरलैंड के मनोविश्लेषक कार्ल युंग ने योग और तंत्र को मानव चेतना के विश्लेषण में अत्यंत उपयोगी माना और कहा कि "भारत का योग न केवल आत्मिक मुक्ति का मार्ग है, बल्कि मनोविज्ञान का भी अगला चरण है।"

अमेरिका के प्रसिद्ध इतिहासकार विल ड्यूरैंट ने अपनी चर्चित पुस्तक "The Story of Civilization" में लिखा, "भारत मानव सभ्यता की जननी है। वहाँ की संस्कृति, कला, धर्म और दर्शन अद्वितीय हैं। पश्चिम ने भारत से बहुत कुछ सीखा है।" वे यह भी कहते हैं कि "संस्कृत सभी भाषाओं की माता है, और भारत ने ही सबसे पहले मानवता को धर्म, दर्शन और विज्ञान सिखाया।" अमेरिका के ही महान साहित्यकार मार्क ट्वेन ने कहा, "भारत मानव इतिहास की पालना है, भाषा की जननी और परंपरा की माँ है। इतिहास, परंपरा और संस्कृति में भारत का कोई सानी नहीं।"

फ्रांसीसी लेखक एलेन दानिलो ने भारतीय संगीत, मंदिर वास्तुकला और मूर्तिकला को "चेतना की मूर्त अभिव्यक्ति" कहा। उनकी पुस्तक "The Myths And Gods Of India The Classic Work On Hindu Polytheism" भारतीय देवी-देवताओं, मंदिरों और पुराणों की गहन व्याख्या करती है। वहीं, फ्रांस के ही लुई जैकोलिओ ने "The Bible in India" में स्पष्ट रूप से लिखा कि भारत की धार्मिक परंपराएं, बाइबिल और मिस्त्र की सभ्यताओं से भी प्राचीन और उन्नत हैं। कोएनराड एल्स्ट जैसे बेल्जियम के विद्वान ने अपनी पुस्तक "Decolonizing the Hindu Mind" में भारतीय इतिहास को औपनिवेशिक दृष्टिकोण से मुक्त करने का आह्वान किया और कहा कि भारत की आत्मा को केवल धर्म से नहीं, उसकी सांस्कृतिक स्मृति से जोड़ा जाना चाहिए।

भारत के विषय में फ्रांसीसी दार्शनिक वोल्टेयर ने कहा था, जो कुछ भी महत्वपूर्ण है, वह भारत से ही आया है। भारत ने ही सभ्यता की नींव रखी। इसी बात को कई आधुनिक शोधकर्ताओं ने अपने डीएनए अध्ययन, गणित, खगोल और वैदिक विज्ञान से सिद्ध किया है कि भारत न केवल आध्यात्मिक, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से भी अग्रदूत रहा है।

दैनिक पंचांग

6 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.23 बजे से
चंद्र	धनु में	कन्या	08.35 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.46 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.01 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.17 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.22 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.08 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.41 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.12 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		वृष	23.52 बजे से
		मिथुन	01.50 बजे से
		कर्क	04.03 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 218 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ला
तिथि द्वादशी 14.09 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 13.00 बजे को समाप्त।
योग वैधृति 07.18 बजे को समाप्त।
करण बालव 14.09 बजे तदनन्तर कौलव 02.23 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 12.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 16° 41'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872428
जूलियन दिन 2460893.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर
तारीख 11
विशेष प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से पहले ही लोगों ने स्वयं हटा लिया अतिक्रमण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : परसुडीह के खासमहल से करनडीह चौक तक अंचल प्रशासन की ओर से अतिक्रमण हटाने की चेतावनी के बाद इलाके के गरीब लोगों ने मंगलवार को खुद ही अपनी झोपड़ियां और ठेले हटा लिए। निर्धारित कार्रवाई की सूचना मिलते ही लोगों ने बिना किसी विरोध के अपना ठेला और दुकानों को हटा लिया। लेकिन तय तिथि के दिन प्रशासनिक टीम मौके पर नहीं पहुंची, जिससे लोग घंटों अधिकारियों की प्रतीक्षा करते रहे।

सड़क किनारे रहने वाले इन परिवारों का अतिक्रमण कोई नया नहीं, बल्कि वर्षों पुराना है। अधिकांश लोग फल बेचकर और छोटे-मोटे सामानों की दुकान लगाकर अपनी रोजी-रोटी चलाते थे। बारिश, धूप और ठंड से बचाव के लिए इन लोगों ने प्लास्टिक और टीन की छतों से अपने अस्थायी घर बनाए थे। लेकिन अब प्रशासन की नोटिस के बाद उन्होंने इन्हें खुद ही तोड़ दिया। इधर, स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि अंचल प्रशासन की कार्रवाई में भेदभाव हो रहा है। जहां एक ओर गरीबों की बस्तियां हटाई जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर प्रखंड कार्यालय के नजदीक एक व्यवसायी द्वारा किए जा रहे ताजे अतिक्रमण पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। एक दुकानदार की ओर से बीते दो दिनों से अवैध निर्माण किया जा रहा है, जिसकी शिकायत लोगों ने सीओ कार्यालय में भी की है, लेकिन अब तक कोई पहल नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कार्रवाई केवल कमजोर और गरीब वर्ग पर की जा रही है, जबकि प्रभावशाली लोगों को अनदेखा किया जा रहा है। उनका कहना है कि अगर वाकई अतिक्रमण हटाना है, तो नियम सभी पर समान रूप से लागू होना चाहिए।

प्री पेरेंट्री सेंटर में श्रद्धांजलि सभा का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़/अमड़ापाड़ा : ज़िले के अमड़ापाड़ा प्रखंड स्थित प्री पेरेंट्री सेंटर विद्यालय में झारखण्ड राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर विद्यालय में शोक सभा का आयोजन कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण किया गया। मौके पर संस्था के प्राचार्य हरिहर प्रसाद भगत ने कहा कि झारखण्ड में एक युग का अंत हो गया है, शिबू सोरेन के निधन से हम सभी मर्माहित है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और इस दुःख की घड़ी में उनके परिवार को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। मौके पर शिक्षिका खुशबू भगत, निशा कुमारी, सकीना खातून व छात्र सुधांशु कुमार, नमन कुमार, नावेद, कामदेव, शिव, शिवम और छात्राएँ तितली भगत, कोयल कुमारी, सुप्रिया कुमारी, नंदनी कुमारी, आलिया, सुनीता किस्कु, उर्मिला आदि मौजूद थे।

झामुमो सुप्रीमो व पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर कांग्रेस के द्वारा शोकसभा कर उन्हें दी गयी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : झामुमो सुप्रीमो व पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर बरहरवा प्रखंड कांग्रेस कमेटी के द्वारा जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकतुल्लाह खान के बरहरवा स्थित कार्यालय में शोकसभा कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी। शोक सभा में बरकतुल्लाह खान ने कहा कि शिबू सोरेन अलग झारखंड राज्य की मांग को लेकर आंदोलन किये और धनकटी आंदोलन से प्रदेश की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने वाले एवं राज्य के लोगों के लिए समर्पित रहे। झारखंड की राजनीति के गुरु शिबू सोरेन के निधन से पूरा झारखंड शोक में डूबा हुआ है। शिबू सोरेन के निधन से राज्य को अपूर्ण क्षति हुई है। आगे बरकत खान ने बताया कि एक युग का अंत हुआ। भगवान

शिबू सोरेन के पूरे परिवार को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करे। उनके परिवार और समर्थकों को मेरी संवेदनाएं आदरणीय शिबू सोरेन ने झामुमो पार्टी को बढ़ाने में बड़ा योगदान रहा। पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को सामाजिक न्याय एवं जनजातीय कल्याण के लिए सदैव याद किया जाएगा। प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू, वरिष्ठ कांग्रेसी गुलाम रब्बानी, कमल आर्य, भोलानाथ महतो, अनिता साहा, संतोष झा, थॉमस रॉबर्ट, नेहल अख़्तर, मनोज घोष, अनंत लाल भगत,मिथुन मंडल, निताय सरकार, दिल अफरोज, मो राजू, छोटे लाल, अहमद, शारिक रब्बानी, विष्णु माल, बिक्की, धर्मेंद्र, राकेश, जयंतो, कुंदन ,प्रियांशु, दीपक, राजू सहित अन्य मौजूद थे।

आकाशीय बिजली के चपेट में आने से एक की मौत, अन्य दो घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला अंतर्गत तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के चतराडीह गांव में आकाशीय बिजली के कहर से एक महिला की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान राजेश रजवार की पत्नी रेखा देवी के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार उधवा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सुतियार पाड़ा पंचायत के चतराडीह, गांव में सोमवार की देर शाम अचानक तेज गरज और तड़क के साथ मूसलाधार बारिश हो रही थी। इस दौरान खेत में काम पूरा कर शाम को राजेश रजवार अपने बड़े बेटे शंकर रजवार और पत्नी रेखा देवी के साथ घर लौटने की तैयारी कर रहे थे परंतु खेत में ही

अचानक आकाशीय बिजली गिरने से बिजली की चपेट में आ गए और रेखा देवी की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक छा गया है। सैकड़ों ग्रामीण शोक-संवेदना प्रकट करने मृतक के घर पहुंचे। इस संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि मृतक का परिवार काफी गरीब है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सगे संबंधी व ग्रामीण परिजन को संभालने में जुटे है।बारिश के मौसम में लगातार हो रही आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं से क्षेत्र के लोग भयभीत हैं। घटना को लेकर क्या कहा बेटे नेउनके बड़े बेटे शंकर रजवार, ने घटना को बताते हुए कहा सोमवार की शाम लगभग 6 बजे मेरी मां के निकट बिजली गिरी, साथ ही उन्होंने बताया कि मैं और मेरे पिता राजेश रजवार, दूर खड़े रहने के कारण आकाशीय बिजली की झटका लगने से मौके पर बेहोश हो गए। वहीं कुछ देर के बाद होश आने पर ग्रामीणों को सूचना दी गई। इसके पश्चात ग्रामीणों ने मेरी मां और मेरे पिता को उठाया। मेरी मां को अस्पताल ले जाने के कर्म में ही मेरी मां की सांस थम गई और मौके पर ही मौत हो गई।

स्वच्छता अभियान के अंतर्गत साहिबगंज स्टेशनों पर जागरूकता अभियान चलाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मंगलवार को चल रहे 'स्वच्छता अभियान-2025' अभियान के अंतर्गत, पूर्वी रेलवे के मालदा मंडल ने, साहिबगंज स्टेशनों पर एक प्रभावशाली जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य यात्रियों और कर्मचारियों दोनों में स्वच्छता और पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी की संस्कृति को बढ़ावा देना था। यात्रियों को स्वच्छता बनाए रखने और पर्यावरण-अनुकूल आदतें अपनाने के प्रति जागरूक करने के लिए स्टेशन परिसर और ट्रेनों के अंदर व्यापक रूप से सूचनात्मक पर्चे वितरित किए गए। इस अभियान में रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों और हाउसकीपिंग स्टाफ की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिन्होंने

स्वच्छता को बढ़ावा देने और हरियाली के साथ स्टेशन के वातावरण को बेहतर बनाने के लिए हाथ मिलाया। यह पहल स्वच्छ भारत मिशन के प्रति भारतीय रेलवे की निरंतर प्रतिबद्धता और स्वच्छ, हरित और यात्री-अनुकूल रेल अनुभव सुनिश्चित करने का प्रमाण है।

केटीपीएस फेज-2 और आरटीपीएस फेज-2 निर्माण कार्य की समीक्षा बैठक संपन्न

प्रशांत कुमार ब्यूरो साहिबगंज

कोडरमा : दामोदर घाटी निगम डीवीसी के केटीपीएस टेक्निकल बिल्डिंग स्थित कांफ्रेंस हॉल में केटीपीएस फेज-2 और आरटीपीएस फेज-2 की निर्माण कार्य की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बीएचईएल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ डिवीसी के तकनीकी और परियोजना प्रमुखों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता स्वप्नेंदु कुमार पांडा सदस्य तकनीकी डीवीसी ने की। उनके साथ मनोज कुमार ठाकुर, मुख्य महाप्रबंधक सह हेड ऑफ प्लांट, केटीपीएस उपस्थित रहे। बैठक में परियोजना की प्रगति, निर्माण में आ रही तकनीकी चुनौतियों एवं समाधान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। मौके पर

स्वप्नेंदु कुमार पांडा सदस्य तकनीकी, डीवीसी,मनोज कुमार ठाकुर मुख्य महाप्रबंधक एवं प्रमुख, केटीपीएस,राजेश कुमार कार्यकारी निदेशक डिस्ट्रिब्यूशन, डीवीसी, मानस कुमार मंडल वरिष्ठ महाप्रबंधक एएमएस, डीवीसी, मानस नस्कर महाप्रबंधक फेज-क्क डीवीसी,अमन ज्योति - महाप्रबंधक ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस ,तापस मिर्धा महाप्रबंधक एएमएस, अजय कुमारउप महाप्रबंधक सिविल कार्यक्रम समन्वयक, केटीपीएस,सुरज पटनायक सह समन्वयक, केटीपीएस, दिनेश सोनी सह समन्वयक, केटीपीएस, कौशिक रॉय सह समन्वयक, केटीपीएस, आशीष कुमार सह-समन्वयक, केटीपीएस इसके अतिरिक्त केटीपीएस, आरटीपीएस एवं बीएचईएल के अनेक वरिष्ठ अधिकारी बैठक में उपस्थित रहे, जिन्होंने परियोजनाओं की तकनीकी समीक्षा में सक्रिय भूमिका निभाई। इस बैठक के माध्यम से डिवीसी ने यह स्पष्ट किया कि केटीपीएस एवं आरटीपीएस की दूसरी चरण परियोजनाएं तय समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरी की जाएंगी, जिससे क्षेत्रीय ऊर्जा जरूरतों की आपूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

एक नजर

कोदरजन्ना निवासी व्यक्ति को अन्य व्यक्ति ने लाठी डंडे से मारकर किया घायल

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत महादेवगंज पहाड़ पर हरियाणा क्रेशर प्लांट के समीप मंगलवार को मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के छोटी कोदरजन्ना निवासी व्यक्ति मो. जुबेर आलम को एक अन्य व्यक्ति ने लाठी डंडा से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जहां इस घटना के बाद गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को स्थानीय लोगों की मदद से आनन फानन में बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जहां सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. ऋतुराज के देखरेख में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति का इलाज किया गया। उधर घायल मो. जुबेर ने बताया कि हरियाणा क्रेशर प्लांट में बीते पांच से छः साल से काम कर रहे है। जहां मंगलवार की दोपहर वो अपना काम खत्म करके अपने घर जा रहा था कि तभी पहले से घात लगाकर बैठे धर्मेंद्र यादव नामक व्यक्ति ने अचानक लाठी डंडा से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उधर जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है।

सिल्ली में लाखों रुपए के गहने उच्चके ले भागे

सिल्ली : सिल्ली मेन रोड स्थित बबलू ज्वेलर्स से दिन के 10 बजे उचक्कों ने लाखों रुपए के गहने ले भागे।प्रतिदिन की तरह बबलू ज्वेलर्स संचालक किशन गुप्ता अपने घर से अपने स्कूटी से दुकान पहुंचे तथा दुकान खोल कर आभूषण से भरा बैग दुकान के बेंच पर रख कर साफ सफाई कर रहे थे। साफ सफाई करने के बाद बगल में झाडू रखने गए तब तक इधर उचक्कों ने बेग ले भागे। पास के दुकान में काम करने वाले एक युवक ने देखा दो युवक बैग लेकर बाइक पर जा रहे थे।वह कुछ समझ पाता तब तक काफी देर हो चुकी थी।घटना की सूचना मिलते ही सिल्ली पुलिस पहुँच कर मामले की छानबीन कर रही है। कुछ दूरी पर एक दुकान का सीसीटीवी को खंगाला गया उसमें दो युवक को बैग ले जाते हुए देखा गया। कितना लागत की गहना की चोरी हुई है इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं हो पाया है।

गदाई दियारा पंचायत के 10 टोलों में घुसा गंगा का पानी, बाढ़ का खतरा बढ़ा

साहिबगंज/तालझारी: गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। गंगा तट के निचले इलाकों में रह रहे लोगों को बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। राजमहल प्रखंड अंतर्गत गदाई दियारा पंचायत के 14 टोला में से 10 टोला में गंगा नदी का पानी प्रवेश कर गया है। इससे लोगों को बाढ़ का खतरा बना हुआ है। वार्ड सदस्य सुदाम मंडल, विश्वनाथ महतो, मुन्ना मंडल सहित अन्य ने बताया कि गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने लगा है, जिसमें सोमवार की रात्रि से ही गदाई पंचायत के नाथू टोला, फुलचंद टोला, शिवलाला टोला, सिताराम टोला, रघुवीर टोला, वंसीधर टोला सहित करीब 10 टोला में गंगा नदी का पानी प्रवेश कर गया है। यदि गंगा नदी का जलस्तर इसी तरह बढ़ता रहा तो गदाई दियारा के सभी टोला में पानी प्रवेश कर जायेगा। बताया गया कि बीती रात्रि गदाई दियारा के 10 टोला में से कई घरों में भी गंगा नदी का पानी प्रवेश

संक्षिप्त खबरें

अपर समाहर्ता ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का किया दौरा

साहिबगंज: गंगा नदी में लगातार हो रही जलस्तर वृद्धि और संभावित बाढ़ संकट को लेकर मंगलवार को अपर समाहर्ता गौतम भगत ने जिला के टॉपरा दियारा क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के मौके पर अपर समाहर्ता ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों को निगरानी बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने लोगों से मीलकर कहा कि प्रशासन द्वारा बनाए गए सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की। भगत ने बताया कि राहत शिविर में पर्याप्त मात्रा में भोजन, स्वच्छ पेयजल,चिकित्सा सुविधा, शौचालय तथा बच्चों व वृद्धजनों के लिए विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। प्रशासन संभावित संकट से निपटने के लिए पूर्णतः तैयार है और क्षेत्रवासियों से आग्रह करता है कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें तथा जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन करें। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार है।

पीसीसी सड़क को उखाड़ कर पुनः की गई ढलाई

साहिबगंज/बोरियो: प्रखंड के पटलोहरा गांव में आरईओ विभाग से बनने वाली पटलोहरा से बड़ा बिशनपुर तक चार किलोमीटर लंबा सड़क निर्माण में ग्रामीणों द्वारा पीसीसी की गई ढलाई में अनियमितता बरतने की शिकायत के बाद आरईओ विभाग ने पटलोहरा में पीसीसी सड़क को उखाड़ कर पुनः ढाला गया। पटलोहरा के ग्रामीणों ने पीसीसी उखाड़ कर बनाने की मांग जिला प्रशासन से की थी। अखबार में 4 अगस्त को खबर छपने के बाद आरईओ विभाग ने संज्ञान लेते हुए पीसीसी को उखाड़ कर पुनः ढाला गया। इस संबंध में आरईओ के कनीय अभियंता संदीप कुमार ने कहा कि ग्रामीणों की शिकायत एवं अखबार में मामला छापने के बाद पीसीसी को तोड़कर फिर से ढाला गया।

सिविल सर्जन ने कालाजार मरीजों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पतना में किया औचक निरीक्षण

साहिबगंज: मंगलवार दोपहर मंगलवार को सिविल सर्जन साहिबगंज डॉ रामदेव पासवान के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पतना में ईलाज चल रहे कालाजार पीकेडीएल रोगी का मॉनिटरिंग किया गया। जिसमे सिविल सर्जन के द्वारा उपस्थित चिकित्सा पदाधिकारी एवं सभी पारा मेडिकल कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने को कहा गया। विदित हो की यह कालाजार पीकेडीएल रोगी क्यूपीसीआर धनात्मक पाए गए थे। इस मौके पर डॉ शमशुल हक प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, डॉ सत्तीबाबू डबडा जिला वीबीडी सलाहकार, आदित्य कुमार सहायक, अशीमूल हक केटीएस, पप्पू कुमार घोष डब्ल्यूएचओ मॉनिटर, दीपक कुमार पिरामल स्वास्थ्य, एएनएम आदि सभी स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

महिला को पीट-पीट कर हत्या के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज: राधानगर थाना क्षेत्र के सुखपाड़ा गांव में सोमवार को एक महिला की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान मदिया निवासी होपना हेंब्रम की पत्नी समिया सोरेन के रूप में हुई है।घटना की जानकारी मिलते ही राधानगर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। जानकारी के अनुसार समिया सोरेन सोमवार को अपने कुटुंब पात्रो मुसहर के साथ खेत देखने गई थीं। शाम करीब चार बजे गांव के प्रधान द्वारा सूचना मिली कि उनकी मृत्यु हो चुकी है। जब पति होपना हेंब्रम घटनास्थल पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि उनकी पत्नी की हत्या राजमहल थाना क्षेत्र के बेगमपुरा निवासी माखन रिख्यासन द्वारा पीट-पीटकर कर दी गई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया और इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया और मंगलवार को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।इस मामले में मृतका के पति होपना हेंब्रम के फर्द बयान पर कांड संख्या 301/25 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

एक आसहाय वेवा के अपने माथे से छीना आशियाने

बरहरवा: प्रखंड क्षेत्र के शुक्रवासनी गांव में लगातार बारिश होने के कारण एक कच्चा मकान अचानक मिट्टी का दीवाल गिर गया। जिसमें रह रहे सालेहार वेवा, पिता स्व रुमाल शेख बाल बाल बच गए। बताते चले की सोमवार को दोपहर के बीच में जब वह खाना पका रही थी अचानक मिट्टी का दीवार गिर गया जिसमें महिला अपनी जान किसी तरह बचा ली। घर का सारा सामग्री चावल, गेहू और अन्य सामानों पर घर का हिस्सा गिरने से पूरी तरह से क्षतिग्रस्त होने से अंदर दब गया। महिला किसी तरह मजदूरी करके अकेले अपना पेट पाल रही थी। घर गिरने से खुले आसमान के नीचे रहने को विवश हो गई है।

इरडा ने खामियों के चलते इंश्योरेंस ब्रोकर्स पर लगाया पांच करोड़ का जुर्माना

ग्राहकों से की धोखाधड़ी, 4.2 करोड़ से ज्यादा की बीमा पॉलिसी बेची

नई दिल्ली।

बीमा क्षेत्र के नियामक इरडा ने कुछ खामियों की वजह से पॉलिसीबाजार इंश्योरेंस ब्रोकर्स पर पांच करोड़ रुपए का जुर्माना लगाने के साथ ही बीमा मानदंडों का उल्लंघन करने को लेकर आगाह भी किया है। पॉलिसीबाजार इंश्योरेंस ब्रोकर्स को पहले पॉलिसीबाजार वेब एग्रीगेटर के नाम से जाना जाता था। भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बयान में कंपनी को निर्देश, सलाह और चेतावनी भी जारी की है।

नियामक ने कहा कि पॉलिसीबाजार वेब एग्रीगेटर प्राइवेट लिमिटेड अब पॉलिसीबाज़ार इंश्योरेंस ब्रोकर्स प्राइवेट लिमिटेड पर बीमा अधिनियम और नियमों एवं विनियमों के तहत स्थापित कई उल्लंघनों के लिए निर्देश, सलाह और चेतावनी के साथ पांच करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। पॉलिसीबाजार साल 2008 में अपनी स्थापना के बाद से अब तक 4.2 करोड़ से ज्यादा बीमा पॉलिसी बेच चुका है।

मीडिया रिपोर्ट में इरडा ने कहा कि कंपनी ने नियामकीय उल्लंघन करने के साथ ग्राहकों से भी धोखाधड़ी की है। इरडा ने कहा है कि बिना अप्रूवल के ही कंपनी ने दूसरी कंपनियों में भी डायरेक्टरशिप हासिल की है। इसके अलावा कंपनी को कई बीमा पॉलिसी को जोर देकर ग्राहकों को बेचने का दोषी पाया गया। इतना ही नहीं कंपनी ने कई प्रोडक्ट को अच्छा बताकर उसे रैंकिंग में टॉप पर रखा, ताकि ग्राहकों को गुमराह करके इन उत्पादों को बेचा जा सके। कंपनी ने इन उत्पादों को बेहतर बताने के पीछे कोई कारण भी नहीं बताया और न ही ग्राहकों को कोई सलाह दी। इरडा ने बताया कि पॉलिसीबाजार ने ग्राहकों से पैसे लेकर उसे इंश्योरेंस करने वाली कंपनियों को समय से पहले नहीं पहुंचाया। इस वजह से कंपनी पर एक करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर जिन पांच प्रोडक्ट को बेस्ट बताकर टॉप पर दिखाया, उनमें सभी यूलिप प्लान थे, इसमें बजाज अलायंज गोल एश्योर, एडलवीज टोक्यो वेल्थ गेन प्लस, एचडीएफसी क्लिक2 वेल्थ, एसबीआई लाइफ ई-वेल्थ इंश्योरेंस और आईसीआईसीआई सिग्नेचर शामिल हैं।

जुलाई 2025 में रॉयल एनफील्ड ने किए बिक्री के नए कीर्तिमान स्थापित

नई दिल्ली ।

जुलाई 2025 में रॉयल एनफील्ड ने बिक्री के नए कीर्तिमान स्थापित कर दिए हैं। रॉयल एनफील्ड की कुल बिक्री 31 फीसदी की उछाल के साथ 88,045 यूनिट तक पहुंच गई, जो पिछले साल इसी महीने 67,265 यूनिट थी। यह इजाफा सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं, बल्कि यह बताता है कि रॉयल एनफील्ड भारतीय सड़कों से लेकर राइडर्स के दिलों तक अपनी पकड़ लगातार मजबूत कर रही है।

घरेलू बाजार में कंपनी ने 76,254 यूनिट्स बेचीं, जो बीते साल जुलाई की तुलना में 25 फीसदी ज्यादा हैं। बुलेट, क्लासिक और हंटर जैसे मॉडल्स की लोकप्रियता आज भी भारत में बनी हुई है। खास बात यह है कि केवल भारत ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी रॉयल एनफील्ड की मांग तेजी से बढ़ी है। जुलाई 2025 में कंपनी का निर्यात 95 प्रतिशत बढ़कर 11,791 यूनिट पहुंच गया, जबकि जुलाई 2024 में यह आंकड़ा 6,057 यूनिट था। इस प्रदर्शन को लेकर कंपनी के सीईओ बी. गोविंदराजन ने कहा कि 'हंटर 350' को देश और विदेश में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कंपनी सिर्फ वाहन नहीं बेचती, बल्कि एक संपूर्ण राइडिंग

कल्चर को बढ़ावा देती है। उनका कहना है कि रॉयल एनफील्ड का फोकस इनोवेशन, वैश्विक विस्तार और राइडर्स के साथ मजबूत जुड़ाव पर है।

संबंधित पक्ष के लेनदेन में अब कारोबार के आधार पर तय होगी सीमा

सेबी के प्रस्ताव से बड़ी कंपनियों को ज्यादा फायदा होने की उम्मीद

नई दिल्ली।

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने संबंधित पक्ष के लेनदेन संबंधी मानदंडों में बदलाव करते हुए मैटेरियलिटी सीमा को सूचीबद्ध कंपनी के कारोबार से जोड़ने का प्रस्ताव दिया है। बाजार नियामक के इस प्रस्ताव से बड़ी कंपनियों को ज्यादा फायदा होने की उम्मीद है। सेबी ने कहा कि प्रस्तावित बदलाव किए जाने से शीर्ष 100 सूचीबद्ध कंपनियों के लिए शेयरधारकों की मंजूरी की जरुरत वाले संबंधित पक्ष के लेनदेन की संख्या में करीब 60 फीसदी की कमी आ सकती है। मौजूदा नियमों के तहत लेनदेन एक हजार करोड़ रुपए से अधिक या सूचीबद्ध कंपनी के कुल वार्षिक कारोबार के 10 फीसदी से ज्यादा हो तो उसे मैटेरियल माना जाता है।

बाजार नियामक ने सबके लिए समान दृष्टिकोण को बड़ी सूचीबद्ध कंपनियों के लिए बोझिल बताते हुए कुल कारोबार बढ़ने पर लेनदेन की सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। सूचीबद्ध कंपनियों को मैटेरियल संबंधित पक्ष के लेनदेन करने के लिए शेयरधारकों और ऑडिट समिति से मंजूरी लेनी होती है। नए मानदंडों में अगर वार्षिक कुल कारोबार 20 हजार करोड़ तक है तो संबंधित पक्ष के लेनदेन की सीमा 10 फीसदी होगी। अगर कारोबार 20,001 करोड़ रुपए से 40,000 करोड़ के बीच है तो यह सीमा तभी लागू होगी जब लेनदेन 2,000 करोड़ रुपए का हो और सूचीबद्ध कंपनी के वार्षिक कुल कारोबार का पांच फीसदी हो।

अगर कुल कारोबार 40,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का है तो उसके लिए यह सीमा 3,000 करोड़ रुपए के साथ कुल कारोबार का 2.5 फीसदी या 5,000 करोड़ रुपए होगी। सेबी ने कहा है कि 5,000 करोड़ रुपए की सीमा अल्पांश शेयरधारकों के हितों की रक्षा के लिए है। संबंधित पक्ष के लेनदेन संबंधी मानदंड वित्तीय स्थिति को देखते हुए पारदर्शिता और जवाबदेही तय करने में अहम भूमिका निभाते हैं। प्रॉक्सी एडवाइजरी फर्म इनगवर्न रिसर्च के श्रीराम सुब्रमण्यन ने कहा कि यह छूट तभी व्यावहारिक होगी जब

संबंधित पक्ष के लेनदेन संबंधी खुलासे ऑडिट समितियों और शेयरधारकों के समक्ष किए जाएं।

अब टेस्ला ने किया दिल्ली का रुख, 11 अगस्त को करेगी दूसरा शोरुम लॉन्च

कंपनी ने भारत में अपना लोकप्रिय इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल वॉय किया पेश

नई दिल्ली।

एलन मस्क की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला की अब भारत पर नजर है। कंपनी ने मुंबई में अपना पहला शोरूम खोलने के बाद अब दिल्ली का रुख किया है। रिपोर्ट के मुताबिक टेस्ला 11 अगस्त को दिल्ली के एरोसिटी में अपना दूसरा शोरूम लॉन्च कर रही है। यह इलाका दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास स्थित है और हाई-एंड कमर्शियल हब के रूप में जाना जाता है।

दिल्ली में शोरूम खोलने का फैसला ऐसे समय लिया है जब टेस्ला ने हाल ही में भारत में अपना लोकप्रिय इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल वॉय पेश किया है। इसके साथ ही कंपनी ने भारत के लिए एक आधिकारिक वेबसाइट भी लॉन्च की है, जहां शुरुआत में केवल मुंबई, दिल्ली और गुरुग्राम के लोग ही अपनी रुचि दर्ज कर सकते थे। इससे यह साफ़ है कि कंपनी का शुरुआती फोकस मेट्रो शहरों पर है। टेस्ला ने भारत में अपने सफर की शुरुआत मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में स्थित मॉल में अपने पहले शोरूम से की थी। इस शोरूम में टेस्ला के दो वेरिएंट मॉडल वाय रेयर व्हील ड्राइव आरडब्ल्यूडी और लॉन्ग रेंज आरडब्ल्यूडी को प्रदर्शित किया है, जिन्हें कंपनी ने अपने शंघाई स्थित प्लांट से भारत में मंगवाया है। कंपनी ने बताया है कि आरडब्ल्यूडी मॉडल की डिलीवरी तीसरी तिमाही के अंत तक शुरू हो जाएगी, जबकि लॉन्ग-रेंज वर्जन की डिलीवरी चौथी तिमाही में की जाएगी। इससे साफ़ है कि कंपनी भारतीय बाज़ार में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए एक ठोस प्लान के साथ आगे बढ़ रही है।

भारत में टेस्ला ने मॉडल वॉय के दो वर्जन पेश किए एक बेसिक रेयर-व्हील ड्राइव (आरडब्ल्यूडी) और दूसरा लॉन्ग-रेंज आरडब्ल्यूडी। बेसिक आरडब्ल्यूडी वर्जन की एक्स-शोरूम कीमत 59.89 लाख रखी गई है, जबकि लॉन्ग-रेंज वर्जन की कीमत 67.89 लाख है। ऑन-रोड आरडब्ल्यूडी मॉडल की कीमत 61.07 लाख तक पहुंच सकती है और लॉन्ग-रेंज वर्जन की कीमत 69.15 लाख तक जा सकती है। टेस्ला मॉडल वॉय आरडब्ल्यूडी वर्जन में ग्राहक को दो बैटरी विकल्प दिए गए हैं। 60 केडब्ल्यूएच और 75 केडब्ल्यूएच। इसमें एक सिंगल इलेक्ट्रिक मोटर लगी है जो करीब 295 हॉर्सपावर की ताकत देती है।

होंडा की पहली हाई-स्पीड इलेक्ट्रिक बाइक जल्द होगी लांच

नई दिल्ली ।

भारत में जल्द ही होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया अपनी पहली हाई-स्पीड इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च करने जा रही है। यह होंडा की अब तक की सबसे एडवांस और दमदार इलेक्ट्रिक बाइक मानी जा रही है, जिसकी अधिकतम रफ्तार 120 किलोमीटर प्रति घंटा और रेंज लगभग 399 किलोमीटर होगी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह बहुप्रतीक्षित इलेक्ट्रिक बाइक 2 सितंबर 2025 को पेश की जा सकती है। कंपनी का दावा है कि यह बाइक केवल 2 घंटे में फुल चार्ज हो जाएगी और एक बार चार्ज होने पर लगभग 400 किलोमीटर तक चलेगी। इसके लिए इसमें बड़ी क्षमता की बैटरी दी गई है, जो फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। यह आंकड़े इसे भारत की अन्य इलेक्ट्रिक बाइकों से एक कदम आगे रखते हैं। बाइक की मोटर काफी शक्तिशाली होगी, जो महज 2.77 सेकंड में 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने में सक्षम होगी। होंडा की यह इलेक्ट्रिक बाइक तकनीकी रूप से भी बेहद खास होगी। इसमें ब्लूटूथ एप्लिकेशन कनेक्टिविटी, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट, चार ड्राइविंग मोड्स और सेल्फ बैलेंसिंग कंट्रोल सिस्टम जैसे एडवांस फीचर्स मिलेंगे। ये सभी

फीचर्स इसे युवाओं और टेक-सेवी ग्राहकों के लिए आकर्षक विकल्प बना सकते हैं। कीमत को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इसकी अनुमानित कीमत रुपए1.30 लाख से रुपए 1.50 लाख के बीच हो सकती है। इस कीमत पर यह बाइक प्रीमियम इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में बड़ी प्रतिस्पर्धा पेश करेगी।

मुंबई में जल्द शुरु होगा टेस्ला का पहला चार्जिंग स्टेशन

नई दिल्ली।

भारत में अमेरिका की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला अपना पहला चार्जिंग स्टेशन अगले हफ्ते मुंबई में शुरू करने जा रही है। यह स्टेशन टेस्ला की अत्याधुनिक वी4 सुपरचार्जिंग तकनीक से लैस होगा। यह हाई-टेक चार्जिंग स्टेशन मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित मेकर मैक्सिटी परिसर में स्थापित किया गया है, जहां पहले ही कंपनी का एक्सपीरियंस सेंटर मौजूद है। इस चार्जिंग स्टेशन में कुल 8 चार्जिंग यूनिट्स होंगे, जिनमें 4 सुपरचार्जिंग स्टॉल्स और 4 डेस्टिनेशन चार्जर्स शामिल हैं। सुपरचार्जर 250 किलोवॉट की स्पीड से कार को केवल 20 से 30 मिनट में लगभग फुल चार्ज कर सकता है। इसके लिए ग्राहक को रुपए 24 प्रति किलोवॉट की दर से भुगतान करना होगा। वहीं, डेस्टिनेशन चार्जर की क्षमता 11 किलोवॉट होगी और इसके लिए रुपए 14 प्रति किलोवॉट शुल्क लिया जाएगा। अभी यह चार्जिंग स्टेशन सिर्फ टेस्ला कारों के लिए उपलब्ध होगा, यानी अन्य ब्रांड्स की ईवी यहां चार्ज नहीं की जा सकेंगी। यह इसे भारत के मौजूदा चार्जिंग नेटवर्क से अलग बनाता है, जहां टाटा पावर, एथर, स्टाटीक जैसी कंपनियां मल्टी-ब्रांड चार्जिंग विकल्प देती हैं और स्पीड आमतौर पर 3.3 केडब्ल्यू से 60 केडब्ल्यू के बीच होती है।

भारत का म्युचुअल फंड सेक्टर अब 74.4 लाख करोड़ एयूएम पर पहुंचा

निवेश ज्यादातर कॉर्पोरेट बॉन्ड और कॉन्स्टेंट मैच्योरिटी स्ट्रैटेजी में हुआ

नई दिल्ली। भारत का म्युचुअल फंड सेक्टर अब 74.4 लाख करोड़ के एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) तक पहुंच गया है, जिसमें पिछले 10 सालों में सात गुना की ग्रोथ हुई है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में सामने आई है। म्युचुअल फंड इंडस्ट्री में सबसे बड़ा हिस्सा अब भी इक्विटी फंड्स का है, जो कुल एयूएम का 59.94 फीसदी है। डेट फंड्स का हिस्सा 26.53फीसदी है, जबकि हाइब्रिड फंड्स 8.28फीसदी योगदान दे रहे हैं। बाकी अन्य फंड्स 5.26फीसदी हिस्सेदारी रखते हैं। इस तिमाही जून 2025 में डेट फंड्स में 2.39 लाख करोड़ का शुद्ध निवेश हुआ है, जो पिछली तिमाही में हुए आउटफ्लो के उलट है। ये निवेश ज्यादातर कॉर्पोरेट बॉन्ड और कॉन्स्टेंट मैच्योरिटी स्ट्रैटेजी में हुआ है, जो बदलती ब्याज दरों की वजह से संस्थागत निवेशकों को आकर्षित कर रहा है। इस तिमाही में कुल 3.98 लाख करोड़ का निवेश हुआ, जिसमें से इक्विटी फंड्स में करीब 64फीसदी हिस्सा ब्रॉड-बेस्ड फंड्स में गया, जबकि 31फीसदी निवेश आर्बिट्राज फंड्स में आया। रिपोर्ट के मुताबिक पैसिव फंड्स का निवेशकों के बीच क्रेज़ बढ़ रहा है। अब ये कुल एयूएम का 17फीसदी हिस्सा बन चुके हैं। क्यू2 2025 में पैसिव फंड्स में 36,000 करोड़ का निवेश हुआ, जबकि एक्टिव स्ट्रैटेजीज में 3.62 लाख करोड़ का। इक्विटी के अंदर ब्रॉड-बेस्ड पैसिव फंड्स ने 106फीसदी का योगदान यह दर्शाता है कि निवेशक अब बड़े इंडेक्स और ब्लूचिप फंड्स पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।

अब डाकघर में बैंकिंग करने अंगूठा लगाने और ओटीपी की झंझट खत्म

आईपीपीबी ने लेन-देन के लिए शुरु की फेस ऑथेंटिकेशन सेवा

नई दिल्ली। अब डाकघर जाकर बैंकिंग करने न तो अंगूठा लगाने और न ही ओटीपी की झंझट...रहेगी। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) ने देशभर में आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन सेवा की शुरुआत की है, जिससे अब ग्राहक केवल अपने चेहरे से ही खाता खोल सकेंगे, बैलेंस देख पाएंगे, पैसे भेज सकेंगे और बिल का भुगतान भी कर सकेंगे। यह सेवा उन लोगों के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी जो अब तक अंगूठे की पहचान या ओटीपी सिस्टम से जुड़ी तकनीकी दिक्कतों से जूझते रहते थे। बुजुर्गों, दिव्यांगों, और दूरदराज़ के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए यह तकनीक बैंकिंग को आसान बना देगी। फेस ऑथेंटिकेशन सिस्टम को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के मानकों पर विकसित किया गया है। यह पहल डिजिटल इंडिया अभियान को मजबूत करने के साथ-साथ एक ऐसा सिस्टम तैयार करती है जो पूरी तरह संपर्करहित और सुरक्षित है। आईपीपीबी के मुताबिक यह सेवा जल्द ही पूरे देश के 1.6 लाख डाकघरों और 3 लाख से ज्यादा पोस्टल कर्मियों के जरिए ग्राहकों तक पहुंचाई जाएगी। यह कदम आपका बैंक, आपके द्वार मिशन के तहत वित्तीय समावेशन को और गहरा करने की दिशा में एक बड़ा परिवर्तन है। महामारी या किसी भी स्वास्थ्य आपातकाल की स्थिति में जब शारीरिक संपर्क से बचना अनिवार्य हो जाता है, उस समय यह फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक बेहद कारगर सिद्ध होगी। इससे न सिर्फ लेनदेन तेज और आसान होगा, बल्कि बैंकिंग सेवाएं सभी के लिए ज्यादा सुलभ और सुरक्षित बनेंगी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 308 अंक , निफ्टी 73 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही तेल, गैस और फार्मा शेयरों में हुई बिकवाली से आई है हालांकि अंत में बाजार ने रिकवरी भी की जिससे गिरावट पर कुछ हद तक लगाम लगी। अमेरिका के 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा से भी भी बाजार पर दबाव आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 308 अंक गिरकर 80,710.25 पर बंद हुआ वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 73. 20 अंक नीचे आकर 24,649.55 पर बंद हुआ। आज कामकाज के दौरान ऑटो इंडेक्स 0.4 फीसदी बढ़ा जबकि आईटी, बैंक, तेल एवं गैस, एफएमसीजी, फॉर्मा में 0.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इसके अलावा स्मॉलकैप इंडेक्स और बीएसई मिडकैप हल्की गिरावट रही। वहीं एनएसई पर अदानी एंटरप्राइजेज, इंफोसिस, अदानी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक सबसे ज़्यादा गिरे जबकि टाइटन कंपनी, एसबीआई लाइफ, ट्रेंट, मारुति सुजुकी, इंडसइंड बैंक के शेयरों में बढ़त रही।

एशियाई बाजारों की बात करें तो शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्केई 225 अंक ऊपर उठकर बंद हुआ. वहीं यूरोपीय बाजार हरे निशान में कारोबार कर रहे थे जबकि. अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। सोमवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 2,566.51 करोड़ की इक्विटी बेची. वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 4,386.29 करोड़ रुपए मूल्य की इक्विटी की खरीदारी की। वहीं गत दिवस

बाजार बढ़त पर बंद हुआ। था।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। बाजार में ये गिरावट दुनियाभर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत पर अधिक अधिक टैरिफ लगाने की नई धमकी से भी बाजार पर दबाव पड़ा है। सुबह सेंसेक्स गिरावट के बाद ही 80,634.61 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी भी 24,608.95 पर फिसल गया। सुबह के कारोबार के दौरान निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.71 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.38 फीसदी टूटकर कामकाज कर रहा था।

सेक्टोरल फ्रंट पर, निफ्टी में सबसे अधिक 0.55 फीसदी की गिरावट रही। निफ्टी बैंक 0.12 फीसदी और निफ्टी आईटी इंडेक्स 0.25 फीसदी गिरा। जानकारों के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीद को लेकर भारत पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी है, जिससे बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

सीआईएल ने बिजली की मांग को पूरा करने 90 करोड़ टन आपूर्ति का रखा लक्ष्य

कोलकाता। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने और आयात पर निर्भरता कम करने की रणनीति के तहत चालू वित्त वर्ष के लिए 90.02 करोड़ टन का आपूर्ति का लक्ष्य तय किया है। यह पिछले साल की तुलना में 18 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि दर्शाता है। देश की सबसे बड़ी कोयला कंपनी की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में पेश परिदृश्य के मुताबिक कुल कोयला प्रेषण का करीब 74 फीसदी अकेले बिजली क्षेत्र में ही इस्तेमाल होने का अनुमान है। यह देशभर में निर्बाध विद्युत आपूर्ति तय करने में सीआईएल की भूमिका को रेखांकित करता है। मीडिया रिपोर्ट में सीआईएल ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बिजली क्षेत्र से अनुमानित मांग 66.81 करोड़ टन है। कंपनी का लक्ष्य बिजली और गैर-विनियमित उपभोक्ताओं की सभी जरूरतों को पूरा करने के साथ आयातित कोयले का विकल्प भी चुनना है। कंपनी ने कहा कि सीआईएल का वृद्धि खाका सरकार के हर घर में 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने के लक्ष्य के अनुरूप है। इसके लिए 2028-29 तक उत्पादन को एक अरब टन करने की योजना है। कोल इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ने कहा कि कंपनी रणनीतिक विविधीकरण और परिसंपत्तियों के मौद्रीकरण के जरिये अपने कारोबार को भविष्य के लिए सुरक्षित बनाने के प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी देश के ऊर्जा बदलाव लक्ष्यों के साथ तालमेल करने और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने की व्यापक योजना के तहत कोयला गैसीकरण, कोलबेड मीथेन (सीबीएम) निकासी, सौर ऊर्जा उत्पादन और अहम खनिजों की खोज में परियोजनाओं को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रही है।

यूपीआई-आधारित दैनिक लेनदेन की संख्या पहली बार 70.7 करोड़ तक पहुँची

नई दिल्ली।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के ताजा आँकड़ों के मुताबिक, 2 अगस्त 2025 को यूपीआई-आधारित दैनिक लेनदेन की संख्या पहली बार 70.7 करोड़ तक पहुँच गई। यह एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन बीते वर्षों की तुलना में इसकी वृद्धि दर धीमी रही है।

इस उपलब्धि के साथ, यूपीआई के भविष्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं। मोदी सरकार ने प्रतिदिन 100 करोड़ लेनदेन का लक्ष्य रखा है, और सरकार को उम्मीद है कि यह अगले साल तक हासिल हो जाएगा। हालांकि, फिनटेक कंपनियों और भुगतान संघों का मानना है कि इस लक्ष्य तक पहुँचने के लिए मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) को फिर से लागू करना चाहिए।

क्या है एमडीआर?

दरअसल एमडीआर वह शुल्क है जो बैंक डिजिटल भुगतान की प्रक्रिया के लिए व्यापारियों से लेते हैं। यह आमतौर पर लेनदेन मूल्य का 1 से 3 प्रतिशत तक होता है। दिसंबर 2019 में, मोदी सरकार ने रुपये डेबिट कार्ड और भीम-यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर माफ कर दिया था। मोदी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025 में यूपीआई के लिए सब्सिडी घटाकर 1,500 करोड़ कर दी है, लेकिन उसने एमडीआर की मांग को स्वीकार नहीं किया है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने हाल ही में कहा कि यूपीआई को वित्तीय रूप से सस्टेनेबल बनाया जाना चाहिए, क्योंकि कोई न कोई तब इस लागत को

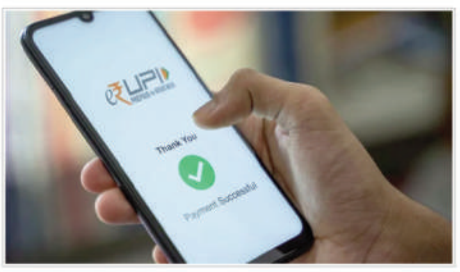

वहन करेगा ही।

यह देखना बाकी है कि क्या एमडीआर को फिर से लागू किया जाएगा या फिर यूपीआई इंफ्रास्ट्रक्चर का खर्च उपयोगकर्ताओं को उठाना पड़ेगा। इस बीच, यूपीआई ने दैनिक लेनदेन की मात्रा में वैश्विक भुगतान दिग्गज वीज़ा को पीछे छोड़ दिया है और अब यह भारत के सभी डिजिटल लेनदेन का करीब 85 प्रतिशत संभालता है।

फैबइंडिया ने पेश किया पारंपरिक कारीगरी से सजा राखी कलेक्शन

इंदौर ।

फैबइंडिया ने रक्षाबंधन 2025 के शुभ अवसर पर अपना नया फेस्टिव कलेक्शन लॉन्च कर दिया है। यह कलेक्शन पारंपरिक भारतीय कारीगरी और आधुनिक डिजाइन सौंदर्य का एक सुंदर संगम है, जो भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को कोमलता और गरिमा के साथ दर्शाता है। इस साल का कलेक्शन मुख्य रूप से गुलाबी रंग-पैलेट पर केंद्रित है, जिसमें हल्के गुलाबी से लेकर गहरा गुलाबी और फ्यूशिया जैसे जीवंत रंग शामिल हैं। कपड़ों को पारंपरिक खड़ी प्रिंटिंग और मेटैलिक एम्ब्रॉयडरी जैसी खास कारीगरी से सजाया गया है, जो उन्हें एक विशेष फेस्टिव लुक और चमक प्रदान करते हैं। यह कलेक्शन कपड़े और होम एंड लाइफस्टाइल दोनों श्रेणियों में उपलब्ध है। यह नया कलेक्शन राखी पर तोहफा देने के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। इसमें कपड़ों के साथ-साथ खास गिफ्टिंग सेट भी शामिल हैं, जो प्यार और अपनापन दर्शाते हैं। फैबइंडिया का यह रक्षाबंधन 2025 कलेक्शन अब कंपनी की वेबसाइट www.fabindia.com पर उपलब्ध है।

तेजप्रताप का दावा: मेरे सामने कभी चुनाव नहीं लड़ेंगे तेजस्वी

वीवीआईपी पार्टी के साथ गठबंधन का ऐलान, बोले- हमारे अलायंस में आरजेडी-कांग्रेस का भी स्वागत

राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद के बड़े बेटे और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव आज बड़ा एलान किया है। उन्होंने विकास वंचित इंसान पार्टी (वीवीआईपी) पार्टी के साथ टीम तेज प्रताप का गठबंधन कर लिया। मंगलवार दोपहर पटना के एक होटल में उन्होंने प्रेस वार्ता की। कहा कि आज कई पार्टियां हमारे साथ जुड़ रहीं हैं। काफी चुनौती है, हम किसी के ऊपर टिप्पणी नहीं करना चाहते हैं। एक जनप्रतिनिधि को धरातल से जुड़कर जनता के सुख दुख में साथ होकर दायित्व निभाना चाहिए वैसे ही हम आगे बढ़ रहे हैं। हमने महुआ से चुनाव लड़ने का बिगुल फूंका है। आगे की लड़ाई हम साथ लड़ेंगे। बहुत दुश्मन लोगों को लगेगा कि हम आगे बढ़ रहे हैं। मुझे विश्वाश है कि हम आगे बढ़ रहे हैं। मैं राजद और कांग्रेस को भी हमारी टीम के साथ जुड़ने का न्यौता देता हूं।तेजप्रताप ने कहा कि आगे बहुत सारी चुनौती है। बहुत सारे लोग मानते हैं यह हमसे टकराएंगे तो चूर-चूर हो जाएंगे। बिहार और देश की जनता जानती है कि मेरे साथ किस तरह से मेरे साथ अनान्य हुआ है। हमने महुआ से चुनाव लड़ने का एलान किया है। महुआ के लिए हमने बहुत काम किया है'। हमलोग आगे बिहार के लिए लड़ाई लड़ेंगे। मेरे दुश्मन बहुत लोग हैं। आपलोगों के चैनल के माध्यम से वो सुनेंगे तब बुरा लगेगा। तेजस्वी मेरा चैनल देख रहे होंगे। उनको आगे बढ़ने का आशीर्वाद देते हैं।वहीं मुकेश सहनी की पार्टी को तेजस्वी यादव ने बहरुपिया पार्टी बताया। कहा कि श्श्द्ध ही ओरिजिनल पार्टी है। निषाद भाइयों में इनकी पकड़ है। यह लोग सही में जनता के हित में सोचने का काम करते हैं। लगातार जनता के बीच जा रहे और उनकी मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वीआईपी (विकासशील इंसान पार्टी) वाला तो बहरूपिया है। बेकर का पार्टी बना कर घूम रहा है। कोई फायदा नहीं होने वाला है। हमलोग सभी लोगों को एक साथ लेकर चलेंगे। उन्होंने कहा था कि टीम तेज प्रताप एक प्लेटफार्म है, जो चुनाव में युवाओं को समर्थन देगी। जो लड़ना चाहेंगे, उन्हें पूरा सपोर्ट मिलेगा। तेजप्रताप ने मुख्यमंत्री पद को लेकर भी बड़ा बयान दिया है। मुझे पूरी उम्मीद है कि चाचा इस बार मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। इस विधानसभा चुनाव में युवा, शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य की बात करेगा, वही सरकार बनाएगा।बता दें कि तेज प्रताप यादव ने जिस पार्टी के साथ गठबंधन किया, उसका पोस्टर और बैनर पहले ही छप चुका है। इसमें स्पष्ट लिख हुआ है कि वीवीआईपी पार्टी एवं टीम तेज प्रताप यादव का गठबंधन सह प्रेस वार्ता। इतना ही नहीं इस पोस्टर में एक ओर तेज प्रताप यादव की बड़ी तस्वीर लगी हुई है। वहीं दूसरी ओर इस पोस्टर में वीवीआईपी पार्टी ने नेताओं की तस्वीर और चुनाव चिन्ह (पानी का जहाज) है। अब यह पोस्टर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है लोग कह रहे हैं कि राजद से निष्कासित होने के बाद अब तेज प्रताप यादव अलग चुनाव चिन्ह के साथ विधानसभा चुनाव में अपनी किस्मत आजमाने उतरेंगे। हाल में ही उन्होंने शाहपुर विधानसभा से राजद की वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी बेटे के खिलाफ उम्मीद को समर्थन देने की घोषणा की थी। इतना ही तेज प्रताप यादव ने शाहपुर में जनसभा को भी संबोधित किया था। शिक्षक भर्ती में डोमिसाइल लागू करने के नीतीश सरकार के फैसले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने तंज कसा है। उन्होंने कहा, सरकार वही कर रही है, जो तेजस्वी कह रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने ये भी दावा किया कि सरकार उनकी माय-बहिन योजना की भी नकल करेगी। तेजस्वी ने पूछा, 'सरकार को विपक्ष की घोषणाओं की कॉपी और नकल कर कैसा लग रहा है?' दरअसल, चुनाव साल में नीतीश कुमार ने सोमवार एक और बड़ी घोषणा की है। नीतीश सरकार ने ऐलान किया है कि शिक्षक भर्ती में डोमिसाइल लागू किया जाएगा। ये व्यवस्था ळफ्ए-4 से ही लागू की जाएगी। इस पर तेजस्वी यादव ने पर लिखा, 'वैचारिक रूप से दिवालिया NDA सरकार बिहार में डोमिसाइल नीति लागू करने की हमारी मांग को एकदम सिरे से खारिज करती थी।' 'सदन में किसी भी सूरत में डोमिसाइल नीति लागू नहीं करने का दंभ भरती थी अब वही लोग हमारी अन्य योजनाओं की भांति इस घोषणा की भी नकल कर रहे हैं।' उन्होंने आगे लिखा, '20 सालों की इस नकलची NDA सरकार की अपनी कोई नीति, दृष्टि और विजन नहीं है। जिस सरकार को 20 सालों में यह नहीं सूझा कि क्या करना है क्या नहीं करना।' 'उसे हमारे इशारों, मांगों और घोषणाओं पर नाचते देख बिहारवासियों को अच्छा लगा रहा है।'

बिहार में चुनाव हार रही भाजपा-प्रशांत किशोर

पटना। जन सुराज अभियान के तहत सीतामढ़ी पहुंचे प्रशांत किशोर ने डुमरा फुटबॉल ग्राउंड में आयोजित जनसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला। प्रशांत किशोर ने सवाल उठाया कि जब महाराष्ट्र में भाजपा की सरकार थी और वहां बिहारी मजदूरों को पीटा जा रहा था, तब अमित शाह चुप क्यों थे। उन्होंने कहा कि शाह को सीतामढ़ी की जनता को इसका जवाब देना चाहिए। पीके ने अमित शाह के हालिया सीतामढ़ी दौरे पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह यहां वोट मांगने तो आ गए, लेकिन बिहारियों पर हुए अत्याचार पर कभी आवाज नहीं उठाई। उन्होंने

जनता से पूछा कि जो नेता आपकी सुरक्षा की चिंता नहीं करता, क्या आप उसे फिर से वोट देंगे। अपने संबोधन में पीके ने भाजपा और चुनाव आयोग के संबंधों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि "SIR" (स्मार्ट इंडिया रजिस्ट्रेशन) योजना के बहाने भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर गरीबों, वंचितों और मुस्लिम मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाना चाहते हैं। पीके ने दावा किया कि जनता अब जाग चुकी है और भाजपा इस बार बिहार में चुनाव हारने जा रही है। डोमिसाइल नीति और वृद्धा पेंशन में बढ़ोतरी को लेकर उन्होंने कहा कि ये सारे काम जन सुराज के दबाव में हो रहे हैं। प्रशांत किशोर ने वादा किया कि जन सुराज की सरकार बनने पर 60 वर्ष से ऊपर के हर व्यक्ति को 2000 रुपये मासिक पेंशन मिलेगी। साथ ही बच्चों को प्राइवेट स्कूल में मुफ्त शिक्षा दी जाएगी, जब तक सरकारी स्कूलों में सुधार नहीं हो जाता।

बिहार के स्कूलों में भरा पानी, किताबें डूब गई

मुंगेर। बिहार में मानसून एक्टिव है। बारिश से गंगा का जलस्तर हर दिन बढ़ता जा रहा है। प्रति घंटे इसमें बढ़ोतरी हो रही है। इसके कारण निचले इलाकों में बाढ़ का पानी घुस रहा है। मुंगेर और बक्सर जिले से भयावह तस्वीरें सामने आ रही है। मुंगेर के 6 प्रखंड में 20 गांव प्रभावित हैं। 200 से अधिक घरों में पानी घुस गया है। करीब 1200 लोग बढ़ते जलस्तर से परेशान हैं। वहीं, बक्सर के 7 प्रखंड में 30 गांव प्रभावित हुए है। 500 से अधिक घरों में पानी घुस गया है। करीबन 2 हजार लोग बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। मुंगेर में 4 अगस्त की शाम 6 बजे तक गंगा का जलस्तर बढ़कर 38.79 मीटर है। ये वॉर्निंग लेवल 38.33 से 0.46 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। जबकि अभी डेंजर लेवल 39.33 से महज 0.54 सेमी नीचे बह रही है। गंगा के बढ़ते जलस्तर से मुंगेर जिले के दियारा और निचले इलाकों में जनजीवन प्रभावित हुआ है। संभावना जताई जा रही है कि जिस तरह से अभी गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी हो रही है, अगर यही रफ्तार रहा तो मंगलवार (5 अगस्त) की देर रात तक मुंगेर में

गंगा खतरे के निशान को पार कर सकती है। गांवों का शहर से संपर्क कट गया है। बाढ़ से प्रभावित ग्रामीण अब नाव के सहारे शहर पहुंच रहे हैं। सबसे बड़ी मार स्कूली बच्चों की पढ़ाई पर पड़ी है। नदियों के चढ़ते पानी ने 10 से अधिक स्कूलों को बंद करवा दिया है।सदर प्रखंड क्षेत्र के बिंदा दियारा, काला रामपुर और एकाशी टोला जैसे इलाकों में ग्रामीण अब अपनी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए नाव पर निर्भर हो गए हैं। दियारा क्षेत्र में बसे गांवों में लोगों को अब हर दिन 30 से 40 रुपए खर्च कर नाव से अस्पताल, स्कूल, बाजार और सरकारी दफ्तर तक आना-जाना पड़ रहा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि मुंगेर के इलाकों में प्रशासन की ओर से कोई नाव उपलब्ध नहीं कराई गई है।

बिंदा दियारा की मधु देवी बताती हैं, 'हमलोग 40 रुपए देकर नाव से प्रखंड कार्यालय आते हैं। हर दिन आना-जाना संभव नहीं है। लेकिन घर में बीमार हैं, तो इलाज के लिए आना ही पड़ता है। प्रशासन अगर सरकारी नाव की व्यवस्था करा दे, तो हम गरीबों को राहत मिल सकती है।' गंगा के बढ़ते पानी ने शिक्षा व्यवस्था को भी झकझोर कर रख दिया है। सदर प्रखंड के तारापुर दियारा पंचायत के प्राथमिक स्कूल नाथ टोला में करीब 4 फीट तक पानी भर चुका है। स्कूल में पहली से पांचवीं कक्षा तक के करीब 120 बच्चों की पढ़ाई पिछले 5 दिनों से ठप है। पानी के कारण शिक्षक भी स्कूल नहीं पहुंच पा रहे हैं।DPO आनंद वर्मा ने बताया, 'मुंगेर सदर क्षेत्र में अब तक 10 स्कूल बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए स्कूलों को बंद किया गया है। जैसे ही जलस्तर घटेगा, स्कूल दोबारा खोले जाएंगे।'स्कूल बंद होने से न सिर्फ पढ़ाई बाधित हुई है, बल्कि बच्चों के मनोबल पर भी असर पड़ा है। नाथ टोला की रहने वाली रानी देवी बताती हैं, 'मेरे दो बच्चे, अभिषेक और शिवानी रोज स्कूल जाते थे। लेकिन पिछले 5 दिन से स्कूल बंद है। घर में भी बच्चे पढ़ाई नहीं कर रहे हैं। हमलोग भी डरते हैं कि पानी में बहाव है, बच्चे बाहर न निकलें।' स्थानीय ग्रामीण किशोर यादव बताते हैं, हर साल यही होता है। ग्रामीण सड़कों की ऊंचाई कम है। प्रशासन कभी इस पर ध्यान नहीं देता। डेढ़ महीना तक यही हाल रहेगा। बाढ़ का पानी लगातार बढ़ रहा है और कई जगहों पर अब पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। ऐसे में एकमात्र सहारा नाव ही बचा है, लेकिन सरकारी नावों की भारी कमी है।सदर अनुमंडल पदाधिकारी कुमार अभिषेक ने दावा किया है कि 'प्रभावित इलाकों में सरकारी नावों की व्यवस्था की गई है।

दुकानदार को गोली मारकर बदमाश फरार

मधेपुरा। के गम्हरिया थाना क्षेत्र के धुनहा गांव में सोमवार की शाम एक युवक को बाइक सवार बदमाशों ने गोली मार दी। घायल युवक की पहचान धुनहा निवासी जयप्रकाश कुमार (19) के रूप में हुई है। जयप्रकाश बभनी बाजार में हार्डवेयर की दुकान चलाता हैसोमवार शाम दुकान बंद कर घर लौटते समय मानपुर पंचायत के धुनहा गांव के पास बदमाशों ने उसे घेर लिया। विरोध करने पर बदमाशों ने गोली चला दी। गोली जयप्रकाश के जबड़े के पास लगी और कंधे के बगल से निकल गई। घायल युवक को तत्काल जेएनकेटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खतरे से बाहर है युवक अस्पताल के अनुसार वह अब खतरे से बाहर है। घटना की सूचना मिलते ही गम्हरिया थानाध्यक्ष अकमल हुसैन अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायल से पूछताछ की और बताया कि मामले की जांच की जा रही है। बदमाशों की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।अपराधियों के बीच खौफ खत्म गम्हरिया प्रखंड प्रमुख शशि यादव भी अस्पताल पहुंचे और घायल का हालचाल लिया। उन्होंने चिकित्सकों से बेहतर इलाज सुनिश्चित करने की अपील की। प्रखंड प्रमुख ने क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि गम्हरिया थाना क्षेत्र में अपराधियों के बीच पुलिस का खौफ खत्म हो गया है। दिनदहाड़े लूट और गोलीबारी की घटनाएं आम हो गई हैं। शशि यादव ने एसपी से गम्हरिया थाना क्षेत्र में बढ़ते अपराध पर अंकुश लगाने के लिए सघन अभियान चलाने की मांग की। उन्होंने दोषियों को जल्द गिरफ्तार करने की भी मांग की ताकि आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा लौट सके।

मुख्यमंत्री ने किया सालेपुर-राजगीर फोरलेन हाईवे का शिलान्यास

नालंदा। जिले के राजगीर में मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सालेपुर-राजगीर फोरलेन हाईवे निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इसके साथ ही उन्होंने राजगीर रोड पर नवनिर्मित आरओबी (रेलवे ओवरब्रिज) का भी उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि करीब 862.63 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह फोरलेन हाईवे, पटना से राजगीर की दूरी को लगभग 20 किलोमीटर तक घटा देगा। इससे न केवल आम लोगों को बेहतर सड़क सुविधा मिलेगी, बल्कि राजगीर में बन रहे अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर, हवाई अड्डा, नालंदा विश्वविद्यालय और प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंचना और भी

आसान हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नया हाईवे राजगीर को बिहटा, सरमेरा, बिहारशरीफ, गया और डुमरांव जैसे क्षेत्रों से सीधे जोड़ेगा, जिससे औद्योगिक विकास के नए द्वार खुलेंगे और पर्यटन को भी गति मिलेगी। यह मार्ग बौद्ध सर्किट का भी अहम हिस्सा होगा।मुख्यमंत्री ने ग्राम हसनपुर में 81.37 करोड़ रुपये की लागत से बने नए ओवरब्रिज (आरओबी) का उद्घाटन भी किया। यह पुल राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से महज 8 किलोमीटर की दूरी पर है। पहले यहां रेलवे क्रॉसिंग पर बार-बार ट्रैफिक जाम लगता था, जिससे स्थानीय लोगों को काफी परेशानी होती थी। अब ओवरब्रिज बनने से जाम की समस्या से मुक्ति मिलेगी और आवागमन सुगम होगा। मुख्यमंत्री ने राजगीर खेल परिसर में आयोजित होने वाली एशिया रग्बी अंडर-20 चैंपियनशिप की तैयारियों का भी जायजा लिया और वहां अभ्यास कर रहे खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने आयोजन को बिहार के खेल क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक अवसर बताया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने राजगीर स्थित भूटानी मंदिर में पूजा-अर्चना भी की और राज्य की सुख-शांति व समृद्धि की कामना की। इस मौके पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, स्थानीय विधायकगण, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, खेल विभाग के अधिकारी, जिलाधिकारी कुंदन कुमार, एसपी भारत सोनी सहित कई वरीय अधिकारी और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

बिहार के सुपौल जिला से आई रोगी रिहाना परवीन का रेटिना का जांच करते डॉक्टर आकाशदीप

संवाददाता

किशनगंज। रोजी रिहाना प्रवीण ने कहा मैं दिल्ली के Max अस्पताल और एस्कॉर्ट जैसे अस्पतालों में भी इलाज करवाया है लेकिन जब मैं अपने रेटिना की जांच करवाने सुपौल जिला से किशनगंज आई हमें खुशी है के किशनगंज जिला में डॉक्टर आकाशदीप जैसे रेटीना स्पेशलिस्ट है मैं इनसे प्रभावित हूं यह अच्छे डॉक्टर हैं और रोगियों को काफी समय देकर जांच करते हैं

डोमिसाइल नीति का हम समर्थन करते हैं राजेश भट्ट

संवाददाता

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास ने बिहार में एनडीए सरकार द्वारा डोमिसाइल नीति का स्वागत किया है श्री चिराग ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा है कि बिहार में माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी की अगुवाई वाली NDA सरकार ने बिहार में डोमिसाइल नीति लागू करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। मैं और मेरी पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) इस फैसले का स्वागत और समर्थन करती है। इससे राज्य की सरकारी नौकरियों में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता मिलेगी। यह निर्णय बिहार में स्थानीय बेरोजगार युवाओं को सरकारी नौकरियों में जोड़ने की दिशा में सरकार की बड़ी पहल है। मेरी भी एक लंबे समय से राज्य में डोमिसाइल नीति लागू करने की व्यापक मांग रही थी, जिसे सरकार ने अब शिक्षा क्षेत्र में लागू करना शुरू किया है।

ट्रेन से कटकर 2 युवकों की मौत

भोजपुर। में सिकरिया हॉल्ट के समीप अप लाइन पर ट्रेन की चपेट में आने से दो मजदूरों की मौत हो गई। एक की मौत घटनास्थल पर जबकि दूसरे की अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में हो गई। दोनों झारखंड के रहने वाले थे। मृतकों की पहचान लातेहार जिला के सुरली निवासी पंकज कुमार और नेसारूल अंसारी(18) के तौर पर हुई है। घटना दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड की है। मृतकों के दोस्त नौशाद ने बताया कि सभी लोग रघुनाथपुर स्थित जे.के सीमेंट फैक्ट्री में काम करते थे। काम खत्म करने के बाद दोनों बाजार करने गए थे। वापस लौटते समय सिकरिया हॉल्ट के पास रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे। इस दौरान ट्रेन की चपेट में आने से जान चली गई। आरा रेल पुलिस से हादसे की जानकारी मिली। जिसके बाद परिजन अस्पताल पहुंचे।वहीं, नेसारुल अंसारी के चाचा हफीज ने बताया कि दोनों पांच दिन पहले लातेहार से काम करने यहां आए थे। दोस्तों ने बताया कि बाजार से लौटते समय हादसे के शिकार हो गए। लेकिन मुझे लगता है कि किसी ने लाकर जबरन ट्रैक पर लिटा दिया है।पंकज 5 भाई-बहन में दूसरे नंबर था। जबकि नेसारुल तीन भाई और दो बहन में पांचवें नंबर पर था। पोस्टमार्टम के बाद रेल पुलिस ने अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को शव सौंप दिया है। मौत की खबर सुनते ही घर में कोहराम मच गया। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है।

बगहा रेलवे स्टेशन के कुएं से मिली सड़ी-गली लाश

बगहा। रेलवे स्टेशन परिसर से सोमवार देर रात एक अज्ञात व्यक्ति (उम्र लगभग 30 वर्ष) का शव बरामद किया गया। शव रेलवे जनरेटर रूम के पास स्थित पुराने कुएं से निकाला गया, जो स्टेशन के प्लेटफॉर्म के ठीक नीचे और जीआरपी पोस्ट से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित है। जब सोमवार शाम जनरेटर ऑपरेटर जनरेटर चालू करने पहुंचा, तो उसे कुएं से तेज दुर्गंध आई। पास जाकर देखने पर कुएं में शव नजर आया, जिसकी सूचना तत्काल आरपीएफ और जीआरपी को दी गई। दोनों बलों की संयुक्त कार्रवाई में शव को रात में कुएं से बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बगहा भेजा गया। हत्या की आशंका बगहा आरपीएफ प्रभारी इंद्रजीत सिंह ने बताया कि शव काफी हद तक सड़ चुका था, जिससे पहचान कर पाना मुश्किल हो गया है। प्रारंभिक जांच के अनुसार शव दो दिन पुराना है।कुएं में पानी बहुत कम था, जिससे डूबकर मौत की संभावना लगभग नकार दी जा रही है। आशंका है कि युवक की हत्या कर शव को छुपाने के उद्देश्य से कुएं में फेंका गया हो। पुलिस हत्या की थ्योरी को प्राथमिकता दे रही है। गश्ती में लापरवाहीशव मिलने की जगह जीआरपी पोस्ट से मात्र 100 मीटर की दूरी पर है, और प्लेटफॉर्म के ठीक नीचे स्थित है। इसके बावजूद दो दिनों तक शव का नजर में न आना रेलवे पुलिस की गश्ती और निगरानी प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।स्थानीय लोगों ने बताया कि स्टेशन पर अक्सर शराबी और संदिग्ध लोग घूमते हैं, लेकिन रेलवे प्रशासन ने कभी सुरक्षा को गंभीरता से नहीं लिया।

खुला पड़ा था कुएं का जालजिस कुएं से शव मिला है, वह वर्षों पहले रेलवे के पानी सप्लाई सिस्टम का हिस्सा था। कुएं में एक ट्यूबवेल भी लगाया गया था। सुरक्षा के लिहाज से इसे लोहे के जाल से ढका गया था, लेकिन वह जाल लंबे समय से एक तरफ से टूटा हुआ और खुला पड़ा था।अब सवाल उठता है कि अगर सुरक्षा ढांचा टूटा हुआ था, तो उसकी मरम्मत क्यों नहीं कराई गई? क्या रेलवे प्रशासन की यह लापरवाही किसी बड़े अपराध को अंजाम देने में सहयोगी साबित हुई? मिसिंग रिपोर्ट खंगाल रही पुलिस शव की पहचान के लिए रेलवे पुलिस आसपास के थानों में दर्ज मिसिंग रिपोर्ट खंगाल रही है। वहीं, शव की शिनाख्त के लिए पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट की भी प्रतीक्षा की जा रही है। बगहा स्टेशन एक व्यस्त और संवेदनशील स्टेशन है। ऐसे में स्टेशन परिसर में शव का दो दिन तक पड़े रहना न केवल सुरक्षा की पोल खोलता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि रेलवे की ओर से न तो समय-समय पर परिसर की जांच होती है और न ही संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी।

नहीं आया इंटरव्यू के लिए कॉल, आपने की होंगी ये 5 गलतियां

शायद आप कुछ समय से जॉब तलाश रहे हों और आपने अलग-अलग कंपनियों, अलग-अलग पदों पर आवेदन दिया हो। हर दिन आप यह काम करते हो लेकिन आपके पास अभी तक कोई रिस्पॉन्स नहीं आया हो, ना कोई कॉल, ना ई-मेल। आपके हताश होने से पहले, यहां कुछ जरूरी बातें दी जा रही है जो कि आप आवदेनों को भेजने के पहले एक बार फरि चेक कर लें।

हर आवेदन में एक ही सीवी और कवर लेटर तो नहीं यूज किया

हर जॉब अलग है और उस जॉब की जरूरत के हिसाब से सीवी में बदलाव की जरूरत होती है। आपको अपना सीवी कस्टमाइज करने के लिए समय निकालना चाहि और यह सोचना चाहिए कि ऐसा क्या बदलाव किया जाए कि आपको इंटरव्यू के लिए एचआर से कॉल आ जाए। अगर आपका सीवी हर जॉब के हिसाब से पर्सनलाइज्ड नहीं हुआ तो यह इग्नोर हो सकता है। एम्प्लॉयर्स यह बात नोटिस करते है कि आपके सीवी और कवर लेटर में एक ही बातें तो नहीं है। भीड़ से अलग दिखने के लिए आपको यह साबित करना होगा कि आप एक अच्छे एम्प्लॉई बन सकते हैं। ऐसी चीजें शामिल करें जिससे कंपनी ज्यादा आकर्षित हो।

आवेदन गलत जगह तो भेज नहीं दिया

जिस व्यक्ति को आवदेन भेजना है उसके नाम में कई आवेदक गलती से या मूर्खतावश गलती कर देते हैं। वशिष रूप से जब आप अलग-अलग जगहों पर अप्लाई कर रहे हैं तो एड्रेसी और कंपनी का नाम अपडेट करना आसानी से भूल सकते हैं। इतना ही नहीं नाम की स्पेलिंग में गलती भी भारी पड़ सकती है।

आप न्यूनतम योग्यता पर खरे नहीं उतरे हैं

आपको इंटरव्यू कॉल नहीं आएगा अगर आप अंडरक्वॉलिफाइड हैं। अगर आपके पास आवश्यकतानुसार अनुभव, शैक्षणिक योग्यता नहीं है या आपने उसी माहौल या इंडस्ट्री में काम नहीं किया है तो आपका सीवी बाहर कर दिया जाएगा।

याद रखें, आपको यह पता होना चाहिए कि आप योग्य है लेकिन आप रिक्रूटर के लिए केवल एक कागज का टुकड़ा हैं। वे आपके बारे में उतना ही जानते हैं जो आपका पिछला अनुभव कहता है। उन्हें कई सारे सीवी देखने होते हैं और वे कभी भी अपना समय ऐसे में व्यर्थ नहीं करेंगे या आपके बारे में ज्यादा जानने की कोशिश नहीं करेंगे।

क्या आप न्यूनतम योग्यता को पार कर गए हैं

अगर आप ओवरक्वॉलिफाइड हैं तो भी आपके पास कॉल नहीं आएगा। कोई भी कंपनी ऐसे व्यक्ति को हायर नहीं करेगी। ऐसे में आपका सीवी भी रिजेक्ट हो जाएगा और वे सीवी के ढेर में नए आवेदन पर नजर घुमाएंगे।

कॉन्टेक्ट डिटेल्स अपडेट किया

भेजने से पहले आपको सीवी आपको बार-बार चेक करना चाहिए। यह सुनिश्चित कर लें कि आपने आपका वर्तमान ई-मेल एड्रेस, मोबाइल नंबर और लैंडलाइन नंबर डॉक्यूमेंट्स में अपडेट कर लिया है। अगर आपने आपका पुराना सोशल मीडिया अकाउंट्स डिलीट कर दिया है तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपने उसे सीवी से भी हटा दिया है। अगर आपने सोशल मीडिया अकाउंट्स में प्राइवेसी सेंटिंग कर रखी है तो एचआर को इसके जरिए संपर्क करने का मत कहिए।

भारत में मैनेजमेंट में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के बीच एमबीए इन मार्केटिंग हमेशा से एक लोकप्रिय स्पेशलाइजेशन रहा है। मगर अब डिजिटल युग के आने से मार्केटिंग के क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव आया है और अब इसमें डिजिटल मार्केटिंग भी शामिल हो गई है।

अब डिजिटल मार्केटिंग में पा सकते हैं एमबीए डिग्री

पढ़ाई के क्षेत्र के रूप में डिजिटल मार्केटिंग का इतना व्यापक प्रभाव पड़ा है कि अब मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग को एक ही माना जाने लगा है। यूं तो दोनों ही क्षेत्रों में मूल काम उत्पादों व सेवाओं का प्रमोशन तथा सेल्स है मगर डिजिटल मार्केटिंग में अपनाई जाने वाली रणनीतियां परंपरागत मार्केटिंग से बहुत अलग और कहीं अधिक प्रभावी होती हैं। डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र की बढ़ती लोकप्रियता और इसके लगातार विस्तार को देखते हुए मैनेजमेंट गुरुओं ने एमबीए कोर्स के लिए डिजिटल मार्केटिंग में स्पेशलाइजेशन की अलग ब्रांच की जरूरत महसूस की। आज डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए का विकल्प तो उपलब्ध है मगर कई विद्यार्थियों में इस बात को लेकर भ्रम की स्थिति है कि मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग में क्या अंतर है और वे इन दोनों में से किस स्पेशलाइजेशन का चयन करें। तो चलिए, डिजिटल मार्केटिंग के बारे में थोड़ा और विस्तार से जानते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग से कैसे अलग

जहां 'मार्केटिंग'' में सभी प्रकार की मार्केटिंग आती है, वहीं 'डिजिटल मार्केटिंग'' में केवल डिजिटल माध्यमों द्वारा की गई मार्केटिंग शामिल है। इनमें वेबसाइट, सोशल नेटवर्क, बैनर ऐड, गूगल ऐड, सर्च रिजल्ट, यूट्यूब वीडियो आदि आते हैं। परंपरागत मार्केटिंग में विज्ञापनदाता से उपभोक्ता की ओर सूचना का एकतरफा प्रवाह होता है। वहीं डिजिटल माकेटिंग में दोतरफा संवाद संभव है। परंपरागत मार्केटिंग में जहां विज्ञापन की लागत बहुत अधक आती है, वहीं डिजिटल मार्केटिंग में यह कम रहती है। परंपरागत मार्केटिंग कैंपेन काफी पहले से प्लान किए जाते हैं मगर डिजिटल कैंपेन तात्कालिक भी हो सकते हैं।

एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग

कई युवाओं का तर्क होता है कि केवल डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए कर अपनी पढ़ाई का स्कोप सीमित करने के बजाय मार्केटिंग में एमबीए करना बेहतर है। यह बात अपनी जगह सही हो सकती है मगर आप जरा डिजिटल मार्केटिंग को भविष्य के नजरिये से भी देखें। पिछले एक दशक में सारे बिजनेस घरानों ने अपना ध्यान मार्केटिंग के परंपरागत माध्यमों से हटाकर डिजिटल माध्यमों पर केंद्रित कर दिया है। डिजिटल मार्केटिंग की लोकप्रियता के कई कारण हैं, जिनमें प्रमुख हैं कम लागत, तत्काल प्रतिसाद, लचीलापन, सुविधा और प्रभावशीलता। कई जानकार तो यह भी कहते हैं कि आज के दौर में अगर आपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग नहीं की, तो ग्राहक आपसे दूर ही रहेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि आने वाले समय में सारी मार्केटिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर ही जाएगी। इस प्लेटफॉर्म पर खास तरह की मैनेजमेंट स्किल की जरूरत होती है। इसीलिए एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतर तथा आकर्षक करियर ऑप्शन बन गया है।

क्या है स्कोप

हमारे यहां अब भी यह फील्ड अपने शुरूआती दौर में है और इसके बड़ी तेजी से विस्तार लेने की उम्मीद है। डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए के विद्यार्थियों को तकनीकी बुनियाद तथा डिजिटल लैंग्वेज के कॉन्सेप्ट्स से रूबरू कराया जाता है। इसमें ये विषय भी शामिल होते हैं : वेब एनालिटिक्स, एडवर्टाइजिंग कम्युनिकेशन, बायर बिहेवियर, मार्केटिंग मैनेजमेंट, बी2बी ई-मार्केटिंग, इंटरनेट मार्केटिंग स्ट्रैटेजी आदि। भविष्य में इनमें सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, सर्च इंजिन मार्केटिंग आदि के भी शामिल किए जाने की संभावना है।

पे-पैकेज

काफी नई फील्ड होने के बावजूद डिजिटल मार्केटिंग वेतन के लिहाज से बेहद आकर्षक है। एक नया डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 4 से 5 लाख रुपए का वार्षिक पैकेज पा सकता है। अनुभव के साथ इसमें तीव्रता से वृद्धि होती है। 5 से 7 साल का अनुभवी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 10-12 लाख का वार्षिक पैकेज पा सकता है।

करियर ऑप्शन

डिजिटल मार्केटिंग में डिग्री लेने के बाद करियर के कई ऑप्शन खुले होते हैं। फिलहाल हम इनमें से 3 सबसे बेहतर ऑप्शंस की चर्चा करेंगे।

डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर

इन्हें मार्केटिंग की भाषा में 'बज क्रिएटर'' भी कहा जाता है। ये कस्टमर बिहेवियर डेटा पर काम करते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग की ऐसी रणनीति तैयार करते हैं, जिससे उस उत्पाद या सेवा के प्रति उपभोक्ता की जिज्ञासा जागे। ईमेल मार्केटिंग, ईकॉमर्स, सोशल मीडिया कैंपेन आदि इनके काम का हिस्सा हैं। डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में जॉब के अवसर अकेले इस साल ही 12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। अगर आप डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में करियर बनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप कोडिंग, वेब डिजाइन, एप्लिकेशन डेवलपमेंट, मार्केटिंग इकोनॉमिक्स तथा जनरल मैनेजेरियल एप्टिट्यूड में पारंगत हो जाएं।

इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर

अगर आपमें डेटा कलेक्शन और प्रोसेसिंग का हुनर है, तो आप इस फील्ड में करियर बना सकते हैं। इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर को मुख्य रूप से मार्केट रिसर्च एनालिस्ट के रूप में काम करना होता है। वे कस्टमर बिहेवियर डेटा का अध्ययन कर यह तय करते हैं कि उत्पाद या सेवा की बिक्री की कितना संभावना है। इसमें एमबीए की डिग्री के अलावा मार्केट रिसर्च एंड एनालिसिस में सर्टिफिकेशन आपके काम आएगा।

डिजिटल सेल्स मैनेजर

मार्केटिंग व सेल्स एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। सो कई कंपनियां डिजिटल सेल्स की जिम्मेदारी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोफेशनल को सौंपती हैं। यदि आपको डिजिटल मीडिया व निजता कानूनों, ब्राण्ड मैनेजमेंट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स आदि का ज्ञान है, तो डिजिटल सेल्स मैनेजर के रूप में यह आपको बहुत काम आएगा।

साइंस स्टूडेंट्स के लिए इस क्षेत्र में ढेरों हैं संभावनाएं

विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आए दिन नई-नई शाखाएं जुड़ रही हैं। नैनो टेक्नोलॉजी भी तुलनात्मक रूप से एक नया क्षेत्र है। नैनो टेक्नोलॉजी के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर देश-विदेश में छलांगें लगाकर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को 'साइंस ऑफ मिनिएचर' अर्थात लघुतर का विज्ञान भी कहा जाता है। जब कोई वस्तु या सामग्री नैनो डाइमेंशन (10-9 मीटर = 1 नैनोमीटर) में बदल जाती है, तो उसके भौतिक, रासायनिक, चुंबकीय, प्रकाशीय, यांत्रिक और इलेक्ट्रिक गुणों में बड़ा भारी परिवर्तन आ जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो नैनो टेक्नोलॉजी एक ऐसा विषय क्षेत्र है, जिसमें नए अवसरों की भरमार है। नैनो टेक्नोलॉजी वैज्ञानिकों को व्यावहारिक सीमाओं से परे जाकर आणविक स्तर पर प्रयोग करने की सुविधा प्रदान करती है।

हर क्षेत्र में पैठ

नैनो टेक्नोलॉजी वर्तमान में मानवीय जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में प्रवेश कर चुकी है। यह तकनीक बायोसाइंस, मेडिकल साइंस, पर्यावरण विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, कॉस्मेटिक्स, सिक्योरिटी, फैब्रिक्स और विविध क्षेत्रों में चमत्कार कर रही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नैनो टेक्नोलॉजी प्रत्येक क्षेत्र जैसे मेडिसिन, एयरोस्पेस, इंजीनियरिंग, विभिन्न उद्योगों और तकनीकी क्षेत्रों, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी। कुल मिलाकर ऐसा कोई क्षेत्र नहीं होगा, जो नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नहीं करेगा।

आर एंड डी पर आधारित

आने वाले समय में नैनो टेक्नोलॉजी के फायदों को देखते हुए पूरे विश्व में अकादमिक स्तर पर इसे एक विषय के रूप में अपनाया जा रहा है। नैनो टेक्नोलॉजी के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स हमारे देश में उपलब्ध हैं। एमटेक और एमएससी कोर्स में प्रवेश के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन आदि विषयों से ग्रेजुएशन कर चुके विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। एडमिशन प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाता है।

नैनो टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम का स्वरूप मूलत: रिसर्च एवं डेवलपमेंट (आर एंड डी) पर आधारित होता है। इसके पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को पहले संबंधति विषय के आधारभूत सिद्धांतों से परिचित कराया जाता है। इसके बाद इस तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग के अनुरूप अप्लाइड रूप देकर अन्य विषयों की जानकारी दी जाती है, ताकि पाठ्यक्रम रोचक, वस्तुनिष्ठ व ज्ञान पर आधारित बन सके। इसमें पदार्थ के भौतिक, रासायनिक तथा जैविक गुणों का सूक्ष्मतम अध्ययन कराया जाता है। पाठ्यक्रम की विषयवस्तु में क्वांटम थ्योरी, लिथोग्राफी, कार्बनिक और अकार्बनिक नैनो मटेरियल, स्पेक्ट्रोग्राफी, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी, एक्स-रे डिफ्रैक्शन, रमन प्रभाव, नैनो बायोसाइंस, जीन स्ट्रक्चर आदि शामिल हैं।

करियर के कई विकल्प

नैनो टेक्नोलॉजी का अध्ययन करने वालों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अच्छे विकल्प उपलब्ध हैं। यह तकनीक रक्षा, सैन्य सामग्री निर्माण, फॉरेंसिक साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में रोजगार के अच्छे अवसर प्रदान करती है। नैनो टेक्नोलॉजी पर्यावरण, कृषि, टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार प्रदान करती है। इस तकनीक का प्रयोग कैंसर के इलाज में भी किया जा रहा है। इसलिए स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में यह तकनीक अच्छी करियर की संभावनाएं रखती है। नैनो टेक्नोलॉजी के अध्यापन के क्षेत्र में भी करियर बनाया जा सकता है।

खुल रहे हैं नए द्वार

नैनो टेक्नोलॉजी के द्वारा विभिन्न तत्वों की बॉण्ड संरचना में परिवर्तन करने पर या उनका आपस में संयोग करने पर एकदम नए तत्व का निर्माण भी किया जा सकता है। इस विषय में अभी बहुत-से नए आयाम खोजे जाने बाकी हैं तथा इसके प्रयोग से भौतिकी के लगभग सभी सिद्धांतों को यथार्थ रूप दे पाना संभव हो सकता है। इसलिए यह विषय शोधर्थियों के लिए कार्यक्षेत्रों के नए द्वार खोलता है। इस टेक्नोलॉजी को और भी उन्नात बनाने तथा भविष्य में इस क्षेत्र में नई संभावनाओं की तलाश करने के लिए भारत सरकार भी पहल कर रही है। अमेरिका का नेशनल साइंस फाउंडेशन 'नेशनल नैनो टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव' नामक योजना चला रहा है। इसके साथ ही विश्व के तमाम उन्नत देश भी इस पर अलग-अलग नामों से योजनाएं चला रहे हैं। अनेक देश इस विषय में शोध के लिए प्रतिवर्ष अरबों रुपए खर्च कर रहे हैं। स्पष्ट है कि इसके चलते इस क्षेत्र में जॉब्स के भरपूर अवसर निर्मित होने जा रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को आज जिन प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वे हैं शिक्षित, प्रशिक्षित तथा कुशल कर्मचारियों की कमी। नैनो टेक्नोलॉजी विभिन्न प्रमुख नवाचारों के विकास में संलग्न है और इस क्षेत्र में नित नए प्रयोग हो रहे हैं, जिससे कुशल मानवशक्ति को रोजगार के उजले अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- आईआईटी, गुवाहाटी
- आईआईटी, कानपुर
- जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलुरू
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू
- नेशनल केमिकल लैबोरेट्री, पुणे
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025: 7187 रन, 21 शतक और 28 अर्धशतक, सीरीज में बने कई बड़े रिकॉर्ड्स

लंदन (एजेंसी)। भारत ने पांचवे और अंतिम टेस्ट में इंग्लैंड को 6 रन से हरा दिया। 374 रनो के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड 367 रनो पर आउट हो गई। जिससे पांच मैचो की सीरीज 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुई।

भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज में कुल 7187 रन बने। जो टेस्ट इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा रन योग है। इस रिकॉर्ड में सबसे बड़ा रन योग 1993 की एशेज सीरीज के दौरान बनाए गए 7221 रनो का है।

इस सीरीज में 21 शतक लगे जो किसी भी टेस्ट सीरीज में संयुक्त रूप से सबसे ज़्यादा शतक है। शतक बनाने वाले बल्लेबाजो में शुभमन गिल, जो रूट, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, ऋषभ पंत, हैरी ब्रुक, बेन डकेट, जेमी स्मिथ, बेन स्टोक्स, यशस्वी जायसवाल, ओली पोप और वाशिंगटन सुंदर शामिल थे।

दोनो टीमो ने 14 बार 300 रनो का आंकड़ा पार किया, जिससे किसी भी टेस्ट सीरीज का नया रिकॉर्ड बना। भारत ने इनमें से आठ बार 300 रनो का आंकड़ा पार किया। जो किसी भी टीम द्वारा किसी एक सीरीज में बनाया गया संयुक्त रूप से सबसे बड़ा स्कोर है। जो ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दोनो के रिकॉर्ड की बराबरी करता है। किसी भी अन्य टीम ने एक सीरीज में छह से ज़्यादा ऐसे स्कोर नही बनाए है।

भारत ने एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज़्यादा व्यक्तिगत 50+ स्कोर का नया रिकॉर्ड बनाया, जिसमें 28 ऐसे स्कोर शामिल है। इंग्लैंड ने 32 के साथ इसे थोड़ा बेहतर किया।

ओवल में भारत की छह रन की जीत टेस्ट इतिहास में उनकी सबसे कम अंतर से जीत भी थी। यह पहली बार था जब भारत ने घर से बाहर किसी सीरीज का पांचवा टेस्ट जीता। इसके साथ इंग्लैंड ने 2018 के बाद से भारत के खिलाफ कोई टेस्ट सीरीज नही जीती है।

मैच मैदान पर जीते जाते है, कागजों पर नही: भारत की ऐतिहासिक जीत पर बोले मोहम्मद कैफ

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट में जीत के लिए शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम की जमकर तारीफ की। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने सीरीज 2-2 से बराबर कर ली, जिसके बाद ट्रॉफी दोनो टीमो के बीच साझा हो गई।

ओवल में भारत के लिए यह एक शानदार जीत थी, क्योंकि चौथे दिन वे मैच में पिछे नजर आ रहे थे। आखिरी दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 35 रनो की ज़रूरत थी और उसके चार विकेट बाकी थे। इसलिए यह कहना गलत नही होगा कि वे मैच जीतने के प्रबल दावेदार थे। हालांकि, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की शानदार गेंदबाजी के कारण मेजबान टीम 374 रनो के लक्ष्य से चूक गई और 367 रनो पर ढेर हो गई।

इस पर कैफ ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'सबसे पहले, मुझे नही लगता कि ज़्यादा लोगो ने इस भारतीय टीम को मौका दिया था। वे विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन के बिना इंग्लैंड गए थे। शुभमन गिल नए कप्तान थे, और इस पर भी सवाल उठे थे। कुछ विशेषज्ञो ने 3-1 या 4-1 से हार की भविष्यवाणी की थी। लेकिन इस भारतीय टीम ने दिखा दिया कि मैच मैदान पर जीते जाते है, कागजो पर नही।' ओवल में जीत से भारत को डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में भारी लाभ हुआ और वह 46.67 पीसीटी के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गया, जो इंग्लैंड से बेहतर है, जो 43.33 पीसीटी के साथ चौथे स्थान पर है।

जस्सी भाई की कमी खली, अगर वह होते तो यह खास होता: पांचवें टेस्ट में जीत पर बोले सिराज

लंदन (एजेंसी)। यह जगजाहिर है कि मोहम्मद सिराज के लिए जसप्रीत बुमराह प्रेरणा स्रोत रहे हैं और हैदराबाद के इस गेंदबाज ने स्वीकार किया कि यहां इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में भारत की जीत के बाद उन्हें अपने गौरवशाली क्षणों में अपने सीनियर साथी तेज गेंदबाज की कमी खल रही थी।

सिराज ने ओवल में पांचवें टेस्ट की दूसरी पारी में पांच विकेट लिए, जिससे भारत ने सोमवार को रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड को छह रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली। सिराज ने मैच में नौ विकेट लेकर न केवल 'मैन ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, बल्कि अपने प्रशंसकों से भी खूब प्रशंसा बटोरी।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में भावुक सिराज ने कहा, 'हर बल्लेबाज, हर गेंदबाज (जिसने टेस्ट खेला), उसे मैं सलाम करता हूं। जिस तरह से हमने वापसी की वह शानदार थी। मुझे जस्सी (बुमराह) भाई की याद आती है क्योंकि अगर वह वहां होते तो यह खास होता। मुझे जस्सी भाई और खुद पर विश्वास है।'

बुमराह ने अपने कार्यभार प्रबंधन के कारण पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे। उन्हें चौथे टेस्ट मैच के बाद टीम से रिलीज कर दिया गया था। रविवार को हैरी ब्रुक का कैच छोड़ने के बाद सिराज आखिरी दिन पूरी तरह से प्रतिबद्ध नज़र आए। सोमवार को सुबह के सत्र में उन्होंने जो भी गेंद फेंकी, उसने इंग्लैंड के बल्लेबाजों को परेशान किया।

उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो, इस समय (जीत के बाद) जो भावनाएं मेरे अंदर हैं, मैं उन्हें शब्दों में बयां नहीं कर सकता, क्योंकि कल (रविवार को) मैंने कैच छोड़ दिया था। जब मैं (चौथे दिन के बाद) सोने जा रहा था, तो मैं बस यही सोच रहा था कि मैंने ऐसा कैसे कर दिया।'

सिराज ने कहा, 'अगर मैंने वह कैच ले लिया होता, तो हमें सोमवार को मैदान पर आकर खेलने की जरूरत नहीं पड़ती। हम आराम कर रहे होते। लेकिन ऊपर वाले ने हमारे लिए कुछ और ही सोच रखा था। वह हमें सोमवार को स्टेडियम तक ले आया और नतीजा सबके सामने है।'

वर्कलोड मैनेजमेंट जैसे शब्द को अपनी डिक्शनरी से हटायें गंभीर : गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर प्रमुख खिलाड़ियों को टीम से बाहर रहना ठीक नहीं है। गावस्कर ने कहा कि पहले भी खिलाड़ियों को आराम दिया जाता था पर तब कम कम महत्वपूर्ण और औपचारिकता मुकाबलों में ऐसा किया जाता था। इससे प्रमुख खिलाड़ियों को आराम भी मिल जाता था और टीम को नुकसान भी नहीं होता था। इसके साथ ही नए खिलाड़ियों को भी अवसर मिल जाता था। साथ ही कहा कि तब वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर महत्वपूर्ण मुकाबलों से स्टार खिलाड़ी दूर नहीं होते थे। इसके साथ ही गावस्कर ने कहा कि कोच गंभीर वर्कलोड मैनेजमेंट जैसे शब्द को अपनी डिक्शनरी से हटा दें।

गावस्कर ने वर्कलोड मैनेजमेंट के विचार को खारिज करते हुए कहा , 'लोग वर्कलोड की बात कर रहे, अगर इसके आगे आप झुक जाते हैं तो आप मैदान में कभी अपना बेस्ट प्लेयर नहीं ला पाएंगे।' गावस्कर ने कहा, 'आप देश के लिए खेल रहे हो, और जब आप अपने देश के लिए खेल रहे हैं तो आपको अपनी मांसपेशियों में दर्द को भूलना होगा। सरहद पर यही होता है।' उन्होंने कहा, क्या आपको लगता है कि जवान कभी ठंडी या गरम हालात की शिकायत करते हैं? वे वहां पर तैनात हैं, देश के लिए अपनी जान देने के लिए तैयार हैं। आपको देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना ही होगा।

ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज का उदाहरण देते हुए गावस्कर ने कहा, छोटे-मोटे दर्द को लेकर चिंता मत करो। ऋषभ ने जो किया, वो क्या दिखाता है? वह फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी करने उतरा। अपनी टीम में आप इसी तरह की भावना देखना चाहते हो। यही अपेक्षा की जाती है। छोटी-मोटी चोट से पीछे मत हटो। 140 करोड़ लोगों में से आपको भारत का प्रतिनिधित्व करने को मिला है, यह एक सम्मान है। आप अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली है और इसलिए आपको इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। वहीं सिराज ने 5 टेस्ट मैचों में लगातार गेंदबाजी की है। गावस्कर ने कहा, मुझे उम्मीद है कि वर्कलोड भारतीय क्रिकेट की डिक्शनरी से बाहर होगा। मैं लंबे समय से यह बात कहता आया हूं। साथ ही कहा कि वर्कलोड मैनेजमेंट को लेकर उनके बयान को जसप्रीत बुमराह से

नहीं जोड़ा जाना चाहिये क्योंकि बुमराह चोट की वजह से बाहर थे, न कि वर्कलोड की वजह से। इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैच की सीरीज में जसप्रीत बुमराह ने सिर्फ 3 ही मुकाबले खेले थे। इनमें से दो में भारत को हार मिली थी और एक मुकाबला ड्रॉ हुआ था। भारतीय टीम ने अंतिम टेस्ट जीतकर पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर की है।

हमारी टीम ने हर चुनौती का पूरी ताकत से मुकाबला किया : ऋषभ

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ पांचवे टेस्ट में भारतीय टीम को मिली जीत से आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत बेहद उत्साहित हैं। इस सीरीज को भारतीय टीम ने 2-2 से बराबर करने में सफलता हासिल की है। ऋषभ को चौथे टेस्ट में चोटिल होने के कारण सीरीज के बीच में ही वापस लौटना पड़ा था। उन्होंने कहा है कि ये टीम एकजुट है और भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए तैयार है। इस दौरे से टीम को काफी कुछ सीखने को मिला है। ऋषभ ने सोशल मीडिया में कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'एक ऐसा दौरा जिसने हमसे बहुत कुछ मांगा और बदले में उससे भी ज्यादा दिया। मुझे गर्व है कि हमारी टीम ने हर चुनौती का पूरी ताकत से मुकाबला किया। इस दौरान टीम ने अपने को हालातों के अनुसार ढाला और लगातार टीम लड़ती रही। देश का प्रतिनिधित्व करना हमारे लिए सबये जरुरी है, इसके लिए हम अपनी पूरी ताकत लगा देते हैं और इसी में हमें गर्व भी है। हमारे शानदार सहायोगी स्टाफ और उन सभी प्रशंसकों का बड़ा धन्यवाद, जिन्होंने पूरे समय हमारा साथ दिया। यह टीम भूखी है, एकजुट है और भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए तैयार है।' इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपनी चोट की एक तस्वीर भी साझा की है। इसमें उनके दाहिने पैर की छोटी उंगली के पास कुछ टेपिंग है और उंगली पर पट्टी बंधी हुई है। इसी उंगली के पास फैक्चर हुआ था और ऋषभ इसके बावजूद बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। इस दौरान उनके साहस की सभी ने प्रशंसा की थी। ऋषभ ने इस दौरे पर चार मैचों की सात पारियों में 2 शतक और 3 अर्धशतक के साथ ही कुल 479 रन बनाए थे।

टिम डेविड पर लगा जुर्माना, वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 में किया आचार संहिता का उल्लंघन

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी टिम डेविड पर 28 जुलाई को सेंट किट्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। डेविड को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया, जो फ्रकिसी अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जतानेफ्र से संबंधित है। इसके अलावा, डेविड के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है, जो 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध था। यह घटना ऑस्ट्रेलियाई पारी के पांचवें ओवर में हुई, जब अल्जारी जोसेफ ने डेविड को लेग साइड में एक गेंद फेंकी, जिसे वाइड नहीं दिया गया।

डेविड ने अपनी बाहें फैलाकर और गेंद को वाइड करार देने का इशारा करके अपनी असहमति जताई और फिर अपनी बाहें फैलाए हुए ही अंपायर की ओर चल पड़े। डेविड ने अपराध स्वीकार कर लिया और एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के रॉन किंग द्वारा प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर जाहिद बसाराथ और लेस्ली रीफर, तीसरे अंपायर डेइटन बटलर और चौथे अंपायर ग्रेगरी ब्रैथवेट ने आरोप लगाए। लेवल 1 के उल्लंघन के लिए न्यूनतम दंड आधिकारिक फटकार, अधिकतम दंड खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत, और एक या दो डिमेरिट अंक हो सकते हैं।

एशिया कप 2025 से पहले फिट हुए सूर्याकुमार यादव, एनसीए ट्रेनिंग में लिया हिस्सा

बेंगलुरु। टी20 इंटरनेशनल कप्तान सूर्यकुमार यादव ने हाल ही में जर्मनी के म्यूनिख शहर में स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी करवाई और अब वह अपनी रिकवरी के दूसरे पड़ाव पर पहुंच गए हैं। उनके रिहैब से लेकर नेट ट्रेनिंग तक का सफर शुरू हो चुका है। बता दें कि, जून 2025 में सूर्या की जर्मनी में सर्जरी हुई जो पूरी तरह से सफल रही।

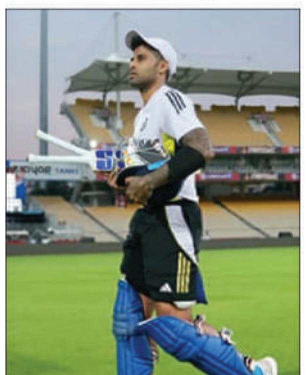

दरअसल, अगस्त 2025 की शुरुआत में बेंगलोर स्थित एनसीए में सूर्यकुमार यादव ने नेट ट्रेनिंग शुरू कर दी। ये उनकी सर्जरी के बाद पहली क्रिकेट प्रैक्टिस थी। ये ट्रेनिंग बहुत हल्की थी और मेडिकल टीम की निगरानी में थी। बीसीसीआई ने ये पुष्टि की कि, सूर्या अपने फिटनेस स्तर को धीरे-धीरे फिर से हासिल कर रहे हैं और वह एशिया कप कप 2025 के लिए पूरी तरह तैयार होने की राह पर चल रहे हैं। बता दें कि, एशिया कप 2025 की शुरुआत 9 सितंबर से होनी है। आईपीएल 2025 में सूर्या बेहतरीन फॉर्म में थे और उन्होंने 717 रन बनाए थे जो साई सुदर्शन के बाद किसी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रन थे। वह सचिन तेंदुलकर के बाद एक ही सीजन में 600 से ज्यादा रन बनाने वाले मुंबई इंडियंस के दूसरे बल्लेबाज भी बने थे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में फखर के बिना ही उतरेगी पाक टीम

फ्लोरिडा (एजेंसी)। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज फखर जमान वेस्टइंडीज के खिलाफ आठ अगस्त से शुरु हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में नहीं खेलेंगे। फखर दूसरे टी20 मैच में हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के बाद से ही टीम से बाहर हैं। इसी कारण वह तीसरे टी20 में भी शामिल नहीं थे। अब फखर लाहौर स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसए) में रिहैब के दौर से गुजरेंगे। इस दौरान पीसीबी का मेडिकल स्टाफ उनका ध्यान रखेगा। पीसीबी ने अभी तब एकदिवसीय सीरीज के लिए उनकी जगह किसी खिलाड़ी को शामिल नहीं किया है।

फखर इस साल दूसरी बार किसी टूर्नामेंट से बाहर हुए हैं। इससे पहले 19 फरवरी को कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ओवर में क्षेत्ररक्षण करते समय भी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण उन्हें आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बचे हुए मैचों से बाहर कर दिया गया था। उन्हें उस समय ये चोट तब लगी जब न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज विल यंग ने शाहीन अफरीदी की एक गेंद को कवर्स की तरफ खेला था। जिससे वह रोकने का प्रयास कर रहे थे। इस कारण उन्हें तीन माह तक खेल से दूर रहना पड़ा था।

एकदिवसीय सीरीज का पहला मैच 8 अगस्त को खेला जाएगा जबकि दूसरा 10 अगस्त और सीरीज आखिरी और तीसरी एकदिवसीय मैच 12 अगस्त को खेला जाएगा ! ये तीनों ही मैच ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी, तारूबा, त्रिनिदाद में खेले जाएंगेद्य।

पाकिस्तान टीम = सैम अयूब, साहिबजादा फरहान, मोहम्मद हारिस (विकेट कीपर), सलमान आगा (कप्तान), हसन नवाज, मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, हसन अली, शाहीन अफरीदी, सूफियान मुकीम, हारिस रऊफ, खुशदिल शाह, अबरार अहमद, हुसैन तलत।

नोवाक जोकोविच ने छोड़ा सिनसिनाटी ओपन, यूएस ओपन पर करना चाहतें हैं फोकस

सिनसिनाटी। 24 ग्रैंड स्लैम खिताब विजेता और दुनिया के छठे नंबर के टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने सिनसिनाटी ओपन से नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने इसकी पुष्टि की है। दरअसल, 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने गैर-चिकित्सीय कारणों का हवाला देते हुए टूर्नामेंट में न खेलने का फैसला किया है। इससे पहले उन्होंने पीठ की तकलीफ के कारण कैनेडियन मास्टर्स से भी अपना नाम वापस ले लिया था। ये लगातार दूसरा मौका है जब जोकोविच एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट से हटे हैं। उनके नाम इस स्तर पर 45-12 का प्रभावशाली जीत-हार रिकॉर्ड दर्ज है। उन्होंने 2023 के फाइनल में कार्लोस अल्काराज को हराकर इस टूर्नामेंट में अपनी सबसे यादगार जीत दर्ज की थी। वह मुकाबला तीन सेटो में खेला गया था। इस सीजन में नोवाक जोकोविच का प्रदर्शन 26 जीत और 9 हार का रहा है। उन्होंने मई 2025 में जिनेवा में अपना 100वां टूर-स्तरीय खिताब जीता था। उस जीत के बाद से वह केवल दो टूर्नामेंट खेले हैं फ्रेंच ओपन और विंबडलन, जहां दोनों बार उन्हें जैनिक सिनर के खिलाफ सेमीफाइनल में हार झेलनी पड़ी। अब उनके सामने यूएस ओपन 2025 है, जो 24 अगस्त से शुरू हो रहा है। वहां उनका लक्ष्य होगा अपना 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतकर महिला और पुरुष सिंगल्स दोनों को मिलाकर सर्वकालिक रिकॉर्ड की बराबरी करना। वह महिला वर्ग की दिग्गज मार्गरेट कोर्ट के रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं।

इंग्लैंड की टीम घबरा गई, आखिरी दिन उनका रवैया गलत था: माइकल वॉन

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के आखिरी दिन इंग्लिश टीम के रवैये की आलोचना की है। सोमवार को 'केनिंग्टन ओवल' में मेजबान टीम को छह रन के करीबी अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। माइकल वॉन ने सुबह के सत्र में इंग्लैंड के जोखिम भरे रवैये की आलोचना की। इंग्लैंड को मुकाबले के अंतिम दिन जीत के लिए महज 35 रन की दरकार थी। इंग्लैंड के पास चार विकेट शेष थे। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा की शानदार गेंदबाजी के चलते भारत ने मुकाबला अपने नाम करते हुए सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म की। वॉन ने 'द टेलीग्राफ' के लिए अपने कॉलम में लिखा, 'मैं उस टीम (इंग्लैंड) पर बहुत सख्ती नहीं करना चाहता, जिसे इस हफ्ते बदकिस्मती का सामना करना पड़ा। वह शायद अपने सबसे महत्वपूर्ण क्रिकेटर के बिना मैदान में उतरे, और फिर पहले दिन एक प्रमुख गेंदबाज को खो दिया। इंग्लैंड को प्रभावी रूप से 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए छह रन से शिकस्त झेलनी पड़ी। इसलिए मैं बहुत आलोचना नहीं करना चाहता।'

उन्होंने लिखा, 'लेकिन सच बात यह है कि इंग्लिश टीम घबरा गई थी। जैसे-जैसे वह जीत के करीब पहुंचते गए, उन्होंने ज्यादा जोखिम उठाने की कोशिश की। आखिरी दिन उनका तरीका गलत था। यह बहुत जोखिम भरा था। अगर इसमें 15 ओवर लगते हैं, तो लगे। आपको पांच ओवर में 35 रन बनाने की जरूरत नहीं है। बस एक स्थिर दिमाग की जरूरत थी।' पूर्व कप्तान ने लिखा, 'अगर भारत इस तरह हारता, तो हम कहते कि उन्होंने हार मान ली। अगर दक्षिण अफ्रीका इस तरह हारता, तो हम कहते कि उन्होंने हार मान ली। यह इतनी भारी चूक थी। यह हार इंग्लैंड को सचमुच बहुत नुकसान पहुंचाएगी। जब आप जानते हों कि आपको मैच जीतना है, तो हार बहुत निराशाजनक होती है।' बता दें कि इंग्लैंड को जीत के लिए 374 रन का टारगेट मिला था, जिसके जवाब मे इंग्लैंड की टीम 367 रन पर सिमट गई। सिराज ने 104 रन देकर 5 विकेट चटकाए, जबकि कृष्णा ने चार विकेट लेकर भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाई। इंग्लैंड को हैरी ब्रुक (111) और जो रूट (105) के शतकों ने सहारा दिया, लेकिन अंत में यह नाकाफी साबित हुआ।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई

टोरंटो। शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने एलेक्सी पोपिरिन को 6-7(8), 6-4, 6-3 से हराकर नेशनल बैंक ओपन (कैनेडियन ओपन) के सेमीफाइनल में जगह बनाई। अपने 75वें टूर-स्तरीय सेमीफाइनल में, ज्वेरेव नोवाक जोकोविच (196) के साथ उस मुकाम तक पहुंचने वाले केवल दो सक्रिय खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं।

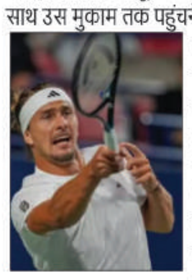

ज्वेरेव पिछले साल के रोलेक्स पेरिस मास्टर्स सेमीफाइनल के बाद पहली बार किसी सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। ज्वेरेव रॉडिक से आगे बढ़कर सीरीज के इतिहास में (1990 के बाद से) सबसे ज्यादा बार सेमीफाइनल (सातवीं बार) में पहुंचने वाले खिलाड़ी बने। शीर्ष वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके ऑस्ट्रेलिया के 18वीं वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन को हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दोनों खिलाड़ियों के पास मिनीब्रेक लीड और सेट पॉइंट थे, लेकिन एक अच्छे नेटकॉर्ड ने शुरुआती फ्रेम पोपिरिन को दे दिया। ज्वेरेव ने मैच का पहला ब्रेक हासिल किया और दूसरे फ्रेम में 3-0 की बढ़त बना ली और बाकी समय बढ़त बनाए रखी। गत चैंपियन ने दूसरे फ्रेम में वापसी की, लेकिन ब्रेक के कारण मैच निर्णायक गेम में पहुंच गया, जहां ज्वेरेव ने फिर से 3-0 की बढ़त बना ली, जिसे उन्होंने नहीं छोड़ा। ज्वेरेव ने अपने पहले सर्व में 82 प्रतिशत अंक जीते और अपने अंतिम 17 में से 16 अंक सर्व पर हासिल किए। उन्होंने ड्रॉप-वॉली विनर के साथ मैच का शानदार समापन किया। सेमीफाइनल में उनका सामना रूस के कारेन खाचानोव या अमेरिका के एलेक्स मिशेलसन से होगा। दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी ज्वेरेव 75वीं बार एटीपी टूर के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। वह अपने कुल 25वें और एटीपी 1000 मास्टर्स टूर्नामेंट में आठवें खिताब की तलाश में हैं।

ओलंपिक पदक ने मेरी जिंदगी बदल दी, लेकिन मैं इसे भूल चुका हूं: पहलवान अमन सहरावत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने से अमन सहरावत के कंधों से काफी बोझ उतर गया है लेकिन इस युवा पहलवान का कहना है कि वह इस उपलब्धि को पहले ही भूल चुके हैं क्योंकि अतीत की उपलब्धियों पर बैठे रहने से वह अपने बड़े सपनों को पूरा नहीं कर पाएंगे।

छोटी सी उम्र में अनाथ हो जाने के कारण बिरोहर में जन्मे इस पहलवान के लिए जिंदगी आसान नहीं रही। उनके चाचा ने उनका पूरा साथ दिया, लेकिन पारिवारिक जम्मिदारियां अमन पर भारी पड़ती रहीं। लेकिन पिछले वर्ष पेरिस में कांस्य पदक जीतने से उन्हें पहचान और पैसा मिला, जिससे उनका जीवन आसान हो गया।

विश्व चैंपियनशिप के लिए 57 किग्रा चयन ट्रायल जीतने के बाद अमन ने पीटीआई से कहा, ''ओलंपिक पदक ने मेरी जिंदगी 90 फीसदी बदल दी। इससे पहले मुझे कोई नहीं जानता था। पहले मेरे प्रदर्शन पर गौर नहीं किया जाता था, लेकिन पेरिस की सफलता के बाद लोग मुझे जानने लगे, मेरा सम्मान करने लगे। मुझे लगा कि मैंने देश के लिए कुछ किया है और 10-15 साल की कड़ी मेहनत रंग लाई है।''

उन्होंने कहा, ''ओलंपिक पदक भगवान का आशीर्वाद है। मुझे जीतने की उम्मीद भी नहीं थी। महिला पहलवानों से तो उम्मीदें ज़्यादा थीं। ये तो भगवान का दिया प्रसाद ही है।'' अमन ने कहा, ''इससे मुझे भी प्रेरणा मिली। लोग अब मुझसे स्वर्ण पदक की उम्मीद कर रहे हैं। मैं अपने कांस्य पदक को पहले ही भूल चुका हूं। मैं इससे संतुष्ट होकर यह नहीं कह सकता कि मैंने काफी कुछ हासिल कर लिया है। अब मैं स्वर्ण पदक के लिए तैयारी कर रहा हूं।''

शीर्ष स्तर पर सफलता ने किस प्रकार उनके जीवन को बदल दिया, इस बारे में उन्होंने कहा, ''अब मैं जो चाहूं खरीद सकता हूं। पहले मुझ पर दबाव था कि भविष्य में मुझे अपनी छोटी बहन को पढ़ाना है और उसकी शादी करनी है। अब मैं निश्चिंत होकर अभ्यास कर सकता हूं। अब मुझे पैसों की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है।''

अमन ने कहा, ''ऐसा नहीं है कि हमारा ध्यान नहीं रखा गया। मेरे चाचा ने हमेशा हमारा साथ दिया है, लेकिन एक बड़े भाई की जिम्मेदारी क्या होती है इसके बारे में तो सभी सोचते हैं।'' पेरिस ओलंपिक के बाद से अमन ने सिर्फ दो टूर्नामेंटों में हिस्सा लिया है। वह सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले पाए थे। उन्होंने कहा, ''ओलंपिक के बाद, मैंने सोचा था कि मैं विदेश में अभ्यास करूंगा लेकिन चीजें हमेशा वैसी नहीं होतीं जैसी आप उम्मीद करते हैं। फिर मैं चोटिल भी हो गया।''

अमन ने कहा, ''ओलंपिक पदक जीतने के बाद हारने का डर भी मुझ पर हावी हो गया था। मैंने सोचा अगर मैं हार गया तो लोग कहेंगे कि सफलता ने मुझे बिगाड़ दिया है। इसलिए, कोचों ने कहा कि आप एक अलग स्तर पर हैं और मैट पर उतरने के लिए आपको अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

देश के लोगों जाग जाओ... आखिरकार ऐसी अपील क्यों कर रहीं महबूबा

श्रीनगर (एजेंसी)। अनुच्छेद 370 को खत्म करने की छठी वर्षगांठ पर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने फैसले पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए यह बयान दिया था। उन्होंने कहा, देश के लोगों जाग जाओ क्योंकि महबूबा का मानना है कि यह फैसला न केवल जम्मू-कश्मीर के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक काला दिन था। महबूबा का आरोप है कि मोदी सरकार ने बहुमत का दुरुपयोग करके संविधान का उल्लंघन किया और इस तरह के फैसले से देश के संवैधानिक मूल्यों को नुकसान पहुंचा है। वे मानती हैं कि आज जम्मू-कश्मीर के साथ जो हुआ है, भविष्य में देश के अन्य हिस्सों में भी ऐसा हो सकता है। इसलिए, वह देश के लोगों को इस मुद्दे के प्रति जागरूक करना चाहती हैं। इस दिन, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी इस फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। इसी बीच, एक और महत्वपूर्ण घटनाक्रम भी हुआ है। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका पर सुनवाई होनी है, जिसमें जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग की गई है। इस मामले पर 8 अगस्त को सुनवाई होनी है, जो इस मुद्दे की गंभीरता को दर्शाता है।

उदयपुर की होटल में रेव पार्टी में पुलिस की रेड, 11 युवतियों समेत 50 गुजराती हिरासत में

अहमदाबाद (एजेंसी)। राजस्थान की उदयपुर पुलिस ने शहर के पास कोडियात रोड स्थित होटल गणेश होटल में चल रही रेव पार्टी में रेड कर 11 युवतियों समेत 50 जितने गुजरातियों को हिरासत में ले लिया। हिरासत में लिए गए लोगों से उदयपुर पुलिस कर रही है। होटल में सभी दस्तावेजों की जाँच और पूछताछ की जा रही है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुलिस इस मामले को स्पष्ट करेगी। दरअसल पुलिस को सूचना मिली थी कि उदयपुर कोडियात रोड स्थित होटल गणेश रेस्टोरेंट में रेव पार्टी और देह व्यापार चल रहा है। सूचना के आधार पर शनिवार देर रात डीएसपी सूर्यवीरसिंह राठौड़ के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस कर्मियों ने होटल पर छापा मारा। इस दौरान शराब समेत आपत्तिजनक सामग्री परोसी जा रही थी। पुलिस की छापेमारी से हड़कंप मच गया। पुलिस ने सभी को हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। उदयपुर के पुलिस उपाधीक्षक सूर्यवीरसिंह राठौड़ के मुताबिक गणेश होटल में रेव पार्टी और देह व्यापार की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर छापेमारी की गई, जिसमें 50 जितने युवक-युवतियां पकड़े गए हैं। इनमें से ज़्यादातर उदयपुर के बाहर से आए पर्यटक हैं। पूछताछ जारी है और सभी के पहचान पत्र देखे जा रहे हैं। भारी मात्रा में नशीला पदार्थ भी मिला है। पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ऑपरेशन सिंदूर से मिले सबक के बाद अपनी क्षमताओं को बढ़ाने में जुटी सेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ऑपरेशन सिंदूर से मिले सबक के बाद अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण बदलाव कर रही है। इन बदलावों में मुख्य रूप से प्रत्येक बटालियन में मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी), ड्रोन और ड्रोन-रोधी प्रणालियों को शामिल करना शामिल है। इस बदलाव में मुख्य रूप से बटालियन में शामिल पैदल सेना, तोपखाने और बख्तरबंद गाड़ियों के साथ यूएवी और ड्रोन रोधी इकाइयों को भी शामिल करना है। हालांकि सेना की सभी इकाईयां ड्रोन्स का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन इन्हें अभी भी छोटे रूप में ही इस्तेमाल किया जाता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद इनका महत्व जगजाहिर हो गया है। इन बदलाव के तहत प्रत्येक बटालियन स्तर पर यूएवी, ड्रोन और ड्रोन-रोधी प्रणालियों को एकीकृत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। यह कदम भविष्य के युद्धों और बदलती तकनीकों को ध्यान में रखकर उठाया जा रहा है। सेना ने ऑपरेशन सिंदूर में मिली सफलता और अनुभवों के आधार पर इन प्रणालियों के महत्व को पहचाना है। पहले भी ड्रोन का उपयोग होता था, लेकिन अब उन्हें बड़े पैमाने पर और व्यवस्थित तरीके से शामिल किया जाएगा। नई प्रणाली के तहत, प्रत्येक बटालियन में इन प्रणालियों को संचालित करने के लिए समर्पित टीमें बनाई जाएंगी। इन टीमों के कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इतना ही नहीं सेना 30 नई हल्की कमांडो बटालियन, जिन्हें भैरव यूनिट नाम दिया गया है, बनाने की भी तैयारी कर रही है। प्रत्येक यूनिट में 250 सैनिक और उन्हें सटीक अभियानों के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

मायावती ने अफवाहों पर लगाया विराम....न एनडीए और न ही इंडी गठबंधन में बसपा

मीडिया के कुछ समूह उनकी पार्टी की छवि को खराब करने में जुटे

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बयान जारी कर साफ किया है कि उनकी पार्टी किसी भी राजनीतिक गठबंधन का हिस्सा नहीं है। उन्होंने कहा कि बसपा न बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन में है और न ही कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडी गठबंधन में है। मायावती ने पोस्ट में कहा कि उनकी पार्टी सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के अंबेडकरवादी सिद्धांतों पर चलती है, और वह इन दोनों गठबंधनों से अलग है।

उन्होंने मीडिया के कुछ वर्गों पर बसपा की छवि को खराब करने और राजनीतिक नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक यूट्यूब चैनल ने बीजेपी के साथ आ आई मायावती कर दिया बड़ा ऐलान? शीर्षक से गलत और तथ्यहीन खबर चलाई, जबकि खबर का अंदरूनी हिस्सा कुछ और था। उन्होंने इस तरह के प्रयासों की निंदा कर कहा कि चैनल को माफी मांगनी चाहिए। मायावती ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से भी अपील की कि वे ऐसे राजनीतिक षडयंत्रों से सावधान रहें और किसी के बहकावे में न आएं, क्योंकि जातिवादी तत्व हमेशा अंबेडकरवादी विचारधारा को कमजोर करने के घिनौने षड्यंत्रों में लगे रहते हैं।

थरूर, मनीष के बाद कीर्ति चितंबरम ने राष्ट्रीय हित को प्रथम बताया... राहुल गांधी की रणनीति के उलट

क्या ये बयान के शीर्ष नेतृत्व को चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। इनदिनों कांग्रेस (आईएनसी) के भीतर एक नया बदलाव देखने को मिल रहा है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर, मनीष तिवारी और अब कार्ति चितंबरम जैसे वरिष्ठ नेता पार्टी लाइन से हटकर राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देने की बात कर रहे हैं। इस बीच, कार्ति चितंबरम का हालिया बयान ने कांग्रेस पार्टी में एक नई बहस छेड़ दी है। कार्ति चितंबरम का यह बयान तब आया है जब कांग्रेस के भीतर ही कुछ नेता राहुल गांधी की रणनीति से असहमति जता चुके हैं।

कार्ति ने पोस्ट में लिखा, हमें अपने राष्ट्रीय हित में काम करना चाहिए, न कि आवेगशील राष्ट्राध्यक्षों के चिड़चिड़ाहट भरी बातों से प्रभावित हो जाना चाहिए। कार्ति की यह टिप्पणी भारतीय विदेशी सरकार के उस बयान के जवाब में आई, जिसमें रूस से तेल आयात को लेकर यूरोपीय संघ और अमेरिका की आलोचना का जवाब दिया गया था।

कांग्रेस नेता कार्ति का पोस्ट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान पर प्रहार माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने भारत को रूस से सैन्य और ऊर्जा खरीद के लिए आड़े हाथों लिया था। कीर्ति की पोस्ट को लेकर अब सोशल मीडिया पर मिश्रित प्रतिक्रियाएं आईं, जहां कुछ यूजर्स ने बयान को राहुल गांधी के नेतृत्व को चुनौती' करार दिया, वहीं कुछ ने इन बयानों को 'कांग्रेस में नई सोच' की शुरुआत बताया।

इसके पहले, शशि थरूर और सांसद मनीष तिवारी ने भी राष्ट्रीय हित को पार्टी हित से ऊपर रखने की बात कही थी। शशि थरूर जिनसे आजकल कांग्रेस आलाकमान के करीबी नेता नाराज चल रहे है। उन्हें हाल के दिनों में कई बार भारत की विदेश नीति की तारीफ करते दिखे हैं। उन्होंने रूस और अमेरिका के साथ संतुलित रिश्तों की वकालत की है। इसी तरह, मनीष तिवारी ने संसद में चर्चा के दौरान कहा कि भारत को अपनी स्वायत्तता बनाए रखते हुए वैश्विक मंच पर मजबूत स्थिति अपनानी चाहिए, भले ही यह पार्टी के कुछ नेताओं की राय से मेल न खाए।

लेकिन कांग्रेस के इन नेताओं का बयान राहुल गांधी की बातों के उलट दिखाता है। पहलगाम हमले से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तकज राहुल गांधी केंद्र की नरेंद्र मोदी की नीतियों पर सवाल खड़े करते रहे हैं। इसके पहले डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और रूस को 'डेड इकॉनमी' कहा था, तब भी इस पर राहुल गांधी की प्रतिक्रिया पर कई प्रश्न उठे थे। राहुल गांधी ने ट्रंप की इस बात को सही बताकर भारत की अर्थव्यवस्था को मृत करार दिया था। उनके इस बयान की खूब आलोचना हुई थी।

इस हिसाब से थरूर, मनीष तिवारी और अब कार्ति का राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देने का रुख कांग्रेस में एक नई बहस छेड़ सकता है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या राहुल गांधी बदलाव को स्वीकार करते हैं, या वे इन बयान को अपने नेतृत्व के लिए चुनौती के रुप में स्वीकार करते है। पार्टी के लिए यह समय आत्ममंथन का है। क्या वह राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाएगी या अपनी आंतरिक एकता को प्राथमिकता देगी? आने वाले दिनों में ही सवाल

का जवाब साफ हो सकेगा कि क्या राहुल गांधी नाराज होते हैं या वे इस नई सोच को अपनाएंगे।

लाल किले की सुरक्षा में बड़ी चूक, पांच अवैध बांग्लादेशी पकड़ाए!

-मॉक ड्रिल के दौरान सुरक्षा में अनदेखी करने पर 7 पुलिसकर्मी सस्पेंड

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के लाल किले, जहां हर साल स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री द्वारा तिरंगा फहराया जाता है, वहां गंभीर सुरक्षा चूक सामने आई है। पुलिस ने पांच अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को लाल किले में जबरन घुसने की कोशिश करते हुए गिरफ्तार किया। मॉक ड्रिल के दौरान नकली बम को न पकड़ पाने के कारण सात पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया। पकड़े गए पांचों युवक बांग्लादेश के अवैध नागरिक हैं। इनकी उम्र करीब 20 से 25 बताई जा रही है। वे दिल्ली में मजदूरी का काम करते थे और उनके पास से कोई वैध कागज़ात नहीं मिला है। पुलिस को इनके पास से कुछ बांग्लादेशी दस्तावेज भी मिले हैं। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है कि वे लाल किले में क्यों घुसना चाहते थे? क्या इनका मकसद कोई अपराध या आतंकी गतिविधि थी? क्या इनके पीछे कोई गैंग या संगठन है?

दिल्ली पुलिस स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा को परखने के लिए मॉक ड्रिल कर रही है। शनिवार को की गई एक ऐसी ही मॉक ड्रिल में सुरक्षा की बड़ी चूक सामने आई। पुलिस की स्पेशल सेल का एक सदस्य साधारण कपड़ों में एक डमी बम लेकर लाल किले के पास पहुंचा, लेकिन वहां तैनात पुलिसकर्मी इस नकली बम को पहचान ही नहीं सके। इसी लापरवाही के कारण सात पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। लाल किला देश की सर्वोच्च सुरक्षा वाली जगहों में से एक है, खासकर 15 अगस्त के मौके पर जब पीएम समेत देशभर से नेता और अधिकारी वहां मौजूद रहते हैं। ऐसे में अवैध घुसपैठ और डमी बम की अनदेखी जैसी घटनाएं देश की सुरक्षा के लिए खतरे की घंटी हैं। दिल्ली पुलिस ने लाल किले और आसपास के इलाके में सुरक्षा और कड़ी कर दी है। सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा, डॉग स्क्वॉड, और बम डिटेक्शन यूनिट को एक्टिव कर दिया है। अवैध प्रवासियों की पहचान के लिए वेरिफिकेशन ड्राइव शुरू की गई है।

पीएम मोदी पर कांग्रेस नेता जयराम का तंज... दोस्त दोस्त न रहा, ट्रंप यार हमें तेरा ऐतबार न रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच दोस्ती के दावों का मज़ाक उड़ाकर कहा कि उनका रिश्ता देश के लिए महंगा साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि ट्रंप और पीएम मोदी के पुराने दोस्त होने के दावों को मज़बूत करने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें फोटो खिंचवाना भी शामिल था। कांग्रेस सांसद रमेश ने बताया कि एक लोकप्रिय गाना है दोस्त दोस्त न रहा। पीएम को भी यह गाना पता होगा।

रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि दोस्त दोस्त न रहा, ट्रंप यार हमें तेरा ऐतबार न रहा। उन्होंने हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम आयोजित किए। उन्होंने कहा अबकी बार अमेरिका में ट्रंप सरकार। दोनों ने खूब फोटो खिंचाई। हमारे विदेश मंत्री ट्रंप के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में पहली पंक्ति में बैठे थे। दावा किया गया कि पीएम और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच एक खास रिश्ता है, कि वे पुराने दोस्त हैं। उन्होंने कहा कि उसी पुराने दोस्त के द्वारा भारत पर अतिरिक्त टैरिफ़ लगाने की धमकी दी जा रही है और रूस से तेल न ख़रीदने के लिए कहा जा रहा है, रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि यह दोनों नेताओं के बीच ख़ास रिश्ते का नतीजा है।

रमेश ने कहा कि इस सबका नतीजा क्या है? टैरिफ बढ़ाने की धमकियाँ दी जा रही हैं। हमें रूस से तेल न ख़रीदने की धमकी मिल रही है। यह दोस्ती बहुत महंगी साबित हुई। प्रधानमंत्री को जवाब देना चाहिए। सालों से वह दावा करते रहे हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप और उनके बीच ख़ास रिश्ता है, वे गले मिलते हैं, तस्वीरें खिंचवाते हैं और बातचीत करते हैं। कांग्रेस सांसद ने प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाकर कहा कि ट्रंप 32 से ज़्यादा बार दावा कर चुके हैं कि ऑपरेशन सिंदूर उनकी वजह से रुका था।

चिराग खेल रहे डबल गेम, एक तरफ तारीफ तो दूसरी तरफ नीतीश को दे रहे टेंशन

-राजनीति के जानकारों का मानना- वह एनडीए में रहते अपनी जमीन कर रहे मजबूत

पटना (एजेंसी)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने बीते दिनों बिहार की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए नीतीश सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार में अपराधी हावी हैं और प्रशासन नतमस्तक हैं। चिराग का निशाना सीएम नीतीश कुमार पर माना जा रहा था। वही, दूसरी ओर चिराग यह भी कहते हैं कि वे एनडीए में थे, हैं और रहेंगे। उनका यह दोहरा रुख राजनीतिज्ञों को चक्कर में डाल देता है। राजनीति के जानकारों की नजर में उनकी रणनीति का हिस्सा है, जिससे वे एनडीए में रहते हुए अपनी सियासी मजबूत कर रहे हैं।

चिराग ने कहा कि महत्वाकांक्षी होना गलत नहीं, लेकिन मेरी महत्वाकांक्षा गठबंधन से ऊपर नहीं है। उन्होंने नीतीश के नेतृत्व में एनडीए के चुनाव लड़ने की बात दोहराई, लेकिन चिराग पासवान के बयानों से साफ है कि वे बिहार में अपनी पार्टी की हिस्सेदारी बढ़ाना चाहते हैं। बता दें 2020 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी ने अकेले 135 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिसने जेडीयू को नुकसान हुआ था। इस बार भी उनकी रणनीति सीट बंटवारे में बड़ा हिस्सा लेने की बताई जा रही है।

चिराग और नीतीश के रिश्ते लंबे समय से असहज रहे हैं। वर्ष 2020 में चिराग ने एनडीए से अलग होकर जेडीयू को 34 सीटों पर नुकसान पहुंचाया था। अब नीतीश कुमार के नेतृत्व का समर्थन करते हुए भी वे बिहार की कमियों को उजागर कर रहे हैं। उनके समर्थकों के पोस्टर में चिराग के स्वागत को तैयार है बिहार लिखा रहता है। जानकारों की नजर में यह उनकी सीएम बनने की महत्वाकांक्षा को जाहिर करता है।

चिराग पासवान और राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर की आपसी तारीफें भी सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। दोनों नीतीश सरकार की आलोचना करते हैं जिससे नए समीकरण की अटकलें लगने लगी हैं। हालांकि चिराग ने साफ कहा है कि उनकी प्राथमिकता एनडीए के साथ है और नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही वह चुनाव लड़ेंगे। उन्होने यह कहा है कि आने वाले पांच सालों तक नीतीश कुमार ही बिहार के सीएम रहेंगे। हालांकि बीच-बीच में चिराग की पीके की तारीफ को लेकर कन्फ्यूजन भी है और प्रशांत किशोर की यह तारीफें भविष्य में गठजोड़ की संभावना को जन्म दे रही है।

राजनीति के जानकार कहते हैं कि चिराग की रणनीति बिहार में दलित और गैर-यादव पिछड़े वर्गों में पैठ बढ़ाने की है। उनकी 'बिहार

फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' की नीति युवाओं और बहुजन समुदायों को आकर्षित कर रही है। 2025 के विधानसभा चुनाव में वे ज्यादा सीटें हासिल कर किंगमेकर की भूमिका निभाना चाहते हैं। जाहिर है चिराग एक ओर नीतीश को समर्थन देने की बात कहते हैं, लेकिन दूसरी ओर उनकी सियासी महत्वाकांक्षा भी जाहिर हो रही है जिससे एनडीए में तनाव बढ़ रहा है।

मुंबई में 51 कबूतरखाने बंद, हाईकोर्ट के आदेश के बाद 100 लोगों का कट गया चालान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार के निर्देश और बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने दादर कबूतरखाना में कबूतरों को दाना डालने पर आधिकारिक रूप से प्रतिबंध लगा दिया है। मीडिया से बात करते हुए, सहायक नगर आयुक्त जयदीप मोरे ने कहा कि हम हाईकोर्ट और राज्य सरकार के आदेशों का पालन करते हुए कार्रवाई कर रहे हैं। हम बस अपना काम कर रहे हैं। नगर निगम ने कबूतरों की बीट से होने वाले गंभीर श्वसन स्वास्थ्य जोखिमों का हवाला देते हुए 2 अगस्त को इस इलाके को सील कर दिया था। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 30 जुलाई को अपने आदेश में उल्लंघनकर्ताओं पर जुर्माना लगाने के अलावा बीएनएस की धारा 271 के तहत एफआईआर दर्ज करने का भी निर्देश दिया था।

गुरुजी शिबू सोरेन का व्यक्तित्व अतुलनीय था, आज पूरा झारखंड दुखी

- नेताओं ने जताया दुख, कहा- उनके किए कामों को नहीं भुलाया जा सकता

रांची (एजेंसी)। मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के विधायक और विधानसभा स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने बताया कि झारखंड में शिबू सोरेन को मंगलवार को नम आंखों से विदाई दी जाएगी। किसी व्यक्ति का पूरा जीवन कैसा रहा, उसे लेकर लोग क्या सोचते हैं, लोगों के बीच उसकी छवि कैसी रही, यह उसकी जिंदगी की अंतिम यात्रा के दौरान जाहिर हो जाता है। आज पूरा झारखंड दुखी है कि गुरु जी हमारे बीच नहीं रहे।

उन्होंने कहा कि गुरुजी के नहीं रहने से न केवल झारखंड, बल्कि पूरे विश्व में गम का माहौल है। वे हमारे अभिभावक थे। उन्होंने अपने जीवन में बहुत कुछ कमाया। आज उनके चाहने वाले गमगीन हैं। आज बड़ी संख्या में लोग उनके अंतिम दर्शन के लिए आ रहे हैं। गुरुजी का व्यक्तित्व अतुलनीय था।

महतो ने कहा कि गुरुजी को महामानव कहना ज्यादा उचित होगा। वे अपने जीवन काल में झारखंड के लोगों की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहे। उनकी भूमिका को कभी भी कम नहीं आंका जा सकता। वहीं इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि जो कोई भी इस संसार में आया है, वह एक दिन हमें छोड़कर चला जाता है, और यह हमारे लिए दुख की बात है कि आज गुरुजी हमारे बीच नहीं रहे। उनका हमारे बीच नहीं रहना एक अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन ने सीएम पद पर रहते हुए झारखंड के लोगों के लिए कई ऐसे फैसले लिए जो आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने हमारे बीच एक ऐसा आदर्श छोड़ा है जिसे कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है।

बीजेपी नेता लोबिन हेम्ब्रोम ने शिबू सोरेन को लेकर कहा कि आज मैंने अपनी जिंदगी में अगर राजनीति में यह मुकाम हासिल किया है, तो उसकी मूल वजह गुरूजी ही हैं। उन्होंने ही हमें राजनीति का ककहरा सिखाया है। हम उनके साथ कई तरह के आंदोलन में शामिल हुए। वे हमारे मार्गदर्शक थे। उन्होंने आदिवासियों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में कई काम किए। उन्होंने जल, जीवन और जंगल को बचाने के लिए कई कदम उठाए। झारखंड की जनता उन्हें कभी नहीं भूल सकती है। आज हम सब उन्हें नम आंखों से विदाई दे रहे हैं।

महाराष्ट्र में गणपति उत्सव की तैयारी जोरों पर, पीओपी की मूर्तियों से हटा बैन

-इस साल मूर्तियों का कारोबार 600 करोड़ रुपए के पार पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में गणपति के स्वागत के लिए तैयारी जोरों पर हैं, बाजार में दुकानदार, कंपनियां, राजनीतिक दल और सरकार भी तैयारी में जुट गई है। इस बार मूर्तिकारों और गणेशोत्सव मंडलों में उत्साह है क्योंकि पीओपी से बनी मूर्तियों पर काफी समय से चल रहा प्रतिबंध हट गया है। महाराष्ट्र सरकार ने गणेशोत्सव को राजकीय उत्सव घोषित किया है। त्योहारों में उत्साह जितना होता है, कारोबार भी उतना ही ज्यादा होता है। गणेशोत्सव इस साल 27 अगस्त से शुरू होगा। बंबई हाईकोर्ट ने पीओपी से बनी 6 फुट से ऊंची मूर्तियों का ही विसर्जन समुद्र में करने की इजाजत दी है। 6 फुट तक की मूर्तियां कृत्रिम तालाबों और जल कुंडों में विसर्जित की जाएंगी। महाराष्ट्र सरकार ने कोर्ट में दलील दी थी कि 6 फुट से ऊंची मूर्तियां समुद्र में विसर्जित करने की इजाजत दी जाए क्योंकि पीओपी से बनी मूर्तियों पर

रोक मूर्तिकारों की रोजी-रोटी छीन सकती है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने 2024 में 5 फुट तक की करीब 1.95 लाख मूर्तियों के विसर्जन के लिए 204 कृत्रिम टैंक बनवाए थे लेकिन केवल 85,000 मूर्तियों का विसर्जन इन टैंकों में किया गया और बाकी को समुद्र या नदियों में विसर्जित किया गया था। गणेशोत्सव में मूर्तियों का आकर्षण ही मूर्तिकार के कारोबार को करोड़ रुपए में पहुंचा देता है। विसर्जन की शर्त नरम करने से इस साल उनका कारोबार 15 फीसदी बढ़ने का अनुमान है। पिछले कुछ साल में मिट्टी, पीओपी, कूची और रंग आदि के दाम बढ़ने से मूर्तियों के दाम भी बढ़ गए हैं और इस साल मूर्ति पिछले साल से करीब 10 फीसदी महंगी रहेंगी। एक मूर्तिकार बताया कि मूर्तियों की बुकिंग शुरू हो चुकी है। मुंबई और आसपास के इलाके में 1 फुट की गणेश की मूर्ति 2,000 से 3,000 रुपए की है। पिछले साल गणेशोत्सव में करीब 550 करोड़ रुपए का मूर्तियों का कारोबार हुआ था, जो इस साल 600 करोड़ रुपए के पार पहुंचने की उम्मीद है। गणेशोत्सव के पहले तो महाराष्ट्र के करीब हर हिस्से में मूर्तियां बनती है लेकिन राज्य के कुछ हिस्सों में मूर्तियों के कारखाने साल भर चलते रहते हैं। रायगढ़ जिले की पेण तहसील और इसके आसपास का क्षेत्र गणपति की मूर्तियों का केंद्र माना जाता है। गणेशोत्सव के 10 दिन और पितृपक्ष के 15 दिन छोड़कर महाराष्ट्र के कई इलाकों में साल भर घर-घर में 6 इंच से 12 फुट तक ऊंची मूर्तियां बनती रहती हैं। इस क्षेत्र में ऐसी 1,600 इकाइयां हैं, जिनका सालाना कारोबार 250 से 300 करोड़ रुपए का है और साल में 3 से 3.25 करोड़ मूर्तियां बनती हैं। इनमें से करीब 1.25 करोड़ मूर्तियां गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के थोक व्यापारियों के पास जाती हैं, जहां से वे पूरे देश में पहुंचाई जाती हैं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में आत्मनिर्भर भारत और 21 स्वदेशी लाइट फील्ड गन करेगी आकर्षित

नई दिल्ली(एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में बड़े पैमाने पर प्रयोग किए गए स्वदेशी हथियारों से पाकिस्तान को बुरी तरह से धूल चटाने के बाद अब देश की सत्ता से जुड़े सामरिक गलियारों (रक्षा मंत्रालय) में 15 अगस्त यानी जश्न-ए-आजादी की 79वीं वर्षगांठ को जोरशोर से मनाने की तैयारियों का युद्धस्तर पर आगाज हो चुका है। जिसमें स्वदेशी के साथ ही आत्मनिर्भर भारत की मजबूत झलक देखने को मिलेगी। राष्ट्रीय ध्वज को दी जाने वाली 21 तोपों की परंपरागत सलामी के लिए देश में बनी 105 एमएम की लाइट फील्ड गन (एलएफजी) की प्रचंड गर्जना प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से समारोह के साक्षी बनने वाले हर खासो-आम के मन में राष्ट्रीयता की भावना तीव्र गति से हिलोरे मारने लगेगी। सूत्रों ने बताया कि सेना जल्द ही एलएफजी से दी जाने वाली इस सर्वोच्च सैन्य सलामी का अभ्यास शुरू करेगी।

संभवत-समारोह के लिए 7 तोपों का प्रयोग किया जाएगा, तीन राउंड फायर होंगे और सलामी की ये पूरी कवायद करीब 52 सेकंड में पूरी हो जाएगी। धमाके के लिए लाइव शेल नहीं बल्कि खासतौर पर डिजाइन किए गए कार्टेरेज और ब्लैंक राउंड्स का प्रयोग किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समारोह की अध्यक्षता करेंगे और उनका लालकिले की प्राचीर से देश के नाम संबोधन भी होगा। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार के तीसरे कार्यकाल में लालकिले से यह पीएम का दूसरा संबोधन होगा।

वर्ष 1947 में मिली आजादी के बाद लंबे अर्से तक देश के तमाम राष्ट्रीय पर्वों और कुछ अन्य आयोजनों में अंग्रेजों के शासनकाल की सैन्य सामग्री का इस्तेमाल ही चलन में रहा। लेकिन 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली भाजपा की सरकार के गठन के बाद इसमें बड़े पैमाने पर बदलाव देखने को मिल रहा है। इसी से जुड़ा हुआ है दो साल पहले 2023 में सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय समारोह में तिरंगे को दी जाने वाली राष्ट्रीय सलामी के लिए स्वदेशी लाइट फील्ड गन का प्रयोग करने का निर्णय। जबकि पहले इन दोनों महत्वपूर्ण समारोह में ब्रिटिश 25-पाउंडर तोप का ही इस्तेमाल किया जाता था। ये तोपें द्वितीय विश्व युद्ध और नॉरमैंडी जैसे युद्धों में प्रयोग की जा चुकी हैं। सलामी के लिए प्रयोग की जाने वाली 105 एमएम की तोप केंद्रीय भारत स्थित मध्य-प्रदेश राज्य के जबलपुर में आयुध फैक्ट्री खमरिया में बनाई गई हैं। 80 के दशक में इन्हें सेना के युद्धक बेड़े में शामिल किया गया था। तोप लगभग 17 किलोमीटर तक मार कर सकती है। वजन में ये काफी हल्की हैं, जिसकी वजह से तीन के करीब सैन्यकर्मी आसानी से इन्हें संचालित कर सकते हैं। साथ ही इनकी मदद से सेना देश के पहाड़ी और दुर्गम ऊंचाई वाले बर्फीले रेगिस्तानी इलाकों में जरूरत पड़ने पर

दुश्मन के ठिकानों पर भी सटीकता के साथ अचूक वार कर सकती है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**